दैनिक

नव प्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ❖❖ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार/खेल

बिलासपुर, शुक्रवार, 23 जनवरी 2026 कृष्ण पक्ष-पंचमी, विक्रम संवत -2082 / वर्ष-11 अंक- 275 पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

दावोस में अमेरिकी राष्ट्रपति डॉन डोनाल्ड ट्रंप ने आखिरकार अपनी दादागिरी दिखा ही दी। हम लेकर रहेंगे आजादी... की तर्ज पर उन्होंने यह नारा बुलंद किया कि - अमेरिका लेकर ही रहेगा ग्रीनलैंड...। जिसने अपनी मां का दूध पिया हो वो अमेरिका को रोक कर दिखाये। जाहिर है उन्हें कोई नहीं रोक पाएगा। कहते हैं न कि नंगे से तो खुदा भी डरता है। फिर डॉन डोनाल्ड ट्रंप तो नंगाई के मामले में पीएचडी हैं। ऐसा लगता है कि ये बुडबक अपनी सनक के चलते दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध की आग में झोंक कर ही दम लेगा।

न्यूज गैलरी

आर कृष्णा दास सीएम के सलाहकार नियुक्त

रायपुर/नवप्रदेश। वरिष्ठ पत्रकार आर. कृष्णा दास को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का सलाहकार नियुक्त किया गया है। सलाहकार के रूप में वे मुख्यमंत्री को मीडिया एवं अन्य विषयों पर परामर्श देंगे। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी आदेश में बताया गया कि सलाहकार के पद पर कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही उन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त होगा। इसके साथ उन्हें राज्य शासन के विशेष सचिव के समकक्ष अन्य सुविधाएं प्राप्त होगी।

सांसद शक्ति के भतीजे ने पत्नी को गोली मारी

अहमदाबाद। गुजरात से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल के भतीजे यशराज सिंह गोहिल ने पत्नी की गले में गोली लगने से हुई मौत के बाद आत्महत्या कर ली। यशराज की शादी दो महीने पहले ही हुई थी। पुलिस के मुताबिक यशराज ने बुधवार रात 11:45 बजे 108 पर कॉल करके एंबुलेंस को बुलाया था। कॉल में यशराज ने पत्नी राजेश्वरी के घायल होने की बात कही थी। मौके पर पहुंची मेडिकल टीम ने राजेश्वरी को मृत घोषित कर दिया। इससे पहले यशराज ने एंबुलेंस टीम को बताया कि उससे लाइसेंसी पिस्टल से गलती से गोली चल गई थी, जो सीधे पत्नी के गले में जा लगी।

रियल स्टील प्लांट में ब्लास्ट से 6 की मौत पांच घायल, गर्म लोहा मजदूरों पर गिरा

हादसे के बाद मौके पर मची अफरा-तफरी, कलेक्टर-एसपी भी मौके पर पहुंचे, पुलिस कर रही जांच

■ तकनीकी सिस्टम फेल होने और भारी दबाव से यह हादसा होने का चर्चा

बलौदाबाजार - रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के बलौदाबाजार में रियल इस्पात संयंत्र में गुरुवार को बड़ा हादसा हुआ। क्लिनिकल फर्नेस के दौरान ब्लास्ट होने से छह मजदूरों की मौत हो गई। मृतक दूसरे राज्यों के बताए जा रहे हैं। वहीं पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना भाटापारा ग्रामीण थाने क्षेत्र के ग्राम बकुलाही स्थित प्लांट की है।

घायलों को सबसे पहले भाटापारा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भेजा गया। फिर प्राथमिक उपचार के बाद बिलासपुर रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। अफरा-तफरी मच गई। हादसे की सूचना पर बलौदाबाजार कलेक्टर दीपक सोनी समेत पुलिस बल के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

ये लोग हुए घायल

मोटाज अंसारी, 26 वर्ष, बढ़ई सेंटर- एमएस
सराफत अंसारी, 32 वर्ष, बढ़ई एमएस
साबिर अंसारी, 37 वर्ष, बढ़ई-एमएस
कल्पू भुइया, 51 वर्ष, हेल्पर
रामू भुइया, 34 वर्ष, हेल्पर

शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि तकनीकी सिस्टम फेल होने और भारी दबाव से यह हादसा हुआ। कलेक्टर सोनी और एसपी भावना गुप्ता ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि हादसे में छह लोगों की मौत हुई है और पांच घायल हुए हैं।

घायल मजदूरों को बिलासपुर रेफर किया : जिला कलेक्टर सोनी ने बताया कि यह घटना भाटापारा ग्रामीण इलाके के बकुलाही गांव में रियल इस्पात एंड पावर लिमिटेड में हुई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, धमाका यूनिट के डस्ट सेटलिंग चैंबर में हुआ और गर्म धूल मजदूरों पर गिर गई, जिससे वे बुरी तरह जल गए। उन्होंने बताया कि छह मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। कलेक्टर ने बताया कि पांच घायल मजदूरों को बिलासपुर के छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में भर्ती कराया गया है।

मुख्यमंत्री साय ने जताया शोक

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि बलौदा बाजार के बकुलाही स्थित स्पंज आयरन फैक्ट्री में हुए भयावह विस्फोट की घटना अत्यंत दुखद और हृदय विदारक है। इस हादसे में 6 श्रमिकों की असमय मृत्यु हो गई, जबकि 5 घायलों को बिलासपुर उच्च स्तरीय इलाज के लिए भेजा गया है। मृतकों के परिजनों के प्रति मेरी गहरी शोक संवेदना। इस दुख की घड़ी में उनकी हर संभव सहायता सुनिश्चित की जाएगी। जिला प्रशासन को घायलों के समुचित उपचार और हादसे के कारणों की तथ्यपरक जांच के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। छत्तीसगढ़ सरकार पीड़ित परिवारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

जांच और कार्रवाई के निर्देश

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने घटना की जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफत्वरित एवं कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति और शोक संतप्त परिवारों को इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। मंत्री जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार इस मुश्किल घड़ी में प्रभावित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है और हर आवश्यक सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया है।

झारखंड के सारंडा में भीषण मुठभेड़

एक करोड़ के इनामी अनल समेत 12 नक्सली मारे गए

■ सुरक्षा बलों के एक्शन से थर्राया नक्सल संगठन

रांची। नक्सल विरोधी अभियान के तहत गुरुवार को चाईबासा जिले के सारंडा जंगल क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सली संगठन के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। यह मुठभेड़ छोटानागरा थाना क्षेत्र के घने और दुर्गम जंगलों में तब हुई, जब नक्सलियों की मौजूदगी की गुप्त सूचना के आधार पर सुरक्षाबलों ने संयुक्त अभियान शुरू किया था। मुठभेड़ में 1 करोड़ रुपये के इनामी नक्सली पतिराम मांझी उर्फ अनल सहित 12 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को सारंडा के जंगलों में नक्सलियों की गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसके बाद कोबरा बटालियन, झारखंड जगुआर और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। तलाशी अभियान के दौरान जैसे ही सुरक्षाबल नक्सलियों के नजदीक पहुंचे, नक्सलियों ने खुद को घिरा हुआ देख अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी।

सुरक्षाबलों ने भी तुरंत मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से काफी देर तक भारी गोलीबारी होती रही, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि सुरक्षाबलों के दबाव बढ़ने पर कुछ नक्सली घने जंगलों का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है और सघन तलाशी अभियान जारी है। सुरक्षा एजेंसियां इलाके पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और अतिरिक्त बलों की तैनाती भी की गई है ताकि किसी भी तरह की नक्सली गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

सेना का बुटेलप्रूफ वाहन 200 फीट गहरी खाई में गिरा, 10 जवानों की जान गई, नौ घायल

डोडा। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में हुए सड़क हादसे में सेना के 10 जवान की जान चली गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। हादसा भद्रवाह-चंबा मार्ग पर खन्नी टॉप के पास हुआ।

स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि सेना का बुलेटप्रूफ वाहन निकट के पोस्ट की तरफ जा रहा था। इसमें 19 जवान सवार थे। इसी दौरान चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और वह 200 ■ शेष पृष्ठ 6 पर

पंजाब के सीएम सुक्खू को मानव बम से उड़ाने की धमकी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को गणतंत्र दिवस पर शिमला में झंडा फहराने पर मानव बम से हमले की धमकी मिली है। यह धमकी जिला उपायुक्त शिमला को ईमेल के जरिए भेजी गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, हालांकि इसे अफवाह बताया जा रहा है।

कांकेर में 2 ट्रकों की आमने-सामने भिड़ंत, तीन की मौत

कांकेर/नवप्रदेश। कांकेर जिले में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। नेशनल हाईवे-30 पर दो तेज रफ्तार ट्रकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रक के केबिन को काटकर शवों को निकाला गया। यह भयावह दुर्घटना चारामा थाना क्षेत्र के ग्राम रतेसरा के पास हुई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों ट्रकों के सामने का हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गए। हादसे के बाद ट्रकों के केबिन बुरी तरह पिचक गए, जिससे शव अंदर ही फंस गए। काफी मशक्कत के बाद जेसीबी और अन्य भारी मशीनों की मदद से केबिन काटकर शवों को बाहर ■ शेष पृष्ठ 6 पर

छत्तीसगढ़ का शिमला 'मैनपाट' को पर्यटन के क्षेत्र में मिलेगा नया आयाम

सीएम साय के सुशासन में संवर रहा छत्तीसगढ़ का पर्यटन क्षेत्र

■ मैनपाट आने वाले पर्यटकों को बेहतर, सुरक्षित और किफायती ठहराव मिलेगा

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध हिल स्टेशन मैनपाट, जिसे राज्य का 'शिमला' कहा जाता है अब पर्यटन के क्षेत्र में नया आयाम पाने जा रहा है। राज्य सरकार ने मैनपाट में 4.80 हेक्टेयर (12 एकड़) भूमि अटल विहार योजना के लिए छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल को आवंटित कर दिया है। इस भूमि पर एक आधुनिक और सर्वसुविधायुक्त पर्यटन आवासीय परिसर का निर्माण किया जाएगा, जो मैनपाट आने वाले पर्यटकों को बेहतर, सुरक्षित और किफायती ठहराव उपलब्ध कराएगा।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने बताया कि परियोजना के तहत प्राकृतिक परिवेश के अनुरूप विकसित होने वाली यह सुविधा केंद्र बिंदु होगी, जिससे मैनपाट के पर्यटन ढांचे को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि मैनपाट की प्राकृतिक सुंदरता किसी जलपरी की कहानी जैसी है। उन्होंने बताया कि यह स्थल पर्यटकों को एक शांत और मनोहारी वातावरण देता है, जो उन्हें प्राकृतिक परियों की दुनिया में ले जाता है। परियोजना को संभव बनाने में आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी ■ शेष पृष्ठ 6 पर

गरमा-गरम

खुशखबरी

मानदेय में 33 प्रतिशत की बढ़ोतरी, अब मिलेंगे 19,366 रुपये प्रतिमाह

लाइन परिचारकों के मानदेय में इजाफा, अब पेट्रोल भत्ता भी मिलेगा

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने संविदा पर कार्यरत लाइन परिचारकों के हित में दो बड़े फैसले लिये गए हैं, जिसमें पहला उनके मानदेय में लगभग 33 प्रतिशत की वृद्धि करने का निर्णय है। साथ ही कंपनी ने उनके नियुक्ति आदेश में उल्लेखित 10 वर्ष की संविदा सेवा के बाद सेवासमाप्ति से राहत दी है।

माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर यह फैसला लिया गया है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह एवं डिस्ट्रीब्यूशन व जनरेशन कंपनी के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने इसकी पूरी जानकारी दी, जिसके बाद ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यालय मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया हैं। आदेश के अनुसार लाइन परिचारक (संविदा) का मूलवेतन 15600 रुपए होगा। इसमें पांच प्रतिशत मैदानी भत्ता प्रदान किया जाएगा। साथ ही अनुभव के आधार पर विशेष भत्ता प्रतिमाह प्रदान किया जाएगा, जो तीन वर्ष से सात वर्ष तक के अनुभव के आधार पर चार स्लैब में होगा।

मानदेय में 4,721 रुपए की वृद्धिः अब तक लाइन परिचारकों को 14,645 रुपए प्रतिमाह का फिक्स मानदेय दिया जा रहा था, यह अब 19,366 रुपए प्रतिमाह तक कर दिया गया है। इस तरह उनके मासिक मानदेय में 4,721 रुपएकी सीधी बढ़ोतरी हुई है, जो लगभग 33 प्रतिशत से ■ शेष पृष्ठ 6 पर

1 फरवरी 2026 से लागू होगी व्यवस्था

दोनों फैसले का लाभ ट्रांसमिशन कंपनी और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के संविदा लाइन परिचारकों को समान रूप से मिलेगा। यह नई मानदेय व्यवस्था 1 फरवरी 2026 से लागू होगी। इसमें कर्मचारी भविष्य निधि एवं कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम के प्रावधानों का लाभ देने के लिए अंशदान भी लिया जाएगा तथा नियुक्ता का अंशदान भी नियमानुसार देय होगा।

सुप्रीम अनुमतिः बसंत पंचमी पर धार भोजशाला में एक साथ होगी पूजा-नमाज

भोपाल/नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बसंत पंचमी के दिन धार में विवादित भोजशाला में सूर्योदय से सूर्यास्त तक हिंदुओं को प्रार्थना करने की अनुमति दी है। बसंत पंचमी इस साल शुक्रवार के दिन पड़ रही है और शुक्रवार को मुस्लिम समाज के लोग धार भोजशाला में जुमे की नमाज पढ़ते हैं। यही वजह है कि ये मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया था। दरअसल, मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित ऐतिहासिक भोजशाला को लेकर लंबे वक्त से चले आ रहे विवाद में एक नई याचिका पर आज यानी गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई करते हुए ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने बसंत पंचमी पर भोजशाला में सरस्वती पूजा के साथ-साथ नमाज पढ़ने की मंजूरी दी है। इस याचिका में हिंदू पक्ष ने बसंत पंचमी (23 जनवरी, शुक्रवार) को भोजशाला में केवल हिंदुओं को मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की अनुमति देने और मुस्लिम समुदाय को नमाज अदा करने से रोकने की ■ शेष पृष्ठ 6 पर

पुरखौती मुक्तांगन में शब्दों के महाकुंभ का आगाज

'रायपुर साहित्य उत्सव-2026' : देश के 120 से अधिक साहित्यकार होंगे शामिल

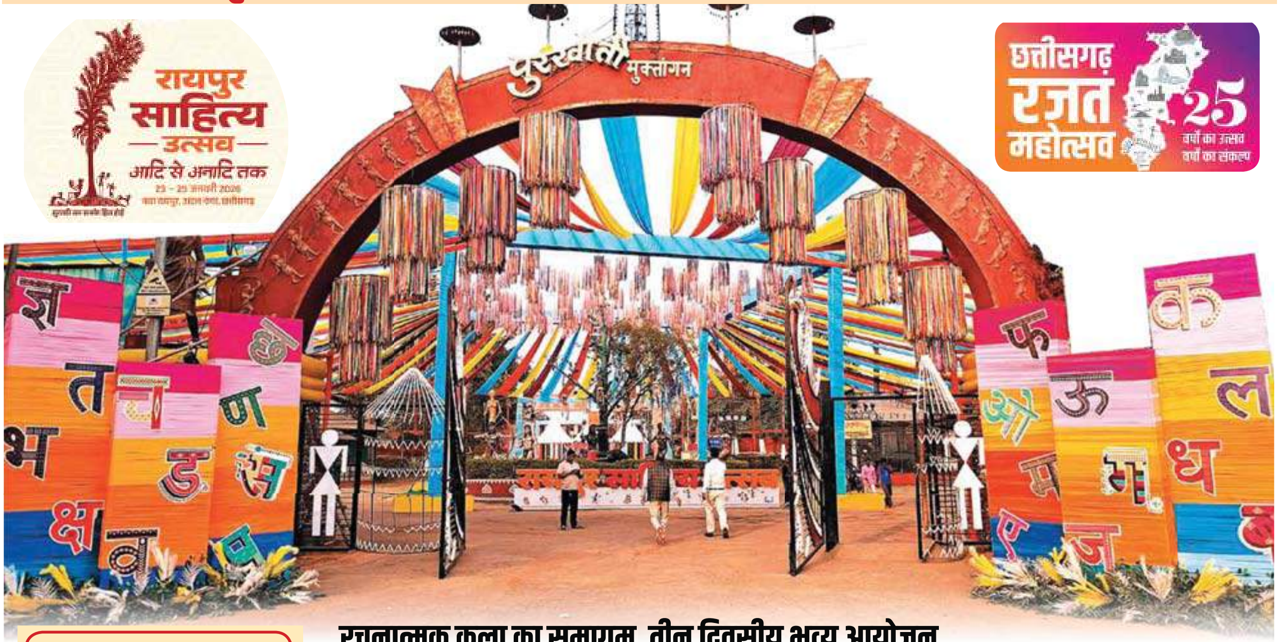

रचनात्मक कला का समागम, तीन दिवसीय भव्य आयोजन

छत्तीसगढ़ की समृद्ध साहित्यिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक परंपरा को राष्ट्रीय पटल पर सशक्त रूप से प्रस्तुत करने के उद्देश्य से रायपुर साहित्य उत्सव-2026 का भव्य आयोजन 23 से 25 जनवरी 2026 तक नवा रायपुर अटल नगर स्थित पुरखौती मुक्तांगन में किया जा रहा है। आम नागरिकों, साहित्य प्रेमियों, विद्यार्थियों एवं युवाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शासन द्वारा उत्सव स्थल तक सुगम एवं निःशुल्क यातायात की विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि अधिक से अधिक लोग बिना किसी बाधा के इस तीन दिवसीय साहित्यिक महोत्सव में सहभागिता कर सकें। इस व्यवस्था के अंतर्गत रायपुर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से पुरखौती मुक्तांगन, नवा रायपुर तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए कुल 6 विशेष बस रूट निर्धारित किए गए हैं।

उद्घाटन सत्र में पहुंचेंगी बड़ी हस्तियां

उत्सव के पहले दिन उद्घाटन सत्र में राज्यसभा सांसद हरिवंश विशेष रूप से शामिल होंगे. पूरे तीन दिन चलने वाले इस आयोजन की अध्यक्षता मुख्यमंत्री विष्णु देव साय करेंगे. उनकी मौजूदगी से कार्यक्रम को नई ऊर्जा और दिशा मिलने की उम्मीद है.

तीन दिन, 42 सत्र और गहन विचार-विमर्श

23 जनवरी से शुरू होकर 25 जनवरी तक चलने वाले इस तीन दिवसीय आयोजन में कुल 42 सत्र आयोजित किए जाएंगे. इन सत्रों में राजनीति, समाज, संस्कृति, मीडिया, युवा साहित्य, कविता, रंगमंच और वर्तमान समय से जुड़े विषयों पर खुलकर चर्चा होगी. विभिन्न विषयों पर होने वाला यह विमर्श उत्सव को और अधिक व्यापक और विचारोत्तेजक बनाएगा.

देश और प्रदेश से 118 साहित्यकारों की भागीदारी

इस साहित्य महोत्सव में कुल 118 साहित्यकार और कलाकार भाग लेंगे. इनमें से 58 देश के अलग-अलग हिस्सों से आएंगे, जबकि 60 प्रतिभागी छत्तीसगढ़ प्रदेश से होंगे. आयोजकों ने विशेष रूप से इस बात पर ज़ोर दिया है कि मंच पर वरिष्ठ रचनाकारों के साथ-साथ युवा लेखकों और कवियों को भी अपनी बात रखने का अवसर मिलेगा.

नाटक 'चाणक्य' रहेगा पहले दिन का मुख्य आकर्षण

पहले दिन का प्रमुख आकर्षण प्रसिद्ध अभिनेता मनोज जोशी द्वारा मंचित नाटक चाणक्य होगा. यह नाटक भारतीय राजनीति, कूटनीति और रणनीति की ऐतिहासिक झलक को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करेगा, जो दर्शकों के लिए एक यादगार अनुभव रहेगा.

मीडिया जगत की हस्तियां साझा करेंगे विचार

रायपुर साहित्य उत्सव में मीडिया जगत की चर्चित हस्तियां भी अपने विचार साझा करेंगी. इसी कड़ी में एनडीटीवी के अखिलेश शर्मा भी एक विशेष सत्र को संबोधित करेंगे. उनके व्याख्यान से मीडिया, समाज और समय से जुड़े मुद्दों पर नई दृष्टि मिलने की उम्मीद है.

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को मिलेगा नया मंच

रायपुर साहित्य उत्सव न केवल साहित्यिक संवाद को बढ़ावा देगा, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को भी राष्ट्रीय मंच पर और मजबूती से स्थापित करेगा. यह आयोजन राज्य के लिए गर्व का विषय होने के साथ-साथ आने वाले वर्षों में एक बड़ी साहित्यिक परंपरा की नींव रखने जा रहा है.

मुख्य आकर्षण

- साहित्यिक संवाद
- युवाओं के लिए ओपन माइक
- पुरखा के सुरता
- छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां
- रजत प्रवाह
- नाटक चाणक्य मंचन
- कवि सम्मेलन
- राष्ट्रीय पुस्तक मेला
- बच्चों के लए चित्रकला एवं कार्टून प्रतियोगिता

नई साहित्यिक चेतना का प्रवाह

रायपुर साहित्य उत्सव के माध्यम से छत्तीसगढ़ की साहित्यक विरासत को केन्द्र में लाकर उसके महत्व को स्थापित किया जा रहा है। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्तर के साहित्यकारों, विचारकों, लेखकों, चितंकों के मध्य संवाद स्थापित कर राष्ट्र के समक्ष प्रस्तुत गंभीर विमर्श आयोजित किया जा रहा है। इससे एक वैचारिक चितंन की नई धारा सामने आएगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि आधुनिक साहित्य, लोक साहित्य और वाचिक परंपरा के अंतरसंबंधों को रेखांकित किया जा रहा है। इसमें नई साहित्यिक चेतना का प्रवाह सामने सामने आएगा।

डॉ. सुशील कुमार त्रिवेदी
वरिष्ठ लेखक एवं साहित्यकार

S-46632

प्रथम दिवस - 23 जनवरी
उद्घाटन सत्र

उदद्घाटन सत्र 10.30 बजे से 12.00 बजे
अमृतकाल में गणतंत्र

विनोद कुमार शुक्ल मंडप

मुख्य अतिथि
श्री हरिवंश
उप सभापति, राज्यसभा

अध्यक्ष
श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

अतिविशिष्ट अतिथि
डॉ. रमन सिंह
अध्यक्ष, छ.ग. विधानसभा

विशिष्ट अतिथि
श्री अरुण साव, उप मुख्यमंत्री
श्री विजय शर्मा, उप मुख्यमंत्री
डॉ. कुमुद शर्मा कुलपति,
महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा
श्री मनोज जोशी
रंगकर्मी एवं अभिनेता

प्रथम सत्र 12.30 बजे से 1.30 बजे
परिचर्चा समकालीन महिला लेखन

- सुश्री इंदिरा दांगी
- सुश्री श्रद्धा थवाईत
- सुश्री सोनाली मिश्र
- सुश्री जया जादवानी

सूत्रधार: सुश्री स्वाति तिवारी

द्वितीय सत्र 2.15 बजे से 3.00 बजे
Gen Z सोशल मीडिया और रचनात्मकता

- श्री अनिल पांडे,
- श्री आशीष कुमार अंशू,
- श्री देवेन्द्र गोस्वामी,
- सूत्रधार: सुश्री अंकिता जैन

परिचर्चा वाचिक परम्परा में साहित्य
श्री रुद्रनारायण पाणिग्रही
श्री शिव कुमार पांडे
डॉ. जयमती
डॉ. सुधीर पाठक
अध्यक्ष : डॉ. महेन्द्र मिश्र

लाला जगदलपुरी मंडप

परिचर्चा "काला पादरी" में जनजाति विमर्श
डॉ. उर्मिला शुक्ल बीरबल जी
श्री संजीव बख्शी
श्री प्रदीप श्रीवास्तव
सूत्रधार : श्री शुभम उपाध्याय

परिचर्चा पुरातत्व : मौन साहित्य
श्री राहुल सिंह, डॉ. शिवाकांत बाजपेई श्री आर एन विश्वकर्मा श्री अजय चतुर्वेदी **सूत्रधार** : श्री अरविंद मिश्र

सांस्कृतिक संध्या

मनोज जोशी
चाणक्य नाटक
शाम : 7 बजे से

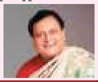

रेल विकास सहित यात्री सुविधाओं पर बैठक में की गई चर्चा

बिलासपुर मंडल क्षेत्राधिकार के सांसदों के साथ महाप्रबंधक व रेल अधिकारियों की बैठक आयोजित

बिलासपुर/नवप्रदेश। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के अंतर्गत आने वाले संसदीय क्षेत्रों के सांसदों की बैठक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश के साथ आज 22 जनवरी को आयोजित की गई। तृतीय तल सभागार महाप्रबंधक कार्यालय में आयोजित यह बैठक सौहार्दपूर्ण तथा सहयोगात्मक माहौल में तोखन साहू, सांसद बिलासपुर एवं राज्यमंत्री आवास एवं शहरी मंत्रालय भारत सरकार, की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई ।

इस बैठक में तोखन साहू, सांसद बिलासपुर एवं राज्यमंत्री आवास एवं शहरी मंत्रालय भारत सरकार के अलावा चिंतामणि महाराज सांसद सरगुजा, कमलेश जांगड़े, सांसद जांजगीर-चांपा, देवेंद्र प्रताप सिंह, सांसद राज्यसभा (रायगढ़), शामिल हुये। इसके अलावा डॉ. ज्योत्सना महंत, सांसद कोरबा के प्रतिनिधि हरीश परसाई, जे.ओराम, सांसद सुंदरगढ के प्रतिनिधि प्रेम सागर उरांव, राधेश्याम राठिया, सांसद रायगढ के प्रतिनिधि नंदकिशोर डनसेना, हिमाद्री सिंह, सांसद शहडोल के प्रतिनिधि संतोष लोहानी, प्रदीप पुरोहित, सांसद बरगढ के प्रतिनिधि विकास अग्रवाल,अपर महाप्रबंधक विजय कुमार साहू, मंडल रेल प्रबंधक राकेश रंजन, विभिन्न विभागों के प्रधान विभागाध्यक्ष सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे तरुण प्रकाश ने उपस्थित सांसदों का स्वागत करते हुए कहा कि आप सभी के मार्गदर्शन और बहुमूल्य सुझाव का लाभ हमें अपनी सेवाओं को और बेहतर करने में मिलेगा। सांसदों द्वारा मंडल में हो रहे विकास कार्यों, उपलब्ध यात्री सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया गया तथा अपने क्षेत्र से संबन्धित विभिन्न जन सरोकारों से संबन्धित मुद्दों के माध्यम से स्थानीय स्तर की समस्याओं तथा जनता की आकांक्षाएं एवं अपेक्षाओं के अनुरूप विभिन्न स्टेशनों में यात्री सुविधा का विस्तार करने की आवश्कताओं से अवगत कराया तथा ट्रेनों के ठहराव, नई रेल सेवाओं एवं समयबद्धता पर सुझाव दिए। साथ ही बैठक में विभिन्न स्टेशनों में यात्री सुविधाओं तथा रेलवे विकास से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा हुई। महाप्रबंधक ने सभी सांसदों को अपने-अपने क्षेत्र की जनता की आकांक्षाएं एवं अपेक्षाओं से रेल प्रशासन को अवगत कराने एवं विकासात्मक सुभाव देने के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही बैठक में उठाए गए मुद्दों तथा सुझावों को नियमानुसार प्राथमिकता के साथ पूरा करने के प्रयास के प्रति आश्वस्त किया। बैठक के अंत में उप-महाप्रबंधक(सामान्य) समीर कान्त माथुर ने सुझाव देने तथा बैठक को सफल बनाने हेतु मंत्री जी, सभी सांसदों एवं सांसद प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

यात्री सुविधाओं व विकासात्मक कार्यों से संबन्धित प्रजेंटेशन प्रस्तुत

बैठक में उप-महाप्रबंधक (सामान्य) द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का परिचय, उपलब्धियों, यात्री सुविधाओं तथा विकासात्मक कार्यों से संबन्धित प्रजेंटेशन सांसदों के समक्ष प्रस्तुत किया गया । प्रजेंटेशन में बिलासपुर मंडल में यात्री सुविधाओं से संबन्धित किए जा रहे कार्य ,आधारभूत संरचना का विकास, गाड़ियों का क्षमता आवर्धन, दिव्यांगजन सुविधा, अमृत भारत स्टेशन योजना, वन स्टेशन वन प्रॉडक्ट, महिलाओं के लिए उपलब्ध विशेष सुविधाएं जैसे अश्विता सेफ बबल, मेरी सहेली अभियान आदि का विशेष उल्लेख किया गया । वाई-फाई, स्वच्छता प्रोजेक्ट, रेल मदद हेल्पलाइन नंबर 139, यात्री सुरक्षा तथा पर्यावरण संरक्षण आदि की विस्तृत जानकारी साझा की गई ।

■ न्यूज गैलरी

शहीद वीर नारायण अभा कबड्डी प्रतियोगिता आज से

करगीरोड (कोटा)/नवप्रदेश। शहीद वीर नारायण सिंह कबड्डी कोटा में 23 जनवरी शुक्रवार से 25 जनवरी 2026 रविवार तक तीन दिवसीय अखिल भारतीय कबड्डी स्पर्धा (महिला/पुरुष) का आयोजन डी. के. पी. उच्च माध्य विद्यालय खेल मैदान करगीरोड कोटा में किया गया है। खिलाडियों के उत्साहवर्धन तथा राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता को पुरुष/महिला पुरस्कार मैन ऑफ दी सीरीज 11,000/- प्रथम पुरस्कार 1,00000/- मैन ऑफ दी मैच 7,000/- बेस्ट रेडर 5,000/-द्वितीय पुरस्कार 75,000/-प्रत्येक मैच में मैन ऑफ दी मैच 500/-राईट कार्नर 2000/- तृतीय 51,000/-पुरस्कार लेफ्ट कार्नर 2000/- आयोजक समिति चतुर्थ पुरस्कार 35000/- राईट कव्हर 2000/- लेफ्ट कव्हर 2000/- मुख्य संरक्षक एवं मार्गदर्शक अटल श्रीवास्तव विधायक, कोटा विधानसभा संरक्षकःडॉ. वसंत अंचल क्रीड़ा अधिकारी कहा विद्यालय मस्तुरी डॉ. जयशंकर यादव डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय डॉ. अजय श्रीवास्तव संचालक, आधार शिला विद्या मंदिर, प्रकाशराव वैथरमेश ,प्रभु सिंह जगत जिला पं. सदस्य प्रतिनिधि मनोहर ध्रुव एन्ट्री 12 टीम प्रवेश 10 जनवरी, को है प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क है।

उपार्जन केंद्रों में लिमिट नहीं, धान खरीदी को अब चार दिन ही शेष

सत्यापन होने के बाद भी भटक रहे किसान, जारी नहीं हो रहा टोकन

बिलासपुर/नवप्रदेश। समर्थन मूल्य में धान खरीदी अब सिर्फ 4 दिन होगी। अंतिम समय में जिन किसानों ने धान नहीं बेचा है उन्हें अब सत्यापन करवाना होगा। उसके बाद ही उनका टोकन जारी होगा, लेकिन सत्यापन होने के बाद भी कई किसानों का टोकन इसलिए नहीं जारी नहीं हो रहा है कि उपार्जन केंद्रों में लिमिट नहीं बढ़ाई गई है। ऐसे में कई किसान धान बेचने से वंचित रह जाएंगे।

कुछ दिन पहले ही सरकार ने फरमान जारी कर धान परिवहन पर अचानक रोक लगा दी थी और यह कहा गया था कि धान का परिवहन जिला स्तरीय अधिकारियों के जांच के बाद किया जाएगा। जिले में 140 धान खरीदी केंद्र बनाए गए हैं। इसके लिए अलग-अलग अधिकारियों को नोडल की जिम्मेदारी दी गई है। जिले में कुल 1,32,653 किसान पंजीकृत है, जिनमें से 1,05,756 किसान धान बेच चुके हैं। वहीं 7,40,422 मीट्रिक टन खरीदी का लक्ष्य रखा गया है। जिले में इस समय कई पात्र किसानों ने धान नहीं बेच पाया है। धान खरीदी के अंतिम समय गड़बड़ी रोकने के लिए शासन द्वारा अधिकारियों के माध्यम से सत्यापन कराया जा रहा है और जिन किसानों का सत्यापन में सही पाया जाएगा उन्हीं किसानों से धान खरीदी होगी।

परिवहन बंद, धान खराब होने की संभावना

उपार्जन केंद्रों से धान का उठाव अचानक रोक दिए जाने के कारण उपार्जन केंद्रों में जाम की स्थिति निर्मित हो गई है। ऐसी स्थिति में शार्टेज की संभावना भी बढ़ गई है। सबसे अधिक बिल्हा और मस्तूरी विकासखंड में धान का उठाव होना है, लेकिन उठाव बंद कर दिए जाने के कारण समिति प्रबंधकों के लिए खरीदी मुसीबत बन गई है। खरीदी की शुरुआती दौर में उठाव लगातार हो रहा था, लेकिन सरकार ने अचानक उठाव बंद करवा दिया, जिससे धान खराब होने की संभावना है।

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से हाईवा में लगी भीषण आग

■ **अटल यूनिवर्सिटी परिसर में हादसा**

बिलासपुर/नवप्रदेश। कोनी थाना क्षेत्र अंतर्गत अटल यूनिवर्सिटी परिसर में गुरुवार दोपहर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। विश्वविद्यालय परिसर में चल रहे प्रशासनिक भवन के निर्माण कार्य के दौरान गिट्टी खाली करते समय एक हाईवा अचानक हाइटेंशन तार की चपेट में आ गया, जिससे उसमें भीषण आग लग गई। घटना दोपहर करीब 2 बजे की बताई जा रही है। हाईवा का नंबर सीजी10 बीजे 4727 है, जो निर्माण स्थल पर सामग्री उतार रहा था। मिली जानकारी के अनुसार गिट्टी खाली करने के दौरान हाईवा का डंपर ऊपर उठते ही पास से गुजर रही हाइटेंशन लाइन से संपर्क में आ गया। संपर्क होते ही तेज चिंगारी के साथ वाहन में आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और हाईवा धू-धू कर जलने लगा। आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि कुछ ही मिनटों में वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गया। घटना के समय हाईवा चालक की सूझबूझ और सतर्कता से एक बड़ा जनहानि का खतरा टल गया। चालक ने स्थिति भांपते ही तुरंत वाहन से कूदकर अपनी जान बचाई। बताया जा रहा है कि चालक को किसी प्रकार की गंभीर चोट नहीं आई है। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

किशोर न्याय बोर्ड और बाल न्यायालय के फैसले को हाई कोर्ट ने किया रद्द

सुनवाई के लिए वापस भेजा मामला

बिलासपुर /नवप्रदेश।। जघन्य अपराध के संबंध में बच्चे पर व्यस्क के रूप में मुकदमा चलाया जाना चाहिए या नहीं, इसे लेकर हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट के सिंगल बेंच ने कहा, किशोर न्याय (देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 15 के तहत कानून के साथ संघर्ष करने वाले किशोर का प्रारंभिक मूल्यांकन अनिवार्य है, जब भी उसे किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया जाता है, यह जांचने के लिए कि बच्चे पर वयस्क के रूप में मुकदमा चलाया जाना है या नहीं। इस टिप्पणी के साथ हाईकोर्ट ने किशोर न्याय बोर्ड व न्यायालय के फैसले को रद्द करते हुए पुनः सुनवाई के लिए मामला वापस भेज दिया है। हाईकोर्ट का यह फैसला न्याय दृष्टांत बन गया है।

विष्णु रोहड़ा ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से हाईकोर्ट में आपराधिक पुनरीक्षण याचिका दायर की थी। मामले में याचिकाकर्ता द्वारा, किशोर न्याय (देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 102 के अंतर्गत, रायगढ़ स्थित बाल न्यायालय, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एफएससी द्वारा 29 अप्रैल 2023 को पारित आदेश के विरुद्ध दायर की थी, याचिकाकर्ता द्वारा दायर आपराधिक अपील को खारिज कर दिया गया है।याचिकाकर्ता मृतक का भाई है और इस मामले में शिकायतकर्ता है। अपराधियों में दो कानून से संघर्षरत नाबालिग हैं, और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप है कि उन्होंने 27 सितंबर 2017 को मृतक अर्जुन के साथ मारपीट की, जिससे मृतक को गंभीर चोटें आईं और उसी दिन उसकी मृत्यु हो गई। एफआईआर दर्ज की गई और नाबालिगों को अन्य आरोपियों के साथ हिरासत में लिया गया। रायगढ़ किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष कानून से संघर्षरत नाबालिगों के खिलाफ आईपीसी की धारा 147, 148, 149, 302, 294, 506, 452, 323 और 427 के तहत दंडनीय अपराध के लिए आरोप पत्र दायर किया गया। कानून से संघर्षरत नाबालिगों को 28 सितंबर 2017 को हिरासत में लिया गया और उन्हें बाल संप्रेषण गृह (ऑब्जर्वेशन होम) भेज दिया गया। 8 मई 2019 को याचिकाकर्ता ने नाबालिगों की आयु निर्धारण हेतु अधिनियम 2015 की धारा 15 के अंतर्गत आवेदन किया। उक्त आवेदन को रायगढ़ स्थित किशोर न्याय बोर्ड ने 8 फरवरी 2023 को इस आधार पर अस्वीकृत कर दिया कि जघन्य अपराध के मामले में, कानून से संघर्षरत किशोर को बोर्ड के समक्ष पेश किए जाने की तिथि से एक माह के भीतर अपराध करने की मानसिक और शारीरिक क्षमता, तथा अपराध के परिणामों को समझने की क्षमता का आकलन किया जाना चाहिए।

दुर्ग-हटिया के मध्य स्पेशल ट्रेन के परिचालन में विस्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। रेल यात्रियो की सुविधाओ को ध्यान में रखते हुये रेल प्रशासन के द्वारा दुर्ग - हटिया-दुर्ग के मध्य चल रही स्पेशल ट्रेन के परिचालन में विस्तार किया गया है। यह गाड़ी 08185 / 08186 हटिया-दुर्ग-हटिया द्वि-साप्ताहिक स्पेशल की सुविधा 30 जनवरी तक चल रही है, जिसके परिचालन में 8 फेरो का विस्तार 27 फरवरी तक किया गया है । 08185 हटिया-दुर्ग द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन (प्रत्येक मंगलवार एवं गुरुवार) का परिचालन 3 से 26 फरवरी तक विस्तार किया गया है ।

क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत टीबी मरीजों को मिला पोषण आहार

■ **एसईसीएल के सीएसआर सहयोग से लाइफ केयर हॉस्पिटल डॉट्स सेंटर में वितरण**

बिलासपुर /नवप्रदेश। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम एवं प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत लाइफ केयर हॉस्पिटल में संचालित डॉट्स सेंटर में एसईसीएल के सीएसआर मद से प्राप्त पोषण आहार का टीबी मरीजों को वितरण किया गया। कार्यक्रम में

मुख्य अतिथि महापौर पूजा विधानी ने दवा के साथ पोषण की महत्ता पर जोर देते हुए टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को सामूहिक प्रयास से हासिल करने की बात कही, वहीं जिला क्षय अधिकारी डॉ. गायत्री बांधी ने नियमित उपचार, समय पर जांच और संतुलित आहार से टीबी के पूर्ण उपचार की जानकारी दी। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम समन्वयक ए. सरिता, अस्पताल संचालक डॉ. रामकृष्ण कश्यप सहित टीबी कार्यक्रम से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे और मरीजों को नियमित दवा सेवन व स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

तहसीलदार पर बिना सुनवाई धान विक्रय व राशि आहरण पर रोक हटाने का आरोप

बिलासपुर/नवप्रदेश। तहसील रतनपुर अंतर्गत ग्राम रिगवार, पटवारी हल्का चपोरा की संयुक्त कृषि भूमि से संबंधित धान विक्रय एवं राशि आहरण में कथित अनियमितता का मामला सामने आया है। ग्राम बिरगहनी निवासी पुन्नी बाई पैकरा ने तहसीलदार रतनपुर के खिलाफ कलेक्टर को लिखित शिकायत सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में बताया गया है कि संबंधित भूमि पैतृक एवं संयुक्त खाते की है, जिसमें आवेदिका का नाम त्रुटिवश राजस्व अभिलेख में दर्ज नहीं है। इस संबंध में धारा 115 छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत त्रुटि सुधार का प्रकरण

कलेक्टर से की शिकायत, कार्रवाई की मांग

तहसीलदार रतनपुर के समक्ष लंबित है। साथ ही भूमि विवाद व्यवहार न्यायालय कोटा में विचाराधीन है, जिसकी सुनवाई 20 जनवरी 2026 को नियत है। आरोप है कि विवादित भूमि में लगभग 4 एकड़ में पुन्नी बाई द्वारा धान की फसल लगाई गई थी, इसके बावजूद सहखातेदार श्रवण कुमार द्वारा अकेले धान का विक्रय किया जा रहा था। इस पर तहसीलदार रतनपुर द्वारा 1 दिसंबर 2025 को धान विक्रय पर रोक का आदेश पारित किया गया था। बावजूद इसके सेवा सहकारी समिति पचरा द्वारा लगभग 200 क्विंटल धान की खरीदी कर ली गई। शिकायत के बाद तहसीलदार द्वारा धान की खरीदी राशि के आहरण पर भी रोक लगाई गई थी, लेकिन अब आरोप है कि बिना किसी लिखित आदेश एवं बिना आवेदिका को सुनवाई का अवसर दिए, मौखिक आदेश का हवाला देकर उक्त रोक हटा दी गई, जिससे श्रवण कुमार ने पूरी राशि आहरित कर ली। पीड़िता ने कलेक्टर बिलासपुर से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर तहसीलदार रतनपुर सहित संबंधित अधिकारियों एवं समिति प्रबंधन के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की है।

मेयर इन काउंसिल की बैठक में 19 प्रस्तावों पर चर्चा

बिलासपुर/नवप्रदेश। नगर निगम के सभाकक्ष में मेयर इन काउंसिल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुल 19 प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिनमें शहर के विकास से जुड़े कई अहम कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य आने वाले समय में बिलासपुर में विकास की रफ्तार को तेज करना रहा, जिसके लिए एक ठोस रूपरेखा भी तैयार की गई।काउंसिल की बैठक में अरपा रामसेतु से शनिचरी अरपा तक सड़क एवं नाला निर्माण कार्य, सिरगिटी बन्नाक चौक में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण, विभिन्न क्षेत्रों में सीसी रोड निर्माण, व्यावसायिक परिसरों का विकास, विद्युतीकरण कार्य, गोकुलधाम क्षेत्र का उन्नयन, कर फुटपाथ निर्माण, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स तथा दो मोहनी एसपी मार्ग से संबंधित योजनाओं को शामिल किया गया।

इन सभी योजनाओं की कुल लागत लगभग 70 करोड़ रुपये आंकी गई है। सभी प्रस्तावों को अंतिम रूप देकर शासन के पास भेजने का निर्णय लिया गया।इसके अलावा शहर में जिन प्रमुख सड़कों का निर्माण एवं सुधार कार्य प्रस्तावित है, उनकी विस्तृत रूपरेखा भी बैठक में प्रस्तुत की गई।

आयोजन

'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ पर डीपी विप्र कॉलेज में भव्य राष्ट्रभक्ति कार्यक्रम आयोजित

'लोगों में देशभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा व राष्ट्रीय चेतना को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल'

बिलासपुर/नवप्रदेश। देश को एकता, अखंडता एवं राष्ट्रप्रेम के सूत्र में बांधने वाले राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ के पावन अवसर पर रेलवे सुरक्षा बल राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा एक भव्य, अनुशासित एवं प्रेरणादायी राष्ट्रभक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रगीत के ऐतिहासिक महत्व को स्मरण कराने के साथ-साथ जनमानस में देशभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा एवं राष्ट्रीय चेतना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

इस गरिमामय आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर से संबद्ध डी.पी. विप्र महाविद्यालय की उल्लेखनीय एवं सक्रिय सहभागिता रही। महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापकगण, कार्यक्रम अधिकारी तथा एनएसएस स्वयंसेवकों ने उत्साह एवं अनुशासन के साथ भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम का आयोजन डी.पी. विप्र महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अंजू शुक्ला,डॉ. एम.एस. तम्बोली, डॉ. मनीष तिवारी, अविनाश सेठी के मार्गदर्शन में किया गया । सभी अतिथियों ने अपने उद्बोधन में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से राष्ट्रसेवा एवं सामाजिक दायित्वों को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. मनोज सिन्हा, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. किरण दुबे, प्रो. यूपेश कुमार, प्रो. आकांक्षा गौतम प्रो. हेल्सियन एवं प्रो. विभांशु की विशेष उपस्थिति रही, जिन्होंने विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों को प्रेरक संदेश प्रदान किए। कार्यक्रम के आयोजन के लिए आशीर्वाद पैनल ने राष्ट्रीय सेवा योजना के समस्त स्वयंसेवकों एवं कार्यक्रम अधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं।

एनएसएस स्वयंसेवकों के राष्ट्रप्रेम की सराहना

एनएसएस स्वयंसेवकों के अनुशासन, सेवा-भाव एवं राष्ट्रप्रेम की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डी.पी. विप्र महाविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवक स्वमिल, विपिन, कुणाल, नंदिनी शर्मा, भूपेन्द्र, आस्था शर्मा, डीकेश, बासु, सहित अन्य स्वयंसेवकों ने आयोजन की व्यवस्थाओं में सक्रिय सहयोग प्रदान करते हुए अनुकरणीय भूमिका निभाई। स्वयंसेवकों की सहभागिता ने यह सिद्ध किया कि युवा शक्ति राष्ट्र निर्माण की सबसे सशक्त आधारशिला है।

सुविचार

असली खुशी इसमें नहीं कि जो चाहा वह मिल जाए,
सच्ची खुशी इसमें है कि जो मिला है उसे चाहा जाए।

ग्रीन लैंड पर अमेरिका की दावेदारी

दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमी फोरम में अपने संबोधन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सारी दुनिया के सामने ग्रीनलैंड पर अपनी दावेदारी ठोक कर खुलेआम अपनी दादागिरी दिखा दी। डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि ग्रीनलैंड एक बर्फ का टुकड़ा है और इसे अमेरिका हर हाल में लेकर ही रहेगा। डोनाल्ड ट्रंप के मुताबिक ग्रीन लैंड पहले अमेरिका का ही था जिसे अब फिर से अमेरिका हासिल करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रीनलैंड पर कब्जा करने के लिए वे अमेरिकी फोर्स का उपयोग नहीं करेंगे किन्तु पूर्व में डोनाल्ड ट्रंप कई बार यह धमकी दे चुके हैं कि वे ग्रीनलैंड पर कब्जा करने के लिए सैन्य कार्यवाही करने से भी नहीं हिचकेंगे। किन्तु अब उन्होंने ग्रीनलैंड को लेकर अपनी रणनीति बदल ली है। जरूर इसके लिए उनके पास कोई सीक्रेट प्लान है। जिसका आने वाले समय में वे खुद खुलासा करेंगे। उन्होंने डेनमार्क पर आरोप लगाया है कि वह ग्रीनलैंड की सुरक्षा में विफल रहा है क्योंकि वहां चीन और रूस का दखल बढ़ने लगा था जो न सिर्फ यूरोप के लिए बल्कि अमेरिका के लिए भी खतरे की घंटी है। सिर्फ अमेरिका ही ग्रीनलैंड की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सक्षम है। क्योंकि रणनीतिक दृष्टि से ग्रीनलैंड अमेरिका के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। गौरतलब है कि ग्रीनलैंड पर अमेरिका के दावे को लेकर नाटो ने कड़ा विरोध जताया है और उसकी सुरक्षा तथा संप्रभुता की रक्षा के लिए कई यूरोपियन देश ग्रीनलैंड में अपनी सेना भेजने का भी वादा कर चुके हैं ताकि यदि अमेरिका सैन्य कार्यवाही करता है तो उसके मुकाबले के लिए डेनमार्क की मदद की जा सके। यूरोपीय देशों के इस विरोध को लेकर डोनाल्ड ट्रंप जिन्होंने पहले यूरोपीय देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी दी थी अब उन्होंने यूटर्न लेते हुए कहा है कि वे यूरोपीय देशों पर फिलहाल टैरिफ नहीं लगाएंगे। इस बाबत् दावोस में डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो प्रमुख मार्क रूट के साथ बातचीत भी की है और डोनाल्ड ट्रंप ने इस बातचीत को सार्थक बताया है। दावोस में डोनाल्ड ट्रंप के इस ऐलान के बाद यूरोपीय देशों में हड़कंप मच गई है और नाटो के कई देश पाला बदलकर अमेरिका के पक्ष में आ गये हैं। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप फूट डालों और राज करो की नीति पर अमल करते हुए नाटो में शामिल यूरोपीय देशों में फूट डालना चाह रहे हैं। ताकि ग्रीनलैंड पर उनकी दावेदारी को लेकर विराध के स्वर कमजोर पड़ सके और वे अपनी मनमानी कर सकें। ग्रीनलैंड रणनीतिक दृष्टि से अमेरिका के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है लेकिन असल बात तो यह है कि डेनमार्क में तेल और गैस के अकुत भंडार हैं। डोनाल्ड ट्रंप की गिध दृष्टि इसी प्राकृतिक खजाने पर टिकी हुई है। जैसे उन्होंने तेल भंडार को हथियाने वेनेजुएला में तख्ता पलट किया और खुद को वहां का राष्ट्रपति घोषित कर दिया उसी तरह वे ग्रीनलैंड पर भी काबिज होना चाहते हैं। जिससे विश्व युद्ध का भी खतरा दुनिया पर मंडराने लगा है।

भारत को लेकर फिर बदले डोनाल्ड ट्रंप के सूर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत को लेकर अपने सूर बदल लिये हैं। उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना अच्छा मित्र बताते हुए कहा है कि वे नरेन्द्र मोदी का बहुत सम्मान करते हैं। हालांकि उनके साथ होने वाली डील को लेकर कुछ मतभेद उभरे हैं जिसे जल्द दूर कर लिया जाएगा और भारत के साथ एक बेहतरीन आर्थिक समझौता शीघ्र ही संपन्न हो जाएगा ताकि 2030 तक भारत और अमेरिका के बीच व्यापार दोगुना किया जाये। गौरतलब है कि इसके पहले डील को लेकर डोनाल्ड ट्रंप भारत पर दबाव बनाने टैरिफ लगा चुके थे और भारत की अर्थव्यवस्था को मृत बता चुके थे किन्तु भारत उनके दबाव के सामने नहीं झुका और डील में दिलचस्पी लेना भी कम कर दिया। डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वार का भी भारत ने कोई प्रतिकार नहीं किया और इसकी भरपाई के लिए भारत ने यूरोपीय देशों के साथ डील करनी शुरू कर दी। यही वजह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अब अपने सूर बदलने पड़े हैं। दरअसल अमेरिका में ही अब डोनाल्ड ट्रंप का इस बात को लेकर भारी विरोध हो रहा है कि वे बैठे ठाले बेवजह ही भारत से पंगा मोल लेकर अमेरिका का ही नुकसान कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के यूटर्न लेने के बाद भी भारत को सचेत रहना चाहिए क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप फिर कब अपनी बात से पलट जायें इसका कोई ठिकाना नहीं है।

महेन्द्र तिवारी

यह पर्व अज्ञानता के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर बढ़ने का प्रतीक है। लेकिन यह ज्ञान केवल पुस्तकीय नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का भी होना चाहिए। जाति, लिंग, वर्ग और भाषा के आधार पर होने वाले भेदभाव के बीच सरस्वती की उपासना हमें यह प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करती है कि क्या हमारा ज्ञान हमें अधिक संवेदनशील बना रहा है या केवल अधिक चालाक। सच्ची विद्या वही है, जो अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस दे। अंततः बसंत पंचमी जीवन के उत्सव का पर्व है। यह हमें सिखाती है कि हर ठंड के बाद बसंत आता है, हर जड़ता के बाद सृजन संभव है और हर अंधकार के बाद प्रकाश। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि ज्ञान, प्रकृति और संस्कृति–तीनों का संतुलन ही एक स्वस्थ समाज की नींव है। यदि हम इस संतुलन को समझ सकें और अपने जीवन में उतार सकें, तो बसंत पंचमी केवल एक दिन का त्योहार नहीं, बल्कि एक जीवंत विचार बन सकती है, जो पूरे वर्ष हमारे साथ चलता रहे।

बसंतोत्सव : मां सरस्वती की पूजा और ऋतुराज बसंत का आगमन

बसंत पंचमी भारतीय जीवन-दृष्टि का ऐसा पर्व है, जो धर्म, संस्कृति, प्रकृति और समाज–चारों को एक ही सूत्र में पिरो देता है। यह त्योहार केवल पंचांग की एक तिथि नहीं है, बल्कि मौसम के बदलाव, मनुष्य की चेतना के जागरण और ज्ञान की आराधना का प्रतीक है। माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाया जाने वाला यह पर्व ठंड की विदाई और बसंत के आगमन का उद्घोष करता है। जैसे ही धरती पर सरसों के पीले फूल खिलते हैं, वैसे ही मनुष्य के भीतर भी आशा, उल्लास और सृजन की चेतना जाग उठती है। भारतीय परंपरा में बसंत को 'ऋतुराज' कहा गया है, क्योंकि यह वह ऋतु है जो प्रकृति को उसके सबसे सुंदर और जीवंत रूप में सामने लाती है।

इस दिन मां सरस्वती की पूजा का विशेष महत्व है। सरस्वती केवल विद्या की देवी नहीं हैं, बल्कि विवेक, संवेदना, कला और भाषा की अधिष्ठात्री भी हैं। उनका श्वेत वस्त्र, शांत स्वरूप और वीणा इस बात का संकेत है कि ज्ञान केवल संग्रह नहीं, बल्कि शुद्धता, संतुलन और सौंदर्य का समन्वय है। बसंत पंचमी हमें याद दिलाती है कि सच्ची शिक्षा वही है, जो मनुष्य को मानवीय बनाए, उसे प्रश्न पूछने की क्षमता दे और समाज के प्रति जिम्मेदार बनाए। आज जब शिक्षा केवल अंक, डिग्री और प्रतिस्पर्धा तक सिमटती जा रही है, तब सरस्वती की आराधना का यह पर्व हमें शिक्षा के मूल उद्देश्य की ओर लौटने का अवसर देता है।

भारतीय समाज में पीले रंग का गहरा सांस्कृतिक अर्थ है। बसंत पंचमी के दिन पीले वस्त्र पहनना, पीले फूलों से पूजा करना और पीले व्यंजन बनाना केवल परंपरा नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ तादात्म्य स्थापित करने का तरीका है। पीला रंग ऊर्जा, समृद्धि और सकारात्मकता का प्रतीक है। यह रंग हमें याद दिलाता है कि जीवन में उजास बनाए रखना कितना आवश्यक है। आज के तनावपूर्ण और अवसादग्रस्त समय में, ऐसे प्रतीकात्मक पर्व मनुष्य के मनोविज्ञान पर भी सकारात्मक प्रभाव डालते हैं।

इस पर्व से जुड़ा अक्षरारंभ या विद्यारंभ संस्कार विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। छोटे बच्चों को पहली बार अक्षर ज्ञान देना इस बात का संकेत है कि भारतीय परंपरा में शिक्षा को जीवन की नींव माना गया है। यह संस्कार केवल बच्चे के लिए नहीं, बल्कि माता-पिता और समाज के लिए भी एक जिम्मेदारी का बोध कराता है कि वे ज्ञान के मार्ग को सम्मान दें। पुस्तकों और कलम की पूजा इस भावना को और गहरा करती है कि ज्ञान साधना है, उपभोग की वस्तु नहीं। आज जब डिजिटल युग में किताबों का स्थान स्क्रीन लेती जा रही है, तब बसंत पंचमी हमें पढ़ने, सोचने और गहराई से समझने की संस्कृति को पुनर्जीवित करने की प्रेरणा देती है।

बसंत पंचमी की खूबी यह भी है कि यह भारत की विविधता को एक उत्सव में समेट लेती है। पंजाब में यह पतंगों के रंगीन आकाश के रूप में दिखाई देती है, तो बंगाल में पुष्पांजलि और सांस्कृतिक अनुष्ठानों के रूप में। कहीं यह संगीत और नृत्य का पर्व है, तो कहीं शिक्षा और साधना का। यह विविधता ही भारतीय संस्कृति की आत्मा है, जहां अलग-अलग परंपराएं एक-दूसरे से टकराती नहीं, बल्कि मिलकर एक बड़ा सांस्कृतिक कैनवास रचती हैं। बसंत पंचमी इस दृष्टि से राष्ट्रीय एकता का भी पर्व है, जो बिना किसी राजनीतिक नारे के, सहज रूप से लोगों को जोड़ता है।

यह पर्व प्रकृति और मनुष्य के रिश्ते को भी नए सिरे से परिभाषित करता है। बसंत का आगमन किसानों के लिए आशा लेकर आता है, क्योंकि फसलें लहलहाने लगती हैं। यह समय श्रम के फल को देखने का होता है। ऐसे में बसंत पंचमी केवल शहरी या धार्मिक पर्व नहीं रह जाता, बल्कि ग्रामीण जीवन से भी गहराई से जुड़ जाता है। प्रकृति के इस चक्र को समझना और उसका सम्मान करना आज के पर्यावरणीय संकट के दौर में और भी आवश्यक हो गया है। बसंत पंचमी हमें यह सिखाती है कि मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य ही टिकाऊ भविष्य की कुंजी है।

आज के सामाजिक संदर्भ में बसंत पंचमी का संदेश और भी व्यापक हो जाता है। यह पर्व अज्ञानता के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर बढ़ने का प्रतीक है। लेकिन यह ज्ञान केवल पुस्तकीय नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का भी होना चाहिए। जाति, लिंग, वर्ग और भाषा के आधार पर होने वाले भेदभाव के बीच सरस्वती की उपासना हमें यह प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करती है कि क्या हमारा ज्ञान हमें अधिक संवेदनशील बना रहा है या केवल अधिक चालाक। सच्ची विद्या वही है, जो अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस दे।

अंततः बसंत पंचमी जीवन के उत्सव का पर्व है। यह हमें सिखाती है कि हर ठंड के बाद बसंत आता है, हर जड़ता के बाद सृजन संभव है और हर अंधकार के बाद प्रकाश। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि ज्ञान, प्रकृति और संस्कृति–तीनों का संतुलन ही एक स्वस्थ समाज की नींव है। यदि हम इस संतुलन को समझ सकें और अपने जीवन में उतार सकें, तो बसंत पंचमी केवल एक दिन का त्योहार नहीं, बल्कि एक जीवंत विचार बन सकती है, जो पूरे वर्ष हमारे साथ चलता रहे।

योगेश कुमार गोयल

उनकी मौत के रहस्य को सुलझाने के लिए कई बार जांच आयोग भी बैठाए गए, जिनमें से सबसे महत्वपूर्ण जांच आयोग न्यायमूर्ति ताराचंद की अध्यक्षता में 1956 में बैठाया गया था। ताराचंद आयोग ने अपने निष्कर्ष में कहा था कि नेताजी की मृत्यु विमान दुर्घटना में हुई थी। आयोग ने कहा था कि नेताजी के जीवित रहने के दावे के समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं है लेकिन आयोग के निष्कर्षों को कई लोगों ने चुनौती दी थी, जिनका कहना था कि आयोग ने नेताजी के जीवित रहने के दावों की पर्याप्त जांच नहीं की थी। आज भी दावे के साथ यह कहना मुश्किल है कि नेताजी की मृत्यु कैसे हुई थी। हो सकता है कि वे विमान दुर्घटना में मारे गए हों या यह भी हो सकता है कि वे जीवित बच गए हों और उन्होंने अपना जीवन गुप्त रूप से बिताया हो। कुल मिलाकर, उनकी मौत का रहस्य आज भी अनसुलझा है और इस रहस्य को सुलझाने के लिए और अधिक जांच की आवश्यकता है।

नेताजी सुभाष की मृत्युः आयोग, फाइलें और अधूरा सत्य

यभारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मौत का रहस्य आज भी अनसुलझा है। दरअसल उनकी मृत्यु के संबंध में कई दशकों से यही दावा किया जाता रहा है कि 18 अगस्त 1945 को सिंगापुर से टोक्यो (जापान) जाते समय ताइवान के पास फॉर्मोसा में उनका विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और उस हवाई दुर्घटना में उनका निधन हो गया था।

नेताजी ने 16 अगस्त 1945 को टोक्यो से ताइपेई के लिए उड़ान भरी थी और जापानी द्वितीय विश्व युद्ध का उनका विमान 18 अगस्त की सुबह ताइपेई के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। उसके बाद जापान सरकार द्वारा घोषणा की गई थी कि उस दुर्घटना में विमान में सवार सभी 25 लोगों की मौत हो गई, जिनमें नेताजी सुभाष चंद्र बोस भी शामिल थे। 18 अगस्त 1945 को ताइवान के ताइपेई में विमान दुर्घटना में उनकी मौत की जापान सरकार द्वारा की गई आधिकारिक घोषणा को भारत सरकार ने भी स्वीकार कर लिया था लेकिन आज भी कई लोग इसे मानने को तैयार नहीं हैं। दरअसल उनके जीवित होने और गुमनामी में जीवन जीने के दावे किए जाते रहे हैं और इस विषय पर कई बार जांच भी हुई है। हालांकि नेताजी के जीवित होने का दावा करने वाले लोगों ने कई बार अपने दावों का समर्थन करने के लिए सबूत पेश किए लेकिन उन सबूतों को प्रायः संदिग्ध माना गया है और कहा जाता रहा है कि उनके जीवित होने के दावे के समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं है।

दरअसल नेताजी का शव कभी नहीं मिला और कुछ अन्य कारणों से भी उनकी मौत के दावों पर आज तक विवाद बरकरार है। उनकी मृत्यु का रहस्य जानने के लिए विभिन्न सरकारों द्वारा पूर्व में कुछ आयोगों का गठन भी किया जा चुका है और कोलकाता हाईकोर्ट द्वारा नेताजी के लापता होने के रहस्य से जुड़े खुफिया दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की मांग पर सुनवाई के लिए स्पेशल बेंच भी गठित की गई किन्तु अभी तक रहस्य से पर्दा नहीं उठा है। फैजाबाद के गुमनामी बाबा से लेकर छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले तक में नेताजी के होने संबंधी कई दावे भी

नेताजी सुभाष जयंती पर विशेष

पिछले दशकों में पेश हुए किन्तु सभी की प्रामाणिकता संदिग्ध रही और नेताजी की मौत का रहस्य यथावत बरकरार है। हालांकि जापान सरकार बहुत पहले ही इस बात की पुष्टि कर चुकी है कि 18 अगस्त 1945 को ताइवान में कोई विमान हादसा हुआ ही नहीं और भारत सरकार द्वारा कुछ समय पूर्व सार्वजनिक की गई नेताजी से संबंधित कुछ गोपनीय फाइलों में मिले एक नोट से तो यह सनसनीखेज खुलासा भी हुआ कि 18 अगस्त 1945 को हुई कथित विमान दुर्घटना के बाद भी नेताजी ने तीन बार 26 दिसम्बर 1945, 1 जनवरी 1946 तथा फरवरी 1946 में रेडियो द्वारा राष्ट्र को सम्बोधित किया था। इस खुलासे के बाद से ही नेताजी की मौत का रहस्य और गहरा गया था।

नेताजी के जीवित रहने को लेकर किए गए विभिन्न दावों में कहा गया कि वे विमान दुर्घटना में नहीं मारे गए थे बल्कि जीवित बच गए थे और उन्होंने अपने जीवन का बाकी हिस्सा गुप्त रूप से बिताया। ऐसे ही दावों में से एक दावा यह भी था कि विमान दुर्घटना में नेताजी को गंभीर रूप से चोटें लगी थी लेकिन वे जीवित बच गए थे और उन्हें एक जापानी अस्पताल में ले जाया गया था, जहां उनका इलाज किया गया और बाद में उन्हें सोवियत संघ ले जाया गया, जहां उन्हें एक गुप्त शिविर में रखा गया।

एक अन्य दावा यह भी था कि नेताजी ने विमान दुर्घटना में बचने के लिए अपना रूप बदल लिया था। उन्होंने अपना नाम और पहचान बदल ली थी और एक गुप्त जीवन जीने लगे थे। कुछ लोगों ने यह दावा भी किया कि उन्होंने नेताजी को गुप्त रूप से रहने के दौरान देखा है। हालांकि इन तमाम दावों में से किसी का भी कोई पुख्ता सबूत कभी नहीं मिला लेकिन इन दावों को लेकर सच्चाई जानने को लेकर लोगों में सदैव उत्सुकता रही है। उनकी मौत के रहस्य को सुलझाने के लिए कई बार जांच आयोग भी बैठाए गए, जिनमें से सबसे महत्वपूर्ण जांच आयोग न्यायमूर्ति ताराचंद की अध्यक्षता में 1956 में बैठाया गया था। ताराचंद आयोग ने अपने निष्कर्ष में कहा था कि नेताजी की मृत्यु विमान दुर्घटना में हुई थी। आयोग ने कहा था कि नेताजी के जीवित रहने के दावे के समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं है लेकिन आयोग के निष्कर्षों को कई लोगों ने चुनौती दी थी, जिनका कहना था कि आयोग ने नेताजी के जीवित रहने के दावों की पर्याप्त जांच नहीं की थी। आज भी दावे के साथ यह कहना मुश्किल है कि नेताजी की मृत्यु कैसे हुई थी। हो सकता है कि वे विमान दुर्घटना में मारे गए हों या यह भी हो सकता है कि वे जीवित बच गए हों और उन्होंने अपना जीवन गुप्त रूप से बिताया हो। कुल मिलाकर, उनकी मौत का रहस्य आज भी अनसुलझा है और इस रहस्य को सुलझाने के लिए और अधिक जांच की आवश्यकता है।

सद्गुरू बोधामृतम्

सद्गुरू श्री ऋतेश्वर

◆ प्रेम और भक्ति जो प्रतिक्षण बढ़ती जाए और जो न बढ़े वह भक्ति नहीं हो सकती, वह आकर्षण हो सकता है।

◆ अध्यात्म नाम है स्वयं को देखने का, स्वयं का चिंतन करने का, स्वयं के निरीक्षण का।

आज का इतिहास

नई दिल्ली/वार्ता। 1570 - स्कॉटलैंड के रिजेंट मोरे के अर्ल की हत्या हुई। 1664 - शिवाजी के पिता शाहजी का निधन। 1668 - इंग्लैंड और हॉलैंड ने आपसी सहयोग समझौता किया। 1793 - ह्यूमन सोसायटी ऑफ़फ़िलाडेल्फ़िया का गठन हुआ। 1799 - फ्रांसीसी सैनिकों ने नेपल्स इटली पर कब्ज़ा किया। 1849 - प्रशिया ने आस्ट्रिया के बिना 'जर्मन यूनियन' का प्रस्ताव किया। एलिजाबेथ ब्लैकवेल मेडिकल डिग्री हासिल करने वाली पहली अमेरिकी महिला बनीं। 1897 - भारत में ब्रिटिश शासन के खिलाफ क्रांति का बिगुल फूंकने वाले नेताजी सुभाषचंद्र बोस का जन्म कटक में हुआ। 1913 - तुर्की की सैनिक क्रांति में नाजिम पाशा मारे गये। 1924 - सोवियत संघ ने 21 जनवरी को हुई लेनिन की मृत्यु की आधिकारिक घोषणा की। 1926 - महाराष्ट्र की राजनीति की नब्ज समझने वाले बाल ठाकरे का जन्म। उन्होंने क्षेत्रीय दल शिवसेना का गठन किया और सत्ता के गलियारों तक रास्ता बनाया। 1965 - दुर्गापुर इस्पात संयंत्र ने काम करना शुरू किया। 1966 - इंदिरा गाँधी भारत की प्रधानमंत्री बनीं। 1976 - गौतम बुद्ध के लापता शहर कपिलवस्तु को खुदाई के बाद ढूंढ़ निकाला गया।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

उगता हुआ सूरज

उगता हुआ
सूरज जब कोई
हारता है या
प्रभावहीन होता
है तो जरूरी
नहीं है कि हम उत्सव मनाए
क्योंकि उत्थान और पतन जीवन
का अनुभूत सत्य है हाँ, जब
किसी तानाशाह का पतन होता है
तब हम खुश हो सकते हैं क्योंकि
वह छीनता है हमारे बच्चों की रोटी
और हमें पहना देता है लंगोटी तो
फिर क्यों न आशा के उदय का
जश्न मनाए जुट जाये उगता हुआ
सूरज देखने के लिए और जो
अस्त कर दे निराशा की निशा।

\- रामकिशोर उपाध्याय

मरुथल–मरुथल सा

मरुथल
मरुथल सा
जीवन प्रेम
स ु ध ा
बरसाओ
प्रिय। पतझर पतझर सा मौसम
बसंत बहार बन आओ प्रिय।
नदिया गहरी नाव पुरानी अब तो
पार लगाओ प्रिय।। सूने नयन
शून्य निहारें सुखद स्वप्न सजाओ
प्रिय।। मैली मैली तन की चदरिया
हृदय बीच छुपाओ प्रिय।। अधरों
के सूखे सावन पे अमृत रस
बरसाओ प्रिय।। मन बंजर,तन
दहका पलाश बन अमृत छा जाओ
प्रिय ।।

\- डॉ.सविता वर्मा 'ग़ज़ल'

क्या यूँ ही नशे में भटकते रहना है, राहों

क्या यूँ ही नशे में भटकते रहना है, राहों पर गिर-गिर कर चलना है? आँखों में सपने, दिल में धुंध लिए, यूँ खुद से ही रोज़ संभलना है? विचारों को दो अब सटीक दिशा, टूटे मन को दो थोड़ी-सी आशा। रास्ते खुद ब खुद बन जायेंगे पहले तय करो कि कहाँ पहुँचना है। **- अंजू डोकानिया**

व्यर्थ व्यंजना ने धरा, प्रखर शब्द का

व्यर्थ व्यंजना ने धरा, प्रखर शब्द का रूप। दिल को भाते हैं सदा, सुन्दर सहज स्वरूप।। मिल जाती वह जिंदगी, जिसकी मुझको चाह। मैं भी अपने चाँद की, अपना बनाती राह।। **- अर्चना लाल**

खुशी पाकर भी इठलाना नहीं है

खुशी पा कर भी इठलाना नहीं है कभी गम से भी घबराना नहीं है जिसे सब शॉर्ट-कट बताते रहे हैं मुझे उस राह से जाना नहीं है ये तुझ से कोई मतलब ही न रक्खे जहां इतना भी बेगाना नहीं है वहाँ भी तुम को पाओगे मौजूद उसको जहाँ मस्जिद या बुतख़ाना नहीं है जो दोगे दुनिया को वापिस मिलेगा हक़ीक़त है ये अफ़्साना नहीं है। **- अजय अज़ात**

लोग मुझे नज़रों से तौलते हैं...

लोग मुझे नज़रों से तौलते हैं, जिस्म की हदों में कैद कर देते हैं। पर कोई ये नहीं पूछता– मेरी रूह कितनी बार टूटी है, कितनी बार फिर से खड़ी हुई है। मैं सिर्फ़ देह नहीं हूँ, मैं स्मृति हूँ, संवेदना हूँ, और वह मौन हूँ जिसमें सदियों का दर्द साँस लेता है। लोग औरत को फ़क़त जिस्म समझ लेते हैं, रूह भी होती है उसमें– ये कहाँ सोचते हैं। **- डॉ. कुसुम शुक्ला**

वाकई सुबह धीरे-धीरे ही होती है...

वाकई सुबह धीरे धीरे ही होती है,है ना,इंसान के जीवन में सफलता भी धीरे धीरे ही मिलती है,अचानक,त्वरित और गलत रास्ते से मिली सफलता का सूरज कम समय के लिए ही उदय होता,डूबता जल्द है,अंत भी जल्द होता... **- शत्रुंजय तिवारी**

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष राशि - आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिये आपको नये अवसर मिलेंगे।

वृष राशि -आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपकी योजनाओं के अनुसार, सभी काम होने से आपका मन काम में लगा रहेगा।

मिथुन राशि - आज आपका दिन अ'छे मूड से शुरू होने वाला है। कुछ दिनों से चल रही किसी दोस्त की नाराजगी आज खत्म होगी।

कर्क राशि - आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स का दिन राहत भरा होगा नया शेड्यूल बनाने का विचार कर सकते हैं।

सिंह राशि - आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान मिलेगा, जिससे आपका मन प्रसन्न होगा।

कन्या राशि - आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आपका ध्यान काम को पूरा करने में लगा रहेगा। आज आपको किस्मत का साथ मिलने से कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे।

तुला राशि -आज आपका दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। आज बिजनेस में आपको बड़ा धन लाभ होगा। शत्रु पक्ष आज आपसे दूरियां बनाकर रहेंगे। जो लोग लकड़ी के व्यापार से जुड़े हैं, आज उनको बड़ा प्रोजेक्ट मिलेगा।

वृश्चिक राशि - आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। अगर किसी बिजनेस ट्रिप के लिये आप बाहर जा रहे हैं, तो घर के बड़े-बुजुर्ग का आशीर्वाद लेकर जाएं आपका काम सफल होगा।

धनु राशि - ऑफिस में रुके हुए काम समय से पूरे हो जायेंगे आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। आज आप अपने मन की बात किसी खास मित्र से शेयर करेंगे। परिवार वालों के साथ बाहर घूमने का प्लान बन सकता है।

मकर राशि -आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। एकाग्र मन से किया गया काम लाभदायक साबित होगा। लवमेट के लिये आज का दिन बढ़िया है।

कुंभ राशि - आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अ'छा रहेगा। आप परिवार वालों के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करेंगे साथ ही जीवनसाथी के साथ आपकी लंबी बातचीत हो सकती है, इससे आपके रिश्ते बेहतर होंगे।

मीन राशि - आज पारिवारिक माहौल शानदार रहने वाला है आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होने वाला है।

QUIZ TIME

1) न्यूजीलैंड में भारत के राजदूत के रूप में हाल ही में किसे नियुक्त किया गया है?

2) जनवरी 2026 में किस राज्य में पहली डॉग स्कैअरी का शुभारंभ किया गया है?

3) 16 महाजनपदों का उल्लेख किस बौद्ध ग्रंथ में मिलता है?

4) ब्रिक्स नेटवर्क यूनिवर्सिटी में शामिल होने वाला देश का एकमात्र राजकीय कृषि विश्वविद्यालय हाल ही में कौन सा बना है?

5) धारीदार टाइगर तितली को कहां की राजकीय तितली घोषित किया गया है?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) मुक्तेश परदेशी (2) ओडिशा (3) अंगुत्तर निकाय (4) आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय (5) उत्तराखंड

पहेली

शब्द सामर्थ्य -294

रायपुर में सजेगा टी-20 का मंच, भारत-न्यूजीलैंड की टीम पहुंची

रायपुर। रायपुर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का माहौल बन गया है। भारत और न्यूजीलैंड की टीमें आज दोपहर रायपुर पहुंचीं। दोनों टीमें 23 जनवरी को शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले सीरीज के दूसरे मैच में आमने-सामने होंगी।

टीम इंडिया के रायपुर पहुंचते ही एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रशंसक जमा हो गए। सुरक्षा को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात रहा। दोनों टीमें बस से सीधे अपने-अपने होटलों के लिए रवाना हुईं।

दोनों टीमों ने किया अभ्यास

मैच से पहले दोनों टीमों ने स्टेडियम में अभ्यास किया। बल्लेबाज, गेंदबाज और फील्डर अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देंगे। प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां स्टेडियम की व्यवस्थाओं पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

भारतीय टीम कोर्टयार्ड होटल (छेरीखेड़ी) में ठहरी है, जबकि न्यूजीलैंड की टीम हयात होटल में रुकी है।

रायपुर का मैदान आकार में बड़ा है, जिससे बाउंड्री भी लंबी रहती है। यहां छक्का लगाना आसान नहीं होता, लेकिन तेज आउटफील्ड के कारण चौके और तेजी से रन लेने के मौके ज्यादा रहते हैं। बड़े गैप होने की वजह से बल्लेबाज एक रन को दो रन में बदल सकते हैं। शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम का मैदान करीब 90 यार्ड लंबा है।

सरकार धान खरीदी की तिथि कम से कम 1 माह बढ़ाएंः बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने राजीव भवन में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए सरकार और भाजपा को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने धान खरीदी की तिथि बढ़ाने, धान खरीदी में भ्रष्टाचार, मनरेगा, जमीनों की गाईडलाईन की दरों तथा शंकराचार्य के अपमान को लेकर भाजपा को कटघरे में खड़ा किया। बैज ने कहा कि धान खरीदी में अब एक हफ्ते का समय शेष है। सरकार ने धान खरीदी की अंतिम तिथि 31 जनवरी घोषित किया है। उसमें सिर्फ9 दिन बचे है। उसमें भी 4 दिन अवकाश रहेगा। को छुट्टियां है। सिर्फ5 दिन और खरीदी होगी। सरकार ने ऑनलाइन टोकन काटना बंद कर दिया है। आफ लाइन भी टोकन नहीं काटा जा रहा है। अभी तक 5.5 लाख किसान धान नहीं बेच पाये है। लगभग 4.7 लाख से अधिक किसानों का पंजीयन नहीं हो पाया है। बैज ने कहा कि अभी तक मात्र 115 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई है। कुल लक्ष्य 165 लाख मीट्रिक टन है। पांच दिन में 50 लाख टन की खरीदी संभव नहीं, अतः लक्ष्य की प्राप्ति के लिये भी तिथि बढ़ाया जाना आवश्यक है। अभी सरकार के ही द्वारा तय लक्ष्य का 30 प्रतिशत खरीदी बाकी है। बैज ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि धान खरीदी की तिथि 1 माह बढाई जाये। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि ऑनलाइन टोकन काटने की बंद प्रक्रिया फिर शुरू की जाए तथा सभी सोसायटियों में आफलाइन टोकन देना भी शुरू किया जाये। सरकार यह सुनिश्चित करें कि प्रदेश के हर किसान का दाना-दाना धान सरकार समर्थन मूल्य पर खरीदी की जायेगी।

डेंटल कॉलेज के स्टूडेंट्स हड़ताल पर बैठे, हॉस्टल की कमी दूर करने मांग

❒ जिम्मेदारियां समान होने के बावजूद स्टाइपेंड में भेदभाव किया जा रहा

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर स्थित सरकारी डेंटल कॉलेज के पीजी और इंटर्न स्टूडेंट्स अपनी लंबित मांगों को लेकर पिछले 6 दिनों से आंदोलनरत हैं। आज से स्टूडेंट्स ने आंदोलन तेज करते हुए अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। हड़ताल के दौरान स्टूडेंट्स ने डॉक्टरों, मरीजों और कॉलेज स्टाफ की एंट्री पर रोक लगा दी, जिससे अस्पताल की सेवाएं प्रभावित हो गईं। स्थिति को देखते हुए कॉलेज परिसर में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया, ताकि किसी तरह की अव्यवस्था न हो।

स्टूडेंट्स का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उनकी मांग है कि स्टाइपेंड में समानता लाई जाए और गर्ल्स हॉस्टल की कमी दूर की जाए।

इधर, धरना प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। इस दौरान स्टूडेंट्स से लंबी बातचीत चली। अधिकारी चाहते थे कि स्टूडेंट्स अपना प्रोटेस्ट खत्म कर दें। लेकिन बातचीत का कोई निष्कर्ष नहीं निकला।

इसके बाद पुलिस ने बल का प्रयोग करते हुए स्टूडेंट्स को बस में भरकर तूता धरना स्थल छोड़ दिया। हालांकि, हड़ताल के दौरान मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पीड़ित शिव कुमार महानंद ने बताया कि मेरे पिता का एक्सीडेंट हो गया है, जिसमें उनका बायां जबड़ा टूट गया है। लेकिन छात्रों की हड़ताल के कारण इलाज में परेशानियां हो रही है।

स्टूडेंट्स के अनुसार ड्यूटी टाइम, ओपीडी, सर्जरी और मरीजों की जिम्मेदारियां समान होने के बावजूद स्टाइपेंड में भेदभाव किया जा रहा है। वे मेडिकल कॉलेज के अनुरूप स्टाइपेंड देने और इसे बैकडेट से लागू करने की मांग कर रहे हैं।

पीजी और इंटर्न छात्रों के आंदोलन का सीधा असर मरीजों की सेवाओं पर देखने को मिला। गुरुवार को अधिकांश ओपीडी और उपचार सेवाएं प्रभावित रहीं। कई मरीज बिना इलाज और परामर्श के ही लौटने को मजबूर हुए, जबकि विभागों में कुर्सियां खाली नजर आईं।

स्टूडेंट्स का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। वहीं, आंदोलन के लंबे समय तक चलने की स्थिति में आने वाले दिनों में दंत चिकित्सा सेवाएं पूरी तरह ठप होने की आशंका जताई जा रही है।

गर्ल्स हॉस्टल की कमी

स्टूडेंट्स ने कॉलेज परिसर में महिला पीजी छात्रों के लिए पर्याप्त हॉस्टल सुविधा न होने का मुद्दा भी उठाया है। उनका कहना है कि कई छात्राओं को बाहर किराए के मकान या पीजी में रहने को मजबूर होना पड़ता है, जिससे सुरक्षा और आर्थिक बोझ दोनों बढ़ जाता है। स्टूडेंट्स कॉलेज कैंपस में अतिरिक्त गर्ल्स हॉस्टल की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं।

स्टाइपेंड में समानता की मांग

पीजी और इंटर्न स्टूडेंट्स का कहना है कि मेडिकल और आयुर्वेदिक कॉलेजों के पीजी छात्रों को जिस दर से स्टाइपेंड दिया जाता है, उसी दर से डेंटल पीजी और इंटर्न को भुगतान नहीं किया जा रहा है।

प्रेम प्रसंग और शादी को लेकर विवाद

छालीवुड फिल्म निर्माता मोहित साहू पर युवती ने लगाया मारपीट और धोखाधड़ी का आरोप

रायपुर। छालीवुड फिल्म डॉयरेक्टर मोहित साहू पर एक युवती ने गंभीर आरोप लगाए हैं. युवती का आरोप है कि प्रेम प्रसंग और शादी को लेकर हुए विवाद के दौरान मोहित साहू ने उसके साथ बेरहमी से मारपीट की. पीड़िता का कहना है कि फिल्म निर्माता पहले से शादीशुदा है, इसके बावजूद उसे जबरन उज्जैन ले जाकर शादी की गई. आरोप के अनुसार, दोनों के बीच विवाद बढ़ने पर मोहित साहू ने युवती के साथ जमकर मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई. घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें मोहित साहू और लहूलुहान अवस्था में युवती दिखाई दे रही है. मामला पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है. पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है. फिलहाल इस मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

पूरा मामला ?

जानकारी के मुताबिक, यह पूरा मामला रायपुर के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के भाटागांव स्थित सिल्वर ओक अपार्टमेंट के ब्लॉक-410 का है। जहां फिल्म निर्माता मोहित साहू ने अपनी गर्लफ्रेंड से बेरहमी से मारपीट की है। पुलिस जांच के दौरान फ्लैट के अंदर टूटी हुई कुंडी और खून के निशान मिले हैं। जिससे मारपीट की पुष्टि हुई है। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें युवती के सिर से खून बहता साफ नजर आ रहा है। वीडियो देखकर यह आशंका जताई जा रही है कि उस पर किसी ठोस वस्तु से हमला किया गया। वीडियो सामने आने के बाद मामला और गंभीर हो गया है।

कांग्रेस में संगठनात्मक बदलाव, पहली बार मंडल स्तर पर गठन

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने अपने संगठनात्मक ढांचे में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए पहली बार मंडल स्तर पर पार्टी संगठन का गठन किया है। संगठन सृजन अभियान के तहत प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने मंडल कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों की नियुक्ति करते हुए जिलेवार सूची जारी कर दी है। इन नियुक्तियों को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट की स्वीकृति प्राप्त हुई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज द्वारा इस पर अंतिम मुहर लगाई गई है। इस संबंध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह ने औपचारिक आदेश जारी किया। कांग्रेस के इस निर्णय को जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को अधिक सक्रिय भूमिका देने की दिशा में अहम पहल माना जा रहा है।

नियम टूटे-सवाल उठेः कोर्ट पेशी के दौरान जीएसटी घोटाले के आरोपी को विशेष सुविधा

❒ ड्यूटी से हटाए गए पुलिसकर्मी

रायपुर। 26 करोड़ रुपये के जीएसटी घोटाले में गिरफ्तार अमन अग्रवाल की कोर्ट पेशी के दौरान नियमों की अनदेखी का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद पुलिस विभाग में हलचल मच गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पेशी ड्यूटी में लगे हवलदार और सिपाहियों को तत्काल हटाकर पुलिस लाइन भेज दिया गया है। साथ ही यह भी जांच शुरू कर दी गई है कि कहीं पुलिसकर्मियों और बंदियों के बीच कोई आपसी मिलीभगत तो नहीं थी। बताया जा रहा है कि 16 जनवरी को अमन अग्रवाल को कोर्ट में पेश किया गया था। इस दौरान उसकी सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों पर आरोप है कि उन्होंने नियमों के विपरीत उसे विशेष सुविधाएं दीं। हवलदार नरोत्तम और सिपाही आसमान व राकेश पर लापरवाही बरतने के आरोप लगे हैं। यह भी सामने आया है कि हवलदार नरोत्तम ने अपनी ड्यूटी छोड़कर एक अन्य बंदी को उसके परिजनों से मिलवाने की व्यवस्था की थी।

कोर्ट परिसर में बंदियों और उनके परिजनों की मुलाकात को लेकर हंगामे की स्थिति भी बनी। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो अधिकारियों तक पहुंचा, जिसके बाद वरिष्ठ अफसरों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए संबंधित पुलिसकर्मियों को पेशी ड्यूटी से हटा दिया। इस मामले की जांच अब प्रशिक्षु आईपीएस मानसी साकोरे को सौंपी गई है।

रायपुर में विदेशी निवेश के नाम पर करोड़ों की ठगी

❒ फर्जी गोल्ड माइंस दिखाकर उड़ाए पैसे

रायपुर। राजधानी रायपुर में निवेश से जुड़ा एक बड़ा धोखाधड़ी का मामला उजागर हुआ है, जहां सराफा कारोबार से जुड़े लोगों को विदेश में सोने की खदान में हिस्सेदारी का झांसा देकर करोड़ों रुपये ठग लिए गए। पीड़ितों के अनुसार, आरोपियों ने तंजानिया में गोल्ड माइंस में निवेश कर भारी मुनाफा मिलने का दावा किया। भरोसा जीतने के लिए उन्हें विदेश ले जाया गया और कथित खदान से जुड़े दस्तावेज दिखाए गए, जो बाद में पूरी तरह फर्जी निकले। ठगी की इस साजिश को अंजाम देने के लिए एसकेएम बुलियन ट्रेडिंग लिमिटेड के नाम से एक पार्टनरशिप फर्म बनाई गई। इसी फर्म के जरिए भारत और तंजानिया स्थित बैंक खातों में दो करोड़ रुपये से अधिक की रकम ट्रांसफर कराई गई। इस पूरे मामले में रायपुर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में यश शाह नामक युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। ठगी का शिकार हुए समर्थ बरडिया और मुकुल चोपड़ा ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

मॉडरेशन के बाद 5वीं-8वीं के बनेंगे 3 सेट प्रश्न पत्र, प्रोजेक्ट वर्क भी रहेगा शामिल

❒ 5वीं में 50 और 8वीं में 100 अंक की होगी परीक्षा

रायपुर। छमाही परीक्षा में सामने आए विवादास्पद प्रश्नों के बाद लोक शिक्षण संचालनालय ने 5वीं एवं 8वीं की केन्द्रीकृत परीक्षा के लिए प्रश्न पत्र निर्माण में विशेष सावधानी बरतने के निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि मॉडरेशन के बाद प्रत्येक विषय के तीन-तीन सेट प्रश्न पत्र तैयार किए जाएंगे, जिनमें से एक का चयन जिला स्तरीय संचालन समिति द्वारा मुद्रण के लिए किया जाएगा। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार 5वीं एवं 8वीं की परीक्षा 16 मार्च से प्रारंभ होगी। प्रश्न पत्र निर्माण के लिए जिला स्तरीय संचालन समिति के अनुमोदन से प्रश्न पत्र निर्माण समिति का गठन किया जाएगा, जिसमें संबंधित विषयों के विशेषज्ञ शामिल रहेंगे। विभाग ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिन शिक्षकों के बच्चे या निकट संबंधी 5वीं अथवा 8वीं की परीक्षा में सम्मिलित होंगे, उन्हें प्रश्न पत्र निर्माण समिति में शामिल नहीं किया जाएगा। परीक्षा की गोपनीयता बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। गोपनीयता भंग होने की शिकायत मिलने पर जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। छमाही परीक्षा में विकल्प के रूप में 'राम' नाम दिए जाने को लेकर उत्पन्न विवाद को ध्यान में रखते हुए मुख्य परीक्षा के प्रश्न पत्र निर्माण में अतिरिक्त सतर्कता बरतने को कहा गया है। प्रश्न पत्र निर्माण समिति द्वारा तैयार प्रश्नों के मॉडरेशन के बाद प्रत्येक विषय के तीन सेट तैयार कर जिला स्तरीय संचालन समिति को भेजे जाएंगे।

रायपुर में पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू, शहर और ग्रामीण क्षेत्र अलग-अलग

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने राजधानी रायपुर में पुलिस व्यवस्था को लेकर बड़ा फैसला लिया है। गृह (पुलिस) विभाग ने रायपुर शहर में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी है। इसके साथ ही शहर और ग्रामीण क्षेत्र की पुलिस व्यवस्था को अलग-अलग कर दिया गया है।

जारी आदेश के अनुसार, रायपुर शहर के शहरी क्षेत्र के 21 पुलिस थानों को पुलिस कमिश्नरी के दायरे में शामिल किया गया है। इनमें सिविल लाइन, देवेंद्रनगर, तेलीबांधा, कोतवाली, गंज, मौदहापारा, गोलबाजार, पुरानी बस्ती, डीडीनगर, आमानाका, आजाद चौक, सरस्वती नगर, टिकरापारा, कबीर नगर, राजेंद्र नगर, मुजगहन (सेजबहार), उरला (बिरगांव नगर निगम क्षेत्र), खमतराई, गुढ़ियारी, पंडरी और खम्हारीडीह थाना क्षेत्र शामिल हैं।

वहीं, रायपुर के बाहरी और ग्रामीण इलाकों को अलग पुलिस जिले के रूप में रखा गया है। ग्रामीण क्षेत्र में विधानसभा, धरसींवा, खरोरा, तिल्दा नेवरा, माना, मंदिर हसौद, आरंग, नवा रायपुर, राखी, अभनपुर, गोबरा नवापारा और उरला का नगर निगम से बाहर का क्षेत्र शामिल किया गया है। इन 12 थानों के लिए अलग से पुलिस अधीक्षक की तैनाती की गई है।

इस नई व्यवस्था के बाद राजधानी रायपुर में अब दो अलग-अलग पुलिस प्रशासनिक ढांचे काम करेंगे। एक शहरी क्षेत्र के लिए कमिश्नर प्रणाली के तहत और दूसरा ग्रामीण क्षेत्र के लिए एसपी के नेतृत्व में। सरकार का मानना है कि इससे कानून व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा और तेजी से निर्णय लिए जा सकेंगे।

21 शहरी थाने कमिश्नरेट में होंगे शामिल

इन 21 शहरी थाने कमिश्नरेट में होंगे शामिल अधिसूचना के अनुसार रायपुर नगर पुलिस जिले के तहत आने वाले 21 थाना क्षेत्रों को कमिश्नरेट सीमा में शामिल किया गया है। इनमें प्रमुख रूप से–

1. सिविल लाइन
2. देवेंद्र नगर
3. तेलीबांधा
4. कोतवाली
5. गंज
6. मोवा थाना
7. गोल बाजार
8. पुरानी बस्ती
9. डी.डी. नगर
10. आमासिवनी
11. आजाद चौक
12. सरस्वती नगर
13. कबीर नगर
14. राजेंद्र नगर
15. पुरानी बस्ती विस्तार क्षेत्र
16. टिकरापारा
17. उरला (नगर निगम क्षेत्र में आने वाला भाग)
18. खमतराई
19. गुढ़ियारी
20. पंडरी
21. खम्हारडीह

इन सभी थाना क्षेत्रों की कानून-व्यवस्था अब सीधे पुलिस आयुक्त के अधीन होगी।

एनएसयूआई ने किया आरएसएस से जुड़े व्यक्ति को अतिथि बनाने का विरोध

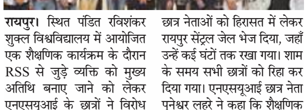

रायपुर। स्थित पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में आयोजित एक शैक्षणिक कार्यक्रम के दौरान RSS से जुड़े व्यक्ति को मुख्य अतिथि बनाए जाने को लेकर एनएसयूआई के छात्रों ने विरोध किया। एनएसयूआई के प्रभारी महामंत्री हेमंत पाल और वाइस चेयरमैन पुनेश्वर लहरे के नेतृत्व में छात्रों ने काली झंडी दिखाकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया और नारेबाज़ी की।

प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने छात्र नेताओं को हिरासत में लेकर रायपुर सेंट्रल जेल भेज दिया, जहाँ उन्हें कई घंटों तक रखा गया। शाम के समय सभी छात्रों को रिहा कर दिया गया। एनएसयूआई छात्र नेता पुनेश्वर लहरे ने कहा कि शैक्षणिक संस्थान किसी भी वैचारिक या राजनीतिक संगठन का मंच नहीं होने चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा की स्वतंत्रता, वैचारिक विविधता और विश्वविद्यालय की गरिमा बनाए रखने के लिए यह विरोध जरूरी था।

जल संसाधन विभाग में अधिकारी ही बने ठेकेदार, मटेरियल और लेबरों का खुद कर रहे नकद भुगतान

भानुप्रतापपुर/ नवप्रदेश। जल संसाधन विभाग में पदस्थ एसडीओ और सब इंजीनियर खुद ही ठेकेदार बन कर निर्माण और मरम्मत कार्य करवा रहे है। जनकपुर के ग्रामीणों को जब महीनों से भुगतान नहीं मिला तो मजदूरों ने एसडीएम कार्यालय व एसडीओ जल संसाधन को ज्ञापन सौप कर भुगतान करने की मांग की। मीडिया में खबरे आने के बाद आनन-फ़ानन में मजदूरों का नगद भुगतान कराया गया और पावती ली गई। इसके बाद मुल्ला व मिर्चिपरा से भी मजदूरी भुगतान लम्बित होने की बात सामने आ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग के अधिकारियों ने नगद भुगतान का आश्वासन देकर मरम्मत कार्य कराया था मगर अभी तक भुगतान नहीं किया गया है। कई बार भुगतान को लेकर अधिकारियों से संपर्क किया गया मगर कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला वे कार्यालय में मिलते भी नहीं। अब सोचने वाली बात यह है कि किस मद से यह कार्य कराया गया है जिसमे नगद भुगतान का प्रावधान है? वहीं अधिकारी खुद इन कार्यों में रुचि लेकर स्वयं जाकर नगद भुगतान क्यों कर रहे है?

मुल्ला के आश्रित ग्राम मिर्चिपरा के दिलीप कोरेटी एवं चिंताराम ने बताया कि जल संसाधन विभाग के लाटिया जी एवं यादव जी के द्वारा केनाल को बाँधने एवं मरम्मत करने तथा पुलिया की मरम्मत के लिए बोला गया था। 250 रुपये रोजी नगद देने की बात कही गई थी जिसमे मुल्ला एवं पीछेकट्टा के 28 लोगों ने 2 दिन काम किया जिसकी कुल मजदूरी 16 हज़ार के लगभग है। 6 महीने बीतने के बावजूद अब तक भुगतान नहीं किया गया है। इसके साथ ही मनरेगा के तहत वाटर कोर्स लाइनिंग का भी कार्य इस जगह पर होना था जिसके लिए मटेरियल गिराया गया पर कार्य अधूरा छोड़ दिया गया।

घोठा के पूर्व सरपंच को एसडीओ ने दी रेत की बकाया राशि

ग्राम पंचायत घोठा के पूर्व सरपंच राम प्रसाद कावड़े ने बताया कि जल संसाधन विभाग के द्वारा मनरेगा के तहत ग्राम जनकपुर में नहर लाइनिंग व वाटर कोर्स लाइनिंग कार्य कराया जा रहा था, जिसके लिए एसडीओ साहब ने रेत की मांग की। उनके कहने पर मैंने और गांव के अन्य 4 व्यक्तियों द्वारा 70 ट्रिप रेत निर्माण स्थल पर डाला गया जिसमे 25 हज़ार नगद साहब के द्वारा एडवांस दिया गया था व शेष राशि 45000 रुपये अभी दिया गया है। इन बातों से साफ़ज़ाहिर होता है कि विभाग के अधिकारी ही ठेकेदार बन कर निर्माण कार्य करवा रहे है और मोटी कमीशन कमा रहे है। इसी गाँव में मजदूरों का भुगतान भी लंबित था जिसे कुछ दिन पहले साहब के द्वारा नगद भुगतान कराया गया। जब कार्य मनरेगा के तहत कराया गया तो नगद भुगतान किस मद से किया जा रहा है यह भी जाँच का विषय है।

जिस केनाल में करवाई मरम्मत वहां अब भी रिस रहा पानी

ग्राम मिर्चिपरा में विभाग के द्वारा ग्रामीणों से नगद भुगतान का आश्वासन देकर जिस नहर में मरम्मत कार्य कराया गया है उसमे अभी भी पानी लीक हो रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई सालों से विभाग को नहर से पानी रिसने की शिकायत करते आ रहे है मगर उनके द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। मरम्मत भी कराई गई पर उससे कोई समाधान नहीं निकला। नहर में लीकेज होने से किसानो को सिंचाई हेतु पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता है, लेकिन विभाग द्वारा हर साल राशि जमा करने के लिए समय पर उनको कागज भेज दिया जाता है। विभाग की इस लापरवाही से क्षेत्र के किसानो में आक्रोश व्याप्त है।

मिर्चीपारा में मनरेगा के तहत कार्य होना था जो निरस्त हो गया है, उसके अलावा किस मरम्मत कार्य की बात हो रही है मेरी जानकारी में नहीं है।

– बीके कोडोपी
एसडीओ जल संसाधन विभाग भानुप्रतापपुर

एसडीओ से जवाब मांगा गया है जिसे उच्च कार्यालय भेज दिया गया है। जैसा निर्देश प्राप्त होगा उसके तहत कार्यवाही की जाएगी। और नगद भुगतान के बारे में एसडीओ साहब ही बता पाएंगे।

– **धर्मेन्द्र मेश्राम**, कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन कांकेर

न्यूज गैलरी

अश्लील गाली गलौज करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

कांकेर / नवप्रदेश। सिटी कोतवाली में आपसी लेनदेन को लेकर अभद्र अश्लील गाली गलौच कर मारपीट करने वाले 03 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ़्तार किया गया है।सिटी कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी अनुसार प्रार्थी सुजीत शर्मा पिता हरे शर्मा निवासी बरदेभाटा कांकेर थाना जिला कांकेर ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि 05 नवंबर 2025 को आरोपियो द्वारा थाना में हमारे खिलाफक्यू रिपोर्ट किये हो बोलकर अभद्र अश्लील गाली गलौच करने पर आरोपियों के विरूद्ध थाना कांकेर में अपराध क्रमांक 34/26 धारा 296,115(2),3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया विवेचना के दौरान पुलिस कांकेर द्वारा त्वारित कार्यवाही करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर विधिवत् कार्यवाही कर संज्ञेय अपराध घटित होने की पूर्ण अंदेशा पर आरोपयों के विरूद्ध प्रतिबंधत्मक कार्यवाही धारा 170/126(2),135(3) बीएनएसएस का कार्यवाही कर माननीय एसडीएम न्यायालय कांकेर मे पेश किया गया। सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी कांकेर निरीक्षक जितेन्द्र साहू, के नेतृत्व में, उप निरी.सुरेन्द्र मानिकपुरी,प्रआर.जीवधन यादव आर. पुरन साहू एवं थाना पेट्रोलिंग टीम की अहम भूमिका रही है।

अर्दन चेकडेम बना अन्नदाताओं के लिए खुशहाली का स्रोत, खेतों में लौटी हरियाली

एमसीबी/ नवप्रदेश। किसान की मेहनत तब ही सार्थक होती है, जब उसके खेतों तक समय पर पानी पहुंच सके। एमसीबी जिले के जनपद पंचायत भरतपुर अंतर्गत वनांचल ग्राम पंचायत भगवानपुर के किसानों के लिए यह सपना लंबे समय तक अधूरा रहा। वर्षा पर निर्भर खेती, जल की लगातार कमी और सीमित संसाधनों के कारण यहां के वनवासी किसान अपनी मेहनत का पूरा लाभ नहीं उठा पाते थे। ऐसे हालात में महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत निर्मित अर्दन चेकडेम उनके जीवन में बदलाव की नई कहानी लिख रहा है।

जल संकट से जूझता गांव

भगवानपुर गांव के किसानों के अनुसार पहले यहां जल संचयन का कोई स्थायी साधन नहीं था। बरसात का पानी बिना उपयोग के बह जाता था और गर्मियों में पीने एवं घरेलू आवश्यकताओं के लिए भी भारी संघर्ष करना पड़ता था। सिंचाई सुविधा के अभाव में किसान केवल पारंपरिक धान की खेती तक सीमित थे, वह भी पूरी तरह वर्षा पर निर्भर रहती थी। कई बार अल्प वर्षा के कारण फसल नष्ट हो जाती थी, जिससे किसानों की मेहनत के साथ-साथ खेती में लगाई गई पूंजी भी डूब जाती थी।

अर्दन चेकडेम से बदली तस्वीर

स्थानीय किसानों की मांग और आवश्यकता को देखते हुए ग्राम पंचायत द्वारा महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत अर्दन चेक डेम निर्माण का प्रस्ताव पारित किया गया। लगभग 4 लाख 10 हजार रुपये की लागत से ग्राम पंचायत को ही एजेंसी बनाकर यह कार्य कराया गया। निर्माण कार्य समय पर पूर्ण किया गया ।

खेती में आया दोहरा लाभ

चेक डैम के निर्माण के बाद गांव के लगभग एक दर्जन परिवारों को दैनिक उपयोग के लिए पर्याप्त पानी मिलने लगा है। इसके साथ ही नौ किसानों के कुल पांच एकड़ खेतों में प्रत्यक्ष सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो गई है। समय पर सिंचाई होने से किसानों ने इस वर्ष बेहतर धान की फसल ली तथा पहली बार रबी सीजन में गेहूं और सरसों की खेती भी संभव हो सकी है। अब खेतों में हरियाली लहलहा रही है और किसानों को अतिरिक्त आमदनी की नई उम्मीद मिली है।ग्राम पंचायत भगवानपुर के इस अर्दन चेकडेम से विशेष रूप से बैगा जनजाति के परिवारों को सीधा लाभ मिल रहा है।

साहू समाज का ऐतिहासिक फैसला बना सामाजिक सुधार की मिसाल

- प्री-वेडिंग शूट पर रोक को बताया साहसिक कदम

नवप्रदेश सुकमा। छत्तीसगढ़ में साहू समाज द्वारा विवाह आयोजनों में प्री-वेडिंग शूट एवं अनावश्यक फिज़ूलखर्ची पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्णय को समाज सुधार की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल माना जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य एवं अधिवक्ता दीपिका शोरी ने इस फैसले की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए इसे समय की आवश्यकता बताया है।

अधिवक्ता दीपिका शोरी ने कहा कि वर्तमान समय में प्री-वेडिंग शूट एक दिखावटी परंपरा का रूप ले चुका है, जिससे आम परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। प्रतिस्पर्धा और प्रदर्शन की भावना के कारण विवाह जैसे पवित्र संस्कार की गरिमा प्रभावित हो रही है और कई बार सामाजिक व पारिवारिक तनाव की स्थिति भी उत्पन्न हो जाती है।साहू समाज का यह निर्णय न केवल साहसिक है, बल्कि दूरदर्शिता का भी परिचायक है। यह पहल समाज को सादगी, संस्कार और मूल्यों की ओर लौटने का संदेश देती है। ऐसे फैसले युवाओं को सही दिशा में सोचने के लिए प्रेरित करते हैं और विवाह को आडंबर से मुक्त कर उसके वास्तविक उद्देश्य को सामने लाते हैं।

दीपिका शोरी ने अन्य समाजों से भी इस पहल से प्रेरणा लेने की अपील करते हुए कहा कि यदि सभी समाज इस प्रकार के सुधारात्मक कदम उठाएं, तो सामाजिक समरसता और आर्थिक संतुलन दोनों को मजबूती मिलेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि महिला आयोग समाजहित में लिए गए ऐसे सकारात्मक निर्णयों का हमेशा समर्थन करता रहेगा।

शहीद क्रांतिवीर हेमू कालाणी को शहादत दिवस पर सिंध समाज ने किया याद

कांकेर / नवप्रदेश। आज से 74 वर्ष पूर्व सन् 1942 में अंग्रेज़ों के विरुद्ध क्राति करने वाले 19 वर्षीय युवक, सिंध के सरताज, भारत मां के लाल, हेमू कालाणीजी ने हँसते हुए फांसी चढ़ कर वतन के लिए अपनी कुर्बानी दी थी। उनकी याद में आज काँकेर शहर में संध्याकाल गांधी उद्यान में मोमबत्तियों से उजाला बिखेर कर सिंध समाज तथा अन्य समाज के भी नवयुवकों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और अमर शहीद की याद में नारे भी लगाए। इस अवसर पर ÷जन- सहयोग÷ संस्था के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी ने अपने प्रेरक वक्तव्य में बताया कि 1942 के क्रांतिवीर तो हज़ारों में थे लेकिन उनमें से हेमू कालाणी अपनी अलग ही चमक-दमक रखते थे। उन्हें उस समय जब पता लगा कि पेशावर के मिलिट्री सेंटर से अंग्रेज़ सिपाहियों से भरी हुई एक ट्रेन कराची आ रही है और ये सिपाही यहां बेकसूर सिंधियों पर दमन चक्र चलाएंगे, तब उन्होंने तय किया कि इस ट्रेन को कराची पहुंचने के पहले ही पलट दिया जाए । इसके लिए वे अपने दो भरोसे के साथियों सहित रेंच और पाना लेकर एक सुनसान स्थान पर रेल की पटरी खोलने में लगे हुए थे, तभी आवाज़ सुनकर कुछ सैनिक उधर दौड़ते हुएआने लगे। हेमू कालाणी ने अपने दोनों साथियों को वहां से फ़रार कर दिया और खुद बहादुरी से डटे रहे। सैनिकों ने उनसे पूछा कि तुम्हारे वे दोनों साथी कौन हैं, तो हेमू का जवाब था ,यह रेंच और पाना ,यही मेरे दो साथी हैं और मैं यहां रेल की पटरी उखाड़ने आया हूं। वे फौरन गिरफ़्तार कर लिए गए और इक़बाल- ए- जुर्म के कारण उन्हें फांसी की सज़ा सुनाने में मजिस्ट्रेट को 1 मिनट भी नहीं लगा।

कोरिया जिले में धान खरीदी जांच पर सवाल

अवैध परिवहन में लगे वाहन छोड़ने की चर्चाएं तेज!

कोरिया /नवप्रदेश । कोरिया जिले में धान खरीदी केंद्रों की जांच को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। जांच के नाम पर अधिकारी लगातार फील्ड में सक्रिय दिखाई दे रहे हैं और सरकारी वाहनों से जमकर डीजल खर्च किया जा रहा है, लेकिन जमीनी स्तर पर व्यवस्था में सुधार होता नजर नहीं आ रहा। उल्टा, धान खरीदी की पूरी जांच प्रक्रिया ही अब संदेह के घेरे में आ गई है।

जानकारी के मुताबिक जिले के विभिन्न धान खरीदी केंद्रों में यह किसी से छुपा नहीं है कि धान कहां से आ रहा है और किस राइस मिल से जुड़ा हुआ है। अधिकारियों को पूरी जानकारी होने के बावजूद जिले के कुछ किसानों से कई समिति में खुलेआम 41 किलो 200 ग्राम अतिरिक्त धान लिया जा रहा है। यह सब कुछ अधिकारियों की मौजूदगी में हो रहा है, फिर भी अब तक कोई ठोस और प्रभावी कार्रवाई सामने नहीं आई है।अवैध धान परिवहन को लेकर की जा रही कार्रवाई भी सवालों के घेरे में है। कई मामलों में धान से लदे वाहनों को पकड़ने के बाद केवल धान उतरवाकर वाहन छोड़ दिया गया। जबकि नियमों के अनुसार अवैध परिवहन में वाहन भी उतना ही दोषी होता है। ऐसे एक-दो नहीं, बल्कि कई मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें वाहन छोड़ने के पीछे ÷बड़ी मिठाईङ्कमलाई÷ खाने की चर्चाएं आम हो गई हैं।स्थिति यह है कि कुछ वाहन आज भी पटना थाना के पीछे स्थित खाली जगह में खड़े हैं, जबकि कुछ वाहनों को धान उतरवाने के बाद छोड़ दिया गया। सवाल उठ रहा है कि आखिर किन आदेशों पर और किन परिस्थितियों में इन वाहनों को छोड़ा गया। इसकी निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग तेज हो गई है।

पटना क्षेत्र में धान की लगातार आवाजाही पर गश्ती के दौरान कार्रवाई की खबरें तो सामने आ रही हैं, लेकिन बाद में वाहनों को धान सहित छोड़े जाने की बातें भी उजागर हो रही हैं। ग्राम संवारांवा, तेंदुआ, मेन रोड हाईवे , पटना, चिरगुड़ा, रनई, करजी, छिंदिया और कुड़ेली जैसे मार्गों से रात्रि के समय धान का अवैध परिवहन जारी है। इस दौरान राजस्व और पुलिस की गश्ती टीम वाहनों को पकड़ तो रही है, लेकिन आगे क्या कार्रवाई हो रही है, यह अब चर्चा का विषय बन चुका है।

प्रथम पेज का शेष

सेना का बुटेलप्रूफ वाहन...

फीट गहरी खाई में जा गिरा। जानकारी पर सेना और पुलिस ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू शुरू किया। मौके से 10 जवानों के शव बरामद किए गए। नौ जवानों को घायल अवस्था में बाहर निकाला गया। इसमें से तीन की हालत गंभीर है। उन्हें विशेष उपचार के लिए एयरलिफ्ट कर उधमपुर स्थित सैन्य अस्पताल भेजा गया है। अन्य घायलों का इलाज नजदीकी सैन्य चिकित्सा केंद्रों में चल रहा है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

कांकेर में 2 ट्रकों की...

निकाला गया। मृतकों की पहचान बलौदाबाजार जिले के होरी लाल (35 वर्ष) और अजय साहू (36 वर्ष) के रूप में हुई है, जो एक ही ट्रक में सवार थे। तीसरे मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस द्वारा उसकी शिनाख्त के प्रयास जारी हैं।

नेशनल हाईवे-30 पर यातायात बाधित,

हादसे के कारण नेशनल हाईवे-30 पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सूचना मिलते ही हाईवे पेट्रोलिंग टीम और चारामा थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालने में जुट गई। जाम की वजह से यात्रियों को परेशानी हुई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की विवेचना में लिया है।

छत्तीसगढ़ का शिमला...

चौधरी और पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल की सक्रिय भूमिका रही है।

पर्यटकों को रोमांचक अनुभव प्रदान करेगा: मैनपाट की प्रमुख आकर्षण स्थलों में जलपरी प्वाइंट, टाइगर पॉइंट, बौद्ध मंदिर, उल्टा-पानी, मेहता पॉइंट और चाय बगान शामिल हैं। ये स्थल पर्यटकों को वर्षभर ठंडे मौसम और हरियाली के बीच रोमांचक अनुभव प्रदान करते हैं। परियोजना में आधुनिक वेलनेस और मनोरंजन सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी।

केरल मॉडल पर आधारित वेलनेस सेंटर

अनुराग सिंह देव ने बताया कि केरल मॉडल पर आधारित वेलनेस सेंटर, प्राकृतिक पंचकर्म चिकित्सा, हर्बल स्पा और आयुष सेवाएँ प्रस्तावित हैं। इसके अलावा 24-7 क्लब हाउस, मिलेट्स कैफे, जिम, स्विमिंग पूल, किड्स प्ले एरिया, स्टीम बाथ और एंटरटेनमेंट जोन जैसे सुविधाएं भी शामिल होंगी। पर्यावरण अनुकूल विकास के तहत ट्री हाउस, कॉटेज और स्थानीय जीवन एवं संस्कृति का अनुभव कराने वाला सांस्कृतिक क्षेत्र भी बनाया जाएगा।

स्थानीय युवाओं को मिलेंगे रोजगार

परियोजना से मैनपाट में पर्यटन गतिविधियां बढ़ेंगी और स्थानीय रोजगार के अवसर सृजित होंगे। गुणवत्तापूर्ण आवासीय सुविधा मिलने से पर्यटकों का ठहराव समय बढ़ेगा, जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने इसे मील का पत्थर बताते हुए कहा कि इस पहल से राज्य का हॉस्पिटैलिटी सेक्टर मजबूत होगा और मैनपाट की पहचान नई ऊँचाई पर पहुंचेगी।

छत्तीसगढ़ का प्रमुख पर्यटन केंद्र बनेगा

मैनपाट पर्यटन Residential Comple& की स्थापना से यह क्षेत्र न केवल छत्तीसगढ़ का प्रमुख पर्यटन केंद्र बनेगा, बल्कि देश के अन्य राज्यों से भी पर्यटकों को आकर्षित करेगा। यह कदम मैनपाट को राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

लाइन परिचारकों के मानदेय...

अधिक की वृद्धि है। साथ ही उनकी नियुक्ति के समय जारी आदेश में उल्लेखित सेवा समाप्ति की बाध्यता को भी समाप्त कर दिया गया है, जिसमें उनकी नियुक्ति 10 वर्ष करने का उल्लेख किया गया था। अब कंपनी आवश्यकतानुसार एवं कार्य मूल्यांकन में योग्य पाए जाने पर संविदा सेवा अवधि को एक-एक वर्ष के स्लैब में विस्तारित किया जा सकेगा। अनुभव की गणना प्रथम नियुक्ति आदेश के ज्वाइनिंग दिनांक से की जाएगी।

800 रुपए प्रतिमाह पेट्रोल भत्ता दिया जाएगा

नई व्यवस्था के तहत लाइन परिचारकों के मानदेय को अधिक व्यवस्थित किया गया है। इसमें 15,600 रुपए मूल मानदेय निर्धारित किया गया है, जिस पर 5 प्रतिशत महंगाई भत्ता दिया जाएगा। इसके अलावा अनुभव के आधार पर विशेष भत्ता जोड़ा गया है, जिससे वरिष्ठ और अनुभवी कर्मचारियों को अतिरिक्त लाभ मिलेगा। लाइन परिचारकों को पहली बार 800 रुपए प्रतिमाह पेट्रोल भत्ता दिया जाएगा। फील्ड में कार्य करने वाले कर्मचारियों को रोज़ाना अलग-अलग स्थानों पर जाना पड़ता है, ऐसे में पेट्रोल भत्ता मिलने से उन्हें आवागमन खर्च में सीधी राहत मिलेगी।

सुप्रीम अनुमति : बसंत...

मांग की थी। वहीं, सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के बीच समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया, ताकि धार्मिक भावनाओं का सम्मान हो सके। हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से दायर की गई याचिका पर सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच सुनवाई की। इस याचिका में हिंदू संगठन ने भोजशाला को हिंदू मंदिर मानते हुए सरस्वती पूजा के लिए विशेष अनुमति मांगी।

तीन बार बसंत पंचमी शुक्रवार को पड़ी

कोर्ट में सुनवाई के दौरान मध्य प्रदेश सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने कहा- मुख्य याचिका पहले ही अप्रभावी हो चुकी है और ये आवेदन एक लंबित मामले में दायर किया गया है। उन्होंने अदालत को बताया कि पहले की व्यवस्थाओं के अनुसार कानून-व्यवस्था के इंतजाम किए जा सकते हैं। दूसरी ओर मस्जिद कमेटी की ओर से वरिष्ठ वकील सलमान खुर्शीद ने दलील दी कि पहले भी तीन बार बसंत पंचमी शुक्रवार को पड़ी है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने हिंदू पक्ष को तीन घंटे तक पूजा की अनुमति दी है।

पूजा का मुहूर्त 1 बजे तक

उन्होंने कहा-ऐसा ही दोबारा होने दिया जाए। जुमा की नमाज दोपहर एक से तीन बजे तक होती है। हम 3 बजे तक जगह खाली कर देंगे। हम न्यूनतम समय मांग रहे हैं और खुशी से समायोजन करने को तैयार हैं। पूजा बाहर भी जारी रह सकती है। एएसआई की ओर से पेश वकील ने बताया कि पूजा का मुहूर्त दोपहर 1 बजे तक है और वे हिंदू पक्ष को अनुमति दे सकते हैं। हालांकि, याचिकाकर्ता के वकील विष्णु शंकर जैन ने जोर देकर कहा कि पूजा-अनुष्ठान सूर्योदय से सूर्यास्त तक होना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि नमाज शाम 5 बजे कर ली जाए तो हिंदू पक्ष पूजा पूरी कर 5 बजे जगह खाली कर देगा।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम

सुप्रीम कोर्ट में धार भोजशाला विवाद पर सुनवाई के चलते धार में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। धार में आठ हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। सीसीटीवी कैमरों से लगातार निगरानी रखी जा रही है। पुलिस द्वारा लगातार विभिन्न इलाकों में पेट्रोलिंग की जा रही है। धार भोजशाला में भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। वॉच टावर के साथ ही पुलिस चौकी भी बनाई गई है और पुलिस द्वारा संवेदनशील इलाकों में गश्त की जा रही है।

न्यूज गैलरी

तांत्रिक क्रिया के निशान से दहशत

लखनपुर/नवप्रदेश। सरगुजा जिले के दूरस्थ आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र ही नहीं अपितु शहर नगर में भी तंत्र मंत्र को मानने वाले लोग टोना टोटका जैसी तांत्रिक क्रियाओं पर अपना आस्था बनाये हुये है। इसी तारतम्य में नगर पंचायत लखनपुर के वार्ड 7 में 20 जनवरी की रात तांत्रिक क्रिया किये जाने का निशान मिलने से वार्ड वासियों में एक अनदेखा अनहोनी होने का डर बना हुआ है। दरअसल वार्ड के चौराहे पर सड़क में कुछ ताराकृत रेखाओं के बीच सिन्दूर चुड़ी काले कपड़ों की टुकड़े बिखरे पड़े हुए देख लोगों में भय का माहौल है। इसे किसी अज्ञात व्यक्ति विशेष अथवा घर परिवार अहित के लिए किया गया जादू माना जा रहा है। अब इस तारा कृत निशान और सामग्रियों का रहस्य क्या है जानकार ही उजागर कर सकते हैं।

'मेरा ई-केवायसी' ऐप से घर बैठे होगा काम

एमसीबी/नवप्रदेश। जिले के राशन कार्डधारकों के लिए राहत भरी खबर है। अब ई-केवायसी के लिए राशन दुकान या कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं होगी। कार्यालय कलेक्टर (खाद्य शाखा) मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर द्वारा जिले के समस्त राशन कार्डधारकों को सूचित किया गया है कि शासन के निर्देशानुसार राशन कार्ड में ई-केवायसी कराना अनिवार्य कर दिया गया है।जिन हितग्राहियों का ई-केवायसी अब तक पूर्ण नहीं हुआ है, वे ई-केवायसी मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे ही सरल और तेज प्रक्रिया में ई-केवायसी करा सकते हैं। इस प्रक्रिया के लिए हितग्राही के आधार कार्ड से मोबाइल नंबर का पंजीकृत होना आवश्यक है। ऐप के माध्यम से फेस ऑथेंटिकेशन द्वारा कुछ ही मिनटों में ई-केवायसी की प्रक्रिया पूरी हो जाती है। खाद्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि समय रहते ई-केवायसी नहीं कराने की स्थिति में भविष्य में खाद्यान्न वितरण प्रभावित हो सकता है तथा पात्र हितग्राही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रह सकते हैं।

एमआईएस सहायक के पद के लिए अंतिम मेरिट सूची जारी

बलरामपुर/नवप्रदेश। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने जानकारी दी है कि अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परम्परागत वन निवासी अधिनियम 2006 एवं नियमों के प्रभावी एवं सुचारू क्रियान्वयन हेतु अनुभाग वाड्रफनगर में वन अधिकारी प्रकोष्ठ में एमआईएस सहायक की नियुक्ति के संबंध में दावा-आपत्ति आमंत्रित किया गया था। जिला स्तरीय समिति द्वारा दावा-आपत्ति के निराकरण उपरांत अंतिम मेरिट सूची जारी की गई है। सूची का अवलोकन जिले के वेबसाईट एवं कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विभाग के सूचना पटल में किया जा सकता है।

स्वास्थ्य केंद्र, विद्यालयों, आंगनबाड़ी, आश्रम-छात्रावासों का लिया जायजा, धान खरीदी केंद्र भी पहुंचे कलेक्टर

मरीजों को मिले बेहतर स्वास्थ्य सुविधा, शिकायत पर लेंगे एक्शन

अंबिकापुर/नवप्रदेश। कलेक्टर अजीत वसंत ने बुधवार को लखनपुर विकासखण्ड अंतर्गत धान खरीदी केंद्र, विभिन्न विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों, आश्रम छात्रावासों, स्वास्थ्य केंद्रो का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा- निर्देश दिए।

इस दौरान वे प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के हितग्राहियों से भी मिले। उन्होनें विकासखण्ड अंतर्गत पीएमजीएसवाई की निर्माणाधीन सड़कों का भी अवलोकन किया। निरीक्षण में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय अग्रवाल, एसडीएम उदयपुर बन सिंह नेताम, जनपद सीईओ डॉ. स्वेच्छा सिंह सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लखनपुर के अंतर्गत सेक्टर बेलखरिखा के आयुष्मान आरोग्य मंदिर कुसु का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न वार्डों में आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने यहां चिकित्सकों एवं स्टाफ की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने मरीजों हेतु सुविधाओं का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए, उन्होनें स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने निर्देशित किया। उन्होंने भवन का निरीक्षण कर 01 बड़े हॉल के निर्माण कराए जाने हेतु आवश्यक कार्ययोजना बनाकर प्रेषित करने निर्देशित किया। उन्होंने कहा

कि गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य की मॉनिटरिंग की जाए, एचआरपी महिलाओं की काउंसलिंग समय पर किया जाए। उन्होंने सामान्य गर्भवती महिला का प्रसव संस्था में एवं हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं को उच्च अस्पताल रिफर किए जाने निर्देशित किया। उन्होंने मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने निर्देशित किया। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान घंटाडीह में प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के हितग्राहियों गृहभेंट कर आवास निर्माण हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने हितग्राही सुनील एवं रतियो बाई के निर्माणाधीन आवास पहुंचकर आवास निर्माण में आ रही समस्याओं की जानकारी ली तथा उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि हितग्राहियों की समस्या का समाधान कर अपूर्ण आवासों को जल्द पूर्ण करवाएं। इस दौरान उन्होंने पहाड़ी कोरवा परिवारों से शासकीय योजनाओं से मिल रहे लाभ की जानकारी ली। उन्होंने राशन, विद्युत आपूर्ति, पेयजल सहित अन्य सुविधाओं की जानकारी ली तथा उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने माध्यमिक शाला क़ुसू, हाई स्कूल क़ुसू प्राथमिक शाला तुनगुरी का निरीक्षण किया। उन्होंने हाई स्कूल क़ुसू में आकांक्षी परीक्षा पर्व के संदर्भ में कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा में बेहतर अंक अर्जित करने प्रेरित किया।

धान खरीदी केंद्र चांदो का किया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान उन्होंने धान खरीदी केंद्र चांदो का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने नमी मापक यंत्र से धान की नमी, धान की गुणवत्ता, तौल व भराई का जायजा लिया। उन्होंने धान बेचने आए किसानों से व्यवस्थाओं पर फीडबैक लिया और समिति के प्रबंधक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि धान खरीदी में किसी भी प्रकार की लापरवाही ना रहे। उन्होंने केंद्र में बारदाना उपलब्धता, रकबा समर्पण, डीओ, टोकन व्यवस्था, उठाव सहित संपूर्ण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली।

अफसरों ने किया आश्रम के बच्चों के साथ भोजन, बच्चों से पूछे- कोई समस्या तो नहीं

नौनिहालों के बीच पहुंचे सरगुजा कलेक्टर शासकीय योजनाओं का लिया जायजा

सरगुजा/नवप्रदेश। सरगुजा कलेक्टर अजीत वसंत तथा जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय अग्रवाल ने आकांक्षी विकासखंड लखनपुर के विभिन्न ग्राम पंचायत पहुंच शासकीय संस्थानों तथा सचालित योजनाओं का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान ग्राम चांदो धान खरीदी केंद्र, सड़क ग्राम चांदो के तहत-घंटाडीह, पहाड़ी कोरवा आवास, आंगनवाड़ी केंद्र ग्राम तुनगुरी, में निर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र ग्राम पंचायत कुसु, प्राथमिक, माध्यमिक एवं हाई स्कूल प्राथमिक शाला ग्राम पंचायत तुनगुरी, आदिवासी बालक आश्रम तुनगुरी सहित अन्य स्थलों का अवलोकन किया । उप स्वास्थ्य केंद्र कुसु में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का गहन निरीक्षण करते हुए कलेक्टर एवं जिला सीईओ ने स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को गर्भवती महिलाओं एवं प्रसूता महिलाओं के नियमित स्वास्थ्य

परीक्षण, परामर्श एवं आवश्यक फॉलो-अप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने हेतु मितानिन समूहों को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने के भी हिदायत दी। सरगुजा कलेक्टर एवं जिला सीईओ ने आश्रित ग्राम घंटाडीह पहुंच जनमन आवास योजना के हितग्राहियों से गृहभेंट कर आवास निर्माण हेतु प्रोत्साहित किये। इस दौरान हितग्राहियों से विभिन्न शासकीय योजनाओं से मिल रहे लाभ की जानकारी ली गई ,तथा यह भी पूछा गया कि किन योजनाओं का लाभ उन्हें अभी प्राप्त नहीं हो पा रहा है। साथ ही सौर ऊर्जा कनेक्शन से विद्युत आपूर्ति की स्थिति के संबंध में भी चर्चा की गई। निरीक्षण के दौरान हाई स्कूल कुसु में आकांक्षी परीक्षा पर्व के संदर्भ में कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा में बेहतर अंक अर्जित करने प्रेरित किया गया। प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान दर्ज संख्या की तुलना में विद्यार्थियों की उपस्थिति कम पाए जाने पर शिक्षा विभाग के अधिकारियों को आगामी दिनों में व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए गए। साथ ही मध्यान्ह भोजन योजना की भी जांच की गई। ग्राम तुनगुरी आंगनवाड़ी केंद्र निरीक्षण के दौरान उपस्थित बच्चों से बातचीत की गई। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से कुपोषित एवं मध्यम कुपोषित बच्चों की जानकारी ली गई, जिस पर कार्यकर्ताओं ने बताया कि इस आंगनवाड़ी में सभी बच्चे नियमित रूप से उपस्थित रहते हैं। साथ ही कलेक्टर ने बच्चों द्वारा ग्रहण किए जा रहे भोजन के गुणवत्ता की भी जानकारी ली गई। इसके पश्चात तुनगुरी प्राथमिक विद्यालय एवं आदिवासी बालक आश्रम का निरीक्षण किया गया। आश्रम परिसर में विकसित किचन गार्डन की सराहना करते हुए अधिकारियों ने लखनपुर के अन्य बालक आश्रमों में भी इसी प्रकार का किचन गार्डन विकसित करने के निर्देश दिए। जिससे आवश्यकतानुसार हरी साग सब्जी मिल सके। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने आश्रम के बच्चों के साथ भोजन किया।

अवैध रेत उत्खनन और खेल मैदान भूमि से कब्जा हटाने सौंपा ज्ञापन

लखनपुर/नवप्रदेश। लखनपुर तहसील कार्यालय क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में अवैध रेत उत्खनन, मरघट,खेल मैदान सहित शासकीय भूमि पर अतिक्रमण हटाए जाने को लेकर जनपद सदस्य सरपंच ग्रामीणों ने लखनपुर तहसील कार्यालय पहुंच तहसीलदार को ज्ञापन सौंप सप्ताह भर के भीतर कार्यवाही करने की मांग की है। कार्यवाही नहीं होने की स्थिति में तहसील कार्यालय की घेराव करने की चेतावनी दी गई है। ज्ञापन में उल्लेखनीय है कि ग्राम मुकुंदपुर के खेल मैदान में तुलाराम पिता शिवनंदन, ग्राम अमल भिट्ठी साप्ताहिक बाजार में राधे यादव द्वारा अतिक्रमण किया गया। ग्राम पटकुरा में मरघट की भूमि पर रामप्रसाद यादव पिता ददन यादव के द्वारा अतिक्रमण किया गया वहीं ग्राम बगदरी में अवैध रेट उत्खनन रोक लगाई जाने तथा ग्राम जयपुर में अमर सिंह द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाने के आदेश जारी होने पर आज तक अतिक्रमण नहीं हटाया गया है जिसे लेकर क्षेत्र के जनपद सदस्य सरपंच व ग्रामीणों ने तहसील कार्यालय पहुंच तहसीलदार को ज्ञापन सौंप 07 दिवस के भीतर कार्रवाई करने की मांग की गई है। अतिक्रमण करियों और रेत माफिया पर कार्रवाई नहीं होने की स्थिति में तहसील कार्यालय घेराव करने की चेतावनी भी दी गई है। इस दौरान सरपंच बनवारी राम, सरोज कुमार सिंह ,जनपद सदस्य प्रकाश चंद्र खलखो धर्मेंद्र झरिया सहित अन्य जनपद निधि बढ़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

साप्ताहिक बाजारों में खुलेआम बिक रही चावल से बनी कोसना शराब

■ नशे के विरुद्ध अभियान पर सवाल, कार्रवाई अब तक नदारद

एमसीबी/नवप्रदेश। जिले के विभिन्न साप्ताहिक बाजारों में चावल से बनने वाली ताड़ी, जिसे स्थानीय भाषा में कोसना कहा जाता है, खुलेआम बिकती नजर आ रही है। हैरानी की बात यह है कि यह नशीला पदार्थ बेहद कम कीमत पर आसानी से उपलब्ध है–10 प्रति गिलास, 20 में एक लीटर और 30 में दो लीटर की बोतल, जिससे समाज में नशे का चलन तेजी से बढ़ रहा है। जानकारी के अनुसार मनेन्द्रगढ़, चिरमिरी, कछोड़, केल्हारी सहित जिले के लगभग सभी साप्ताहिक बाजारों में सैकड़ों की संख्या में लोग रोजमर्रा की जरूरतों की खरीदारी के लिए पहुंचते हैं। इन्हीं बाजारों में खुलेआम कोसना की बिक्री धड़ल्ले से चल रही है। इस अवैध व्यापार में अधिकतर महिलाएं शामिल नजर आती हैं, जिससे यह कारोबार संगठित रूप लेता दिखाई दे रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक ओर सरकार और पुलिस प्रशासन नशे के खिलाफ अभियान चलाकर लगातार जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रही है, वहीं दूसरी ओर साप्ताहिक बाजारों में इस तरह खुलेआम नशीले पदार्थों की बिक्री प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करती है। कम दामों पर आसानी से उपलब्ध यह नशीला पदार्थ युवाओं और मजदूर वर्ग को तेजी से अपनी गिरफ्त में ले रहा है। मात्र 10 से 30 में नशा उपलब्ध होना सामाजिक व्यवस्था, पारिवारिक शांति और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। इस संबंध में जिला आबकारी अधिकारी शशि कला पैकरा ने कहा कि कोसना (चावल से बनी शराब) की बिक्री भी महुआ शराब की तरह अवैध है और उस पर वही धाराएं लागू होती हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं और जल्द ही साप्ताहिक बाजारों में सख्त कार्यवाही की जाएगी।

रामचंद्रपुर में 5 फरवरी को होगा प्लेसमेंट कैंप

बलरामपुर/नवप्रदेश। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रामचन्द्रपुर के प्राचार्य ने जानकारी दी है कि संस्थान में पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट लिमिटेड के द्वारा 05 फरवरी 2026 को 500 पदों की पूर्ति के लिए प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया है। जिसमें असेम्बली ऑपरेटर/मशीन ऑपरेटर/क्वालिटी/हेल्फर/मॉडलिंग ऑपरेटर के पद रिक्त हैं। इच्छुक उम्मीदवार 05 फरवरी 2026 को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रामचन्द्रपुर में उपस्थित होकर गुगल फॉर्म के माध्यम से अपना ऑनलाइन/ऑफलाइन पंजीयन करा सकते हैं। इन पदों के लिए 10वीं एवं 12वीं तथा आईटीआई डिप्लोमा की योग्यता अनिवार्य होगी।

तालदेवरी स्कूल परिसर में रोपे पौधे, सुरक्षा का लिया संकल्प

जांजगीर चांपा/नवप्रदेश। बम्हनीडीह विकासखंड अंतर्गत आने वाले आदर्श ग्राम तालदेवरी के शासकीय हायर सेकेंड्री स्कूल परिसर में 22 जनवरी को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों के साथ शिक्षकगण एवं ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ग्राम की सरपंच श्रीमती सीमा शुक्लाल सोनवानी, उप सरपंच मुनीराम साहू, पंच गणपत कुर्रे, परसराम दिवाकर, सरोज यादव (पंच पति), छबिलाल खूंटे (पंच पति), सरपंच पति शुक्लाल सोनवानी सहित अन्य

जनप्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। विद्यालय परिवार की ओर से वरिष्ठ व्याख्याता फिरतु राम पटेल, संकुल प्राचार्य पापिया चक्रवर्ती, शैक्षिक समन्वयक ललित मनहर, प्रधान पाठक ओमप्रकाश पटेल व मथुरा मधुकर, माधुरी तंबोली, सुश्री बबीता भगत, योगेश निर्मलकर, श्रीबंधु राम साहू, कन्हैया देवांगन पंकज यादव, स्वनी आजाद, हेमंत कश्यप, श्रीगेन्द्र राय, उमा यादव, पुष्पा कश्यप, बजेत्री सक्सेना अन्य कर्मचारी संतोष साहू, चंदराम मधुकर, सुरेंद्र मनहर सहित ग्राम तालदेवरी के अन्य गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे। सभी ने पौधों के संरक्षण व नियमित देखरेख का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा ग्राम स्तर पर हरियाली को बढ़ावा देना रहा।

भाजपा के साथ पीआईसी गठन पर बगावत, कांग्रेस पार्षदों ने दिया इस्तीफा

मुंगेली/नवप्रदेश। प्रेसिडेंट इन काउंसिल को लेकर नगर पालिका परिषद में घमासान मचा हुआ है। नाट्यकीय घटनाक्रम में 24 घंटे पहले ही प्रेसीडेंट इन काउंसिल का गठन किया गया और लगभग आधा दर्जन पार्षदों ने इस्तिफा दे दिया है। विभिन्न विभागों में सदस्य बनाए जाने के संदर्भ में कांग्रेसी पार्षदों ने अपना इस्तिफा सौंपते हुए कहा है कि कांग्रेस पार्षदों का बहुमत होने के बाद भी भाजपा पार्षदों के साथ मिलकर पीआईसी गठन किया गया है। कांग्रेसी पार्टी के पार्षदों का कहना है कि उनकी विचारधारा भाजपा के विचारधारा से मेल नही खाता है इसलिए वे इस्तिफा दे रहे है। प्रेसिडेंट इन काउंसिल का गठन किए जाने के महज 24 घंटे के भीतर ही पार्षदों के इस्तीफों का सिलसिला शुरू हो गया। इस घटनाक्रम ने न केवल नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि राजनीतिक संतुलन को लेकर भी चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है। पीआईसी गठन के बाद परिषद में अस्थिरता देखने को मिली हो। इससे पहले भी पीआईसी के गठन के कुछ ही घंटों बाद पार्षदों ने असहमति जताते हुए इस्तीफे दे दिए थे। ताजा मामले में इस्तीफा देने वालों

में वरिष्ठ पार्षद और अजय योद्धा माने जाने वाले अरविन्द वैष्णव के साथ अजय साहू, दिलीप सोनी, संजय चंदेल, प्रतिमा कोशले और राम किशोर देवांगन शामिल हैं। वरिष्ठ पार्षद अरविन्द वैष्णव ने इस पूरे घटनाक्रम को लेकर लिखित बयान जारी करते हुए कहा कि परिषद में कांग्रेस पार्षदों की संख्या अधिक होने के बावजूद पीआईसी में भाजपा पार्षदों को शामिल किया गया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भाजपा और कांग्रेस की विचारधाराएं एक-दूसरे से पूरी तरह भिन्न हैं, ऐसे में इस तरह का पीआईसी गठन स्वीकार्य नहीं है। इसी कारण उन्होंने पीआईसी से इस्तीफा देने का निर्णय लिया। पार्षदों के सामूहिक इस्तीफों के बाद नगर पालिका की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। विपक्ष ही नहीं, बल्कि सत्तापक्ष के भीतर भी असंतोष के सुर सुनाई देने लगे हैं।

बैठक | किसान योजना से शिक्षा-स्वास्थ्य तक समीक्षा, लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने के दिए निर्देश

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर सख्त, योजनाओं की धीमी प्रगति पर अफसरों को फटकार

मुंगेली/नवप्रदेश। जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में कलेक्टर कुन्दन कुमार ने समय-सीमा की बैठक ली। बैठक में उन्होंने विभागीय योजनाओं एवं गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की और लक्ष्य के अनुरूप लक्षित प्रगति लाने के लिए निर्देशित किया।

कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और शासन की योजनाओं का लाभ आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंचे। समय-सीमा बैठक के माध्यम से जिले में विकास कार्यों को गति देने और प्रशासनिक कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर बल दिया गया। बैठक में कलेक्टर ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों के वैरीफिकेशन की प्रगति की समीक्षा करते हुए ई-केवायसी, लैंड सीडिंग, आधार सीडिंग आदि प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही योजनाओं की प्रगति के संबंध में संतोषजनक जवाब नहीं देने पर उपसंचालक कृषि को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों के आधार पंजीयन की प्रगति के सम्बन्ध में जानकारी ली और बेहतर कार्ययोजना बनकर शत प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने निर्देशित किया। कलेक्टर

ने स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत संस्थागत प्रसव, एनसीडी स्क्रीनिंग, टीकाकरण, वयवंदना, प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना, आभा आइडी आदि की समीक्षा कर लक्ष्य अनुरूप प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने मिशन 90 प्लस के अंतर्गत शिक्षा गुणवत्ता में सुधार हेतु सभी नोडल स्कूलों का नियमित भ्रमण करने निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि विद्यालयों के शैक्षणिक वातावरण, अध्यापन स्तर एवं विद्यार्थियों के परिणामों में सुधार के लिए शिक्षकों और छात्रों को निरंतर प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना की कार्यप्रगति की समीक्षा करते हुए विकासखण्डवार जानकारी ली और सभी जनपद सीईओ को लक्ष्य अनुरूप आवास पूर्णता के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कौशल विकास के अंतर्गत मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत पाठ्यक्रम पूर्णता के संबंध में जानकारी ली और समय-सीमा में पाठ्यक्रम पूर्ण कर नवाचार आधारित कौशल उन्नयन के निर्देश दिए। उन्होंने सूर्यघर योजना की धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर की और लक्ष्य अनुरूप आवश्यक प्रगति लाने निर्देशित किया। उन्होंने खनन विभाग से अवैध खनन के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई की जानकारी ली और सख्त निगरानी के निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा का एक फरवरी को होगा आयोजन

अंबिकापुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा सरगुजा जिले में 01 फरवरी 2026 को छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 का आयोजन दो पालियों में किया जा रहा है। परीक्षा प्रथम पाली में जिले के 24 परीक्षा केन्द्रों में प्राथमिक कक्षाओं में अध्यापन हेतु पूर्वान्ह 09:30 से 12:15 बजे तक परीक्षा आयोजित होगी, जिसमें कुल 9,416 अभ्यर्थी शामिल होंगे। इसी प्रकार द्वितीय पाली में जिले के 49 परीक्षा केन्द्रों में माध्यमिक कक्षाओं में अध्यापन हेतु अपरान्ह 03:00 बजे से 05:45 बजे तक परीक्षा आयोजित होगी, जिसमें कुल 16,916 अभ्यर्थी शामिल होंगे। जिला प्रशासन ने सभी परीक्षा केंद्रों में सुरक्षा एवं व्यवस्था के कड़े उपाय सुनिश्चित किए हैं ताकि परीक्षा का संचालन पूर्ण पारदर्शिता और व्यवस्थित तरीके से किया जा सके। परीक्षार्थी परीक्षा प्रारंभ होने के दो घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र में पहुंचे, ताकि फ्रिस्किंग एवं सत्यापन किया जा सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जायेगा।

न्यूज गैलरी

डोंगरगढ़ में 23 जनवरी से शुरू होगा चार दिवसीय ओशो ध्यान शिविर

'विज्ञान भैरव तंत्र' पर होगी चर्चा

डोंगरगढ़: /व प्रदेश। ध्यान को जीवनशैली बनाने और मानसिक शांति की खोज कर रहे लोगों के लिए डोंगरगढ़ में एक विशेष अवसर आने वाला है। आगामी 23 जनवरी से 27 जनवरी 2026 तक होटल केसरी नंदन में चार दिवसीय 'ओशो ध्यान शिविर' का आयोजन किया जा रहा है।?इस शिविर का मुख्य केंद्र 'विज्ञान भैरव तंत्र' होगा, जिसमें ओशो की शिक्षाओं के माध्यम से ध्यान की गहराइयों को समझने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम की संचालक पंजाब से आईं डॉ. ईशा सिंगला (मां प्रेम ईशा) होंगी।

?आयोजकों ने बताया कि शिविर के दौरान प्रतिदिन दोपहर 2:30 बजे से 4:00 बजे तक 'गुरुवाणी श्रवण' का विशेष सत्र रखा गया है, जिसमें सभी धर्मप्रेमी सादर आमंत्रित हैं। शिविर के लिए सहयोग राशि 4000 रुपये निर्धारित की गई है, जबकि विद्यार्थियों के लिए विशेष छूट (Special Discount) की व्यवस्था भी है। पंजीयन के लिए अमित जैन (9907133771) से संपर्क किया जा सकता है।

सृष्टि दिल्ली में आयोजित मुख्य राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए चयन

महासमुंद / नव प्रदेश। । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी कार्यक्रम 'परीक्षा पे चर्चा' के नौवें संस्करण में इस वर्ष महासमुंद जिले की होनहार छात्रा कुमारी सृष्टि साहू राष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करेंगी। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, नयापारा की कक्षा 12वीं (गणित संकाय) की छात्रा सृष्टि का चयन नई दिल्ली में आयोजित मुख्य राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए किया गया है।

विद्यालय की शाला नायिका के रूप में अपनी नेतृत्व क्षमता का परिचय दे चुकीं सृष्टि इससे पूर्व एक दिन की प्रतीकात्मक प्राचार्य की भूमिका भी कुशलतापूर्वक निभा चुकी हैं। यह उपलब्धि न केवल उनकी शैक्षणिक प्रतिभा, बल्कि उनके आत्मविश्वास और नेतृत्व गुणों का भी प्रमाण है। संस्था के शत-प्रतिशत विद्यार्थियों ने माई गवर्नमेंट पोर्टल पर पंजीयन किया था। इसी प्रक्रिया के अंतर्गत सृष्टि ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होकर दिल्ली पहुँचने का गौरव प्राप्त किया।

केशव नायक राम चंद्राकर के नेतृत्व में बागबाहरा में गूंजा सामाजिक न्याय का स्वर

बागबाहरा / नव प्रदेश। । भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर की 103वीं जयंती बागबाहरा में गरिमामय और उत्साहपूर्ण माहौल में मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन पिछड़ा वर्ग प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं बागबाहरा जनपद पंचायत अध्यक्ष केशव नायक राम चंद्राकर के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर सामाजिक समरसता, सामाजिक न्याय और पिछड़े वर्ग के अधिकारों को लेकर वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम की शुरुआत कर्पूरी ठाकुर के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर की गई। वक्ताओं ने उनके संघर्षपूर्ण जीवन, सादगी और सामाजिक न्याय के लिए किए गए ऐतिहासिक कार्यों को याद करते हुए उन्हें सच्चा जननायक बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रहते हुए कर्पूरी ठाकुर ने शिक्षा और प्रशासन में समान अवसर की दिशा में साहसिक निर्णय लेकर समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया।मुख्य वक्ता के रूप में केशव नायक राम चंद्राकर ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर केवल एक नेता नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की सशक्त विचारधारा थे। उन्होंने युवाओं से उनके जीवन से प्रेरणा लेकर ईमानदारी, सादगी और सेवा को अपना लक्ष्य बनाने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए पिछड़े और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष करती रहेगी।कार्यक्रम में गिरीश पटेल, भूपेंद्र दीवान, बलराम ध्रुव, उमेश साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

परमेश्वरी महोत्सव में होगा भक्ति के साथ खेल और मनोरंजन का रोमांच

■ सामाजिक आयोजन: कल शहर की हर इकाई में मनाई जाएगी कुलदेवी की जयंती

राजनांदगांव /नव प्रदेश। बसंत पंचमी पर शुक्रवार को देवांगन समाज अपनी कुलदेवी मां परमेश्वरी की जयंती को इस वर्ष भी महोत्सव के रूप में मनाने जा रहा है। शहर की सभी इकाई संगठनों द्वारा विविध आयोजन कराए जाएंगे। शोभायात्रा, कथा-पूजा, परिचय सम्मेलन, आदर्श विवाह के साथ ही खेल और मनोरंजन का रोमांच भी देखने को मिलेगा। शहर स्तरीय मुख्य कार्यक्रम नगर देवांगन समाज द्वारा गुरु घासीदास भवन जीई रोड में कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त शंकरपुर, बसंतपुर, तुलसीपुर-ममतानर, मोतीपुर व बजरंगपुर नवागांव में भी समारोह होगा।

नगर देवांगन समाज के महोत्सव का यह 11वां वर्ष है। यह दो सत्रों में होगा। सुबह 10 बजे पूजा-आरती के साथ कार्यक्रम शुरू होगा। फिर परिचय सम्मेलन, डांस और कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता के बाद रंगोली व चित्रकला प्रतियोगिता होगी। दोपहर दो बजे उदघाटन सत्र में विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह मुख्य अतिथि होंगे। अध्यक्षता सांसद संतोष पांडे करेंगे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व सांसद अभिषेक सिंह आमंत्रित हैं। इसके अतिरिक्त महापौर मधुसूदन यादव, पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा, कोमल राजपूत व समाज के प्रदेश व जिला स्तर के पदाधिकारी भी मंचासीन रहेंगे। समापन सत्र में खनिज विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष गिरीश देवांगन मुख्य अतिथि रहेंगे। अध्यक्षता शहर कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार करेंगे। विशिष्ट अतिथियों में विधायक दलेश्वर साहू, भोलाराम साहू, ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष विपिन

यादव आदि आमंत्रित हैं।

इसी तरह तुलसीपुर-ममता नगर इकाई द्वारा लेबर कालोनी (प्रगति मैदान) तुलसीपुर के सामुदायिक भवन में मां परमेश्वरी महोत्सव और पारिवारिक मिलन समारोह-2026 कराया जाएगा। महोत्सव की शुरुआत प्रातः 9.30 बजे से समाज की कुलदेवी माता परमेश्वरी का शोडषोपचार पूजन, हवन और सामूहिक आरती के साथ होगी। 11.30 बजे से मंचीय कार्यक्रम शुरू होगा। इसमें

दो जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे फिर होगा स्वरूचि भोज

नगर देवांगन समाज के दयावान देवांगन ने बताया कि महोत्सव के दौरान सामाजिक खर्च पर इस वर्ष दो जोड़ों का आदर्श विवाह कराया जाएगा। नवीननगर नागपुर (महाराष्ट्र) निवासी विजय कुमार का विवाह दपका की लक्ष्मी देवांगन के साथ होगा। वहीं शंकरपुर निवासी भुवनलाल की शादी इंदिरा माता नगर नागपुर की सुलोचना के साथ पारंपरिक रूप से कराई जाएगी। इसके बाद आशीर्वाद समारोह और स्वरूचि भोज भी कराया जाएगा। आयोजन की तैयारी लगभग पूरी कर ली गई है।

जसगीत के साथ निकाली जाएगी शोभायात्रा

देवांगन समाज के सामाजिक भवन मोतीपुर में पारंपरिक आयोजन होगा। सुबह 11 बजे जसगीत के साथ मांता परमेश्वरी की शोभायात्रा निकाली जाएगी। दो वार्डों का भ्रमण कर यह वापस सामाजिक भवन में समाप्त होगी। पूजा-आरती के बाद बच्चों व महिलाओं के बीच विविध प्रतियोगिता कराई जाएगी। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति होगी। जयंती समारोह के मुख्य अतिथि महापौर मधुसूदन यादव होंगे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में समाज के प्रदेश महासचिव छगन देवांगन, पार्षद सावन वर्मा. कमलेश बंधे व मनोहर यादव आमंत्रित हैं। दोपहर में समापन सत्र में मुख्य अतिथि गिरीश देवांगन होंगे। समाज के जिलाध्यक्ष जेठू देवांगन, पूर्व महापौर हेमा देशमुख, शहर कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार, पूर्व एल्डरमैन झम्मन देवांगन विशिष्ट अतिथि होंगे।

71 लाख के तहसील भवन में बिन बरसात टपक रहा पानी

कोरिया /नवप्रदेश । कोरिया जिले में लोक निर्माण विभाग अब विकास का नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार का प्रतीक बनता नजर आ रहा है। जिले में पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा कराए जा रहे अधिकांश निर्माण कार्य आज सवालों के घेरे में हैं। कहीं स्कूलों की छतें जर्जर हैं, तो कहीं नए-नवेले सरकारी भवन खुद अपनी बदहाली की कहानी बयां कर रहे हैं।वही जिला मुख्यालय होने के बावजूद ई कार्यालय नही होने से मॉनिटरिंग का भी अभाव है जिससे अधिकारी कागजो में गुडवत्ता बता रहे । ताजा मामला एक नवनिर्मित तहसील भवन का है, जहां निर्माण के महज साढ़े तीन महीने बाद ही बिन बरसात छत से पानी टपकने लगा है।

भ्रष्टाचार का गंभीर आरोप

तस्वीरें कोरिया जिले के बचरापोड़ी तहसील भवन की हैं, जिसे लोक निर्माण विभाग ने 71 लाख रुपये की लागत से तैयार कराया। हैरानी की बात यह है कि यह भवन बने हुए अभी सिर्फ 3.5 महीने ही हुए हैं और हालात ऐसे हैं कि बिना बारिश के ही छत से पानी टपक रहा है।वहीं दीवारों पर दरारें आ ही हैं और पानी सीपेज होने लगा है वहीं स्थिति इतनी खराब है कि भवन के अंदर खिड़कियों को सही तरीके से लगाया ही नहीं गया है जिससे खिड़कियां टूट रही हैं । अब सवाल यह उठता है कि 71 लाख रुपये खर्च कर बनाए जा रहे ये भवन आखिर किस गुणवत्ता के मानकों पर खरे उतर रहे हैं !

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह अकेला मामला नहीं है। इससे पहले भी जिले में जमगहना स्कूल भवन, पटना के नया तहसील भवन और अन्य शासकीय निर्माणों में गंभीर खामियां सामने आ चुकी हैं। बावजूद इसके न तो जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई हुई और न ही ठेकेदारों से जवाबदेही तय की गई।

अब बड़ा सवाल यह है कि–क्या लोक निर्माण विभाग ने बिना जांच के भुगतान कर दिया या फिर गुडवत्ता का ध्यान जिम्मेदार अधिकारियों ने नही रखा और क्या इस अनियमितता की कोई जांच होगी या मामला यूं ही फाइलों में दबा दिया जाएगा कोरिया जिले में लोक निर्माण विभाग के कामकाज पर अब सवाल नहीं, बल्कि सवालों की बाढ़ आ चुकी है। जरूरत है निष्पक्ष जांच की, ताकि जनता के टैक्स के पैसों का सच सामने आ सके। वही जिला मुख्यालय कोरिया में मुख्य कार्यपालन अधिकारी कार्यालय नही हैं जिससे अधिकारी भी नही जिन्हें प्रभार हैं एमसीबी जिले में बैठते हैं जो कि फोन लगाने पर रिसीव नहीं करते न ही निर्माण कार्यो की मॉनिटरिंग में जिले मे इन्हें देखा जा सकता हैं जिससे अब निर्माण के कार्यो को लेकर अब सवाल उठना लाजिमी हैं ।

पुण्यतिथि पर किया वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के शौर्य का बखान

राजनांदगांव /नव प्रदेश। मेवाड़ मुकुट वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि पर राजपूत समाज ने उनके शौर्य का बखान करते हुए उनकी पुण्यतिथि मनाई. महाराणा प्रताप चौक पर स्थित उनकी प्रतिमा पर सर्वप्रथम माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया. इसके बाद राजपूत समाज के लोगों ने एकजुट होकर उनकी शहादत को याद करते हुए उन्हें नमन किया.छत्तीसगढ़ राजपूत महासभा, राष्ट्रीय करणी सेना और छत्तीसगढ़ राजपूत महासभा रहटादाह 1282 के संयुक्त तत्वाधान में महाराणा प्रताप चौक स्थित वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर उनकी पुण्यतिथि मनाई. यह प्रथम अवसर है जब राजपूत समाज के अलग-अलग संगठनों ने एक मंच पर आकर महाराणा प्रताप के शौर्य का पुण्य स्मरण किया है. इस अवसर पर राष्ट्रीय करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजय बहादुर सिंह ने कहा कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप ने समाज की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राण निछावर कर दिए उनके शौर्य और पराक्रम को नमन करते हुए छत्तीसगढ़ के राजपूत समाज को समाज के हित में एकजुट होकर काम करने के लिए सामने आना होगा ।

मगरघटा में आचार्य राजेंद्र शास्त्री की शिव महापुराण कथा जारी

भाटापारा /नव प्रदेश। गुप्त नवरात्र बसंत पंचमी के अवसर पर ग्राम मगरघटा मे आयोजित श्री शिव महापुराण की कथामृत प्रवाहित करते हुए श्रद्धेय आचार्य पं राजेन्द्र शास्त्री ने बताया कि सोमवार के दिन भगवान शिव की उपासना करने से भक्तों को विशेष लाभ मिलता है। शिव महापुराण में बताया गया है कि जो व्यक्ति विधिवत शिव जी की उपासना करता है उसे बहुत लाभ मिलता है।

सनातन धर्म में देवाधिदेव महादेव की उपासना को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। मान्यता है कि भगवान शिव की उपासना करने से भक्तों के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। बता दें कि महादेव की उपासना के लिए सोमवार का दिन बहुत ही उत्तम होता है। जो व्यक्ति सोमवार के दिन भगवान शिव की विधिवत पूजा करता है। शिवलिंग पर जल दूध व बेल पत्र इत्यादि अर्पित करता है, उससे भगवान शिव प्रसन्न हो जाते हैं। साथ ही वह अपने भक्तों को धन, ऐश्वर्य और बुद्धि का वरदान देते हैं।

शास्त्रों में बताया गया है कि सोमवार के दिन भक्तों को भगवान शिव की पूजा के समय कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि छोटी सी गलती भी खतरनाक

परिणाम का रूप ले सकते है।

शास्त्रों में बताया गया है कि महादेव को कनेर और कमल धतुरा पुष्प के फूल अर्पित करना चाहिए। इनके अलावा अन्य फूल का प्रयोग ना करें। साथ ही लाल रंग के फूल, केतकी और केवड़े का फूल भी अर्पित नहीं करना चाहिए। इन फूलों का उपयोग करके व्यक्ति को पूजा का फल प्राप्त नहीं होता है।

भगवान शिव की पूजा में कुमकुम और रोली का भी इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इस बात का भी विशेष ध्यान रखें कि शिवलिंग पर जल अर्पित करने के बाद रोली ना चढ़ाएं। ऐसा करने से भगवान शिव नाराज हो सकते हैं। कुमकुम रोली केवल शिवरात्रि के दिन अर्पित करने से दोष नही लगता हिंदू धर्म में हल्दी को बहुत ही पवित्र माना जाता है। लेकिन महादेव की पूजा के दौरान हल्दी का उपयोग बिल्कुल ना करें। ऐसा इसलिए क्योंकि हल्दी को सौंदर्य के साधन के रूप में जाना जाता है, जबकि महादेव अघोरी के रूप में पुरुषत्व का प्रतीक हैं।

ओवरलोड वाहनों से जान को खतरा, जिम्मेदार मौन

नवप्रदेश सुकमा। जिले की सड़कों पर इन दिनों रफ्तार से नहीं, लापरवाही से मौत दौड़ रही है। नियमों की किताब में 4 टन की अनुमति, लेकिन हकीकत में ट्रांसपोर्ट व्हीकल पिकअप पर 15 से 17 टन तक माल लादकर बेधड़क फर्राटा भरा जा रहा है। नतीजा–हर मोड़ पर दुर्घटना का खतरा, हर सफर में जान का जोखिम। हैरानी की बात यह है कि आरटीओ विभाग सब कुछ देखकर भी मूकदर्शक बना बैठा है। जिले के मुख्य मार्गों से लेकर ग्रामीण सड़कों तक ओवरलोड ट्रांसपोर्ट वाहनों का कब्जा है। कमजोर पुल-पुलियाएं हों या संकरी सड़कें हर जगह भारी भरकम वाहन कानून को रौंदते हुए निकल रहे हैं। ब्रेक फेल, टायर फटना, वाहन पलटना अब अपवाद नहीं, नियमित खबर बनती जा रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ओवरलोड वाहनों के कारण सड़कें समय से पहले टूट रही हैं, हादसे बढ़ रहे हैं और आम नागरिकों की जान जोखिम में है। स्कूल जाने वाले बच्चे, बाइक सवार, पैदल यात्री सबसे ज्यादा खतरे में हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब नियम स्पष्ट हैं, तो कार्रवाई शून्य क्यों? बॉक्स - क्या आरटीओ को ओवरलोड नजर नहीं आता, या फिर कुछ देखना हो नहीं चाहता की सुविधा में ढका हुआ है? चेकिंग के नाम पर औपचारिकता और कार्रवाई के नाम पर खामोशी जो आम राहगीरों के लिए काल बन चुकी है। सूत्रों की मानें तो रात के अंधेरे में ओवरलोडिंग अपने चरम पर होती है। बिना तौल, बिना डर, बिना रोक ट्रक निकलते हैं और पीछे छोड़ जाते हैं टूटी सड़कें और सहमा हुआ आमजन।

कागजों में सख्ती, सड़कों पर ढील

सरकार सड़क सुरक्षा के दावे करती है, लेकिन सुकमा में हालात इन दावों पर करारा तमाचा हैं।

यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो सवाल उठना लाज़मी है। अगली दुर्घटना की जिम्मेदारी कौन लेगा? या फिर यूं कहे कि परिवहन विभाग बड़ी कार्यवाही से पहले किसी बड़ी सड़क दुर्घटना के इंतजार में है।

आरटीओ विभाग नींद से जागकर नियमों को जमीन पर उतारता है या फिर सुकमा की सड़कों पर ओवरलोड ट्रक यूँ ही मौत का सामान ढोते रहेंगे।

डिजिटल विज़न से प्रेरित होकर स्वास्थ्य मंत्री ने बनवाया 'आभा' आईडी कार्ड

एमसीबी/ नव प्रदेश। छत्तीसगढ़ के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री माननीय श्याम बिहारी जायसवाल ने डिजिटल स्वास्थ्य विज़न से प्रेरित होकर आज आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट ([illegible]) आईडी कार्ड का निर्माण कराया गया। यह पहल प्रदेश में चलाए जा रहे डिजिटल हेल्थ मिशन को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर माननीय मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने प्रदेश के आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे अधिक से अधिक संख्या में आभा आईडी कार्ड बनवाकर डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ें और इसका अधिकतम लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि आभा आईडी पारदर्शी, सुलभ एवं आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की दिशा में छत्तीसगढ़ का मजबूत आधार बनेगी।

स्व-सहायता समूह की महिलाओं को मुर्गी पालन का दिया गया प्रशिक्षण

महासमुंद / नव प्रदेश। । पिथौरा विकासखंड अंतर्गत पशुपालन विभाग द्वारा ग्राम बगारपाली में स्व-सहायता समूह की महिलाओं के लिए मुर्गियों के वैज्ञानिक पालन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में मुर्गियों के रख-रखाव, टीकाकरण, कृमिनाशक, स्वच्छता तथा संतुलित आहार से संबंधित जानकारियाँ दीं गईं। ये मुर्गियां ज्यादा से ज्यादा अंडा देती है, जिससे ज्यादा लाभ अर्जित किया जा सकता है। कार्यक्रम में जनपद सदस्य नारायण ध्रुव, सरपंच के. आर. ठाकुर शामिल हुए।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ पशु चिकित्सक डॉ. मनोज शुक्ला ने महिलाओं को वैज्ञानिक पद्धति से मुर्गी पालन कर कम लागत में नियमित आय अर्जित करने के उपाय बताए। उन्होंने बीमारियों से बचाव और पोषण प्रबंधन पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर उप संचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. अंजना नायडू ने उपस्थित समूह सदस्यों को शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि स्व-सहायता समूह की महिलाओं को अंडा देने वाली मुर्गी पालन हेतु अनुदान एवं तकनीकी सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी और वे आत्मनिर्भर बन सकेंगी। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को गाय पालन, बकरी पालन एवं बैकयार्ड कुक्कुट पालन जैसी अन्य पशुपालन योजनाओं की जानकारी भी दी गई तथा इनसे जुड़कर महिला सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर डॉ. आर. जी. यादव चल पशु चिकित्सा इकाई, डॉ. दीनानाथ पटेल प्रभारी पशु चिकित्सालय, पिथौरा सहित स्व-सहायता समूह की लगभग 40 महिलाएं उपस्थित रहीं।

सम्मान | **नगर पंचायत अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा ने बलिदान दिवस पर की घोषणा**

शहीद गैद सिंग नायक चौक का होगा निर्माण

नगरी / नव प्रदेश। नगर पंचायत नगरी के वार्ड क्रमांक 14 स्थित गुढ़ियारी तालाब के पास शहीद गैद सिंग नायक जी के नाम से चौक निर्माण एवं उनकी प्रतिमा स्थापना हेतु चबूतरा निर्माण किया जाएगा। यह घोषणा नगर पंचायत अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा ने शहीद गैद सिंग नायक जी के बलिदान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में की गई। कार्यक्रम में शहीद गैद सिंग नायक जी की शहादत को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बलिदान और अंग्रेजों के विरुद्ध किए गए संघर्ष को याद किया गया।

बताया गया कि शहीद गैद सिंग नायक जी ने बिना बंदूक और आधुनिक हथियारों के केवल तीर-कमान और भाले के बल पर अंग्रेजों के खिलाफ आवाज़ बुलंद की तथा समाज को एकजुट कर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा दी। उनके इसी संघर्ष और बलिदान से आज भी समाज को दिशा और प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में नगर पंचायत नगरी के अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा ने अपनी अध्यक्ष निधि से 3 लाख रुपये की राशि शहीद गैद सिंग नायक जी की प्रतिमा स्थापना हेतु चबूतरा निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्य के लिए स्वीकृत करने की घोषणा की। वहीं वार्ड क्रमांक 14 के पार्षद शंकरदेव द्वारा अपनी पार्षद निधि से 2 लाख

रुपये देने की घोषणा की गई।

इसके साथ ही नगर पंचायत अध्यक्ष द्वारा समाजजनों को 10 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण कराए जाने का आश्वासन दिया गया। वहीं सर्व आदिवासी समाज के भवन में 3 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक शौचालय निर्माण की भी घोषणा की गई, जिससे क्षेत्र के लोगों को सुविधा मिल सके।

कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा ने कहा कि हमारे वीर शहीद गैद सिंग नायक जी ने बिना किसी आधुनिक हथियार के अंग्रेजों से संघर्ष किया। आज उनकी पुण्यतिथि पर समाजजनों द्वारा दिखाई गई एकता सराहनीय है। आने वाली पीढ़ियों को उनके बलिदान से परिचित कराने के लिए यह चौक निर्माण और प्रतिमा स्थापना का संकल्प लिया गया है। हर वर्ष उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें इसी प्रकार याद किया जाता रहेगा।÷

कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्रवण मरकाम, सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष उमेश देव, हल्बा समाज के क्षेत्रीय अध्यक्ष उत्तम गौर, जनपद सदस्य शशि ध्रुव, उत्तम मरकाम, श्रीधन सोम, रामलाल श्रीमाली, नरेश सोम दुलेश्वर गौर डोमार सोम रचना चिड़ा शशि कला ध्रुव सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। सभी ने शहीद के बलिदान को नमन करते हुए उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

प्रदेश में धान खरीदी की तारीख बढ़ाएं या किसानों का कर्ज माफ किया जाए : रश्मि

महासमुंद /नव प्रदेश। । पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ. रश्मि चंद्राकर ने धान खरीदी केंद्र जलकी और अचानकपुर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान केंद्रों पर मौजूद किसानों ने खरीदी में व्यवस्था की खामियों से उन्हें अवगत कराया और चेताया कि समय पर धान की खरीदी नहीं होने पर वे गंभीर आर्थिक संकट में फंस जाएंगे। निरीक्षण के बाद डॉ. रश्मि चंद्राकर ने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि जिन किसानों का अब तक टोकन नहीं कटा, रकबा नहीं जुड़ा या पंजीयन संबंधी त्रुटियों के कारण धान नहीं बिक पा रहा है उनकी खरीदी की तारीख

बढ़ाई जाए या किसानों का कर्ज माफ किया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान आवश्यक है। विधानसभा चुनाव के दौरान 'मोदी की गारंटी' का दावा करने वाली भारतीय जनता पार्टी सरकार किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम और सम्मान देने में विफल रही है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि 'धान का कटोरा' कहलाने वाले छत्तीसगढ़ में किसान अपनी ही फसल बेचने के लिए भटकने मजबूर हैं। डॉ. चंद्राकर ने कोरबा और बागबाहरा जैसे क्षेत्रों में किसानों के आत्महत्या के लिए मजबूर होने का हवाला देते हुए सरकारी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने आरोप लगाया कि 3100 प्रति क्विंटल और 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी के वादे जमीनी स्तर पर पूरे नहीं हो रहे। टोकन व्यवस्था, 'टोकन तुंहर हाथ' ऐप और बायोमेट्रिक सर्वर की तकनीकी दिक्कतों ने किसानों को हताश कर दिया है—यह हताशा कई बार घातक कदम की ओर धकेल रही है।

न्यूज गैलरी

मुंगेली के जिला खाद्य अधिकारी हुलेश डड़सेना निलंबित

मुंगेली/नवप्रदेश। धान खरीदी व्यवस्था में अनियमितता एवं लापरवाही को लेकर जिले में पदस्थ जिला खाद्य अधिकारी हुलेश डड़सेना को निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई धान खरीदी के दौरान शासन के निर्देशों और निर्धारित नियमों के उल्लंघन के आरोपों के आधार पर की गई है। छत्तीसगढ़ शासन, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा धान खरीदी व्यवस्था में अनियमितता एवं लापरवाही को लेकर बड़ा कदम उठाया गया है। शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार संबंधित अधिकारी द्वारा धान खरीदी केंद्रों में व्यवस्था में लापरवाही बरतने, खरीदी केन्द्रों का नियमित निरीक्षण नहीं करने, मिलर द्वारा उठाव की निगरानी नहीं करने और उठाव किए गए धान की जांच नहीं करने पर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के तहत निलंबन की कार्रवाई की गई है। निलंबन अवधि के दौरान जिला खाद्य अधिकारी डड़सेना का मुख्यालय नवा रायपुर स्थित खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग कार्यालय निर्धारित किया गया है। साथ ही निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्रदान किया जाएगा।

14 आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए अंतिम मूल्यांकन सूची जारी

एमसीबी/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन महिला एवं बाल विकास विभाग, रायपुर के निर्देशानुसार एकीकृत बाल विकास परियोजना भरतपुर अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया पारदर्शी एवं नियमसम्मत ढंग से अंतिम चरण में पहुँच गई है। यह प्रक्रिया 02 अप्रैल 2008 में निहित नियम 13 (1), (2), (3), (4), (5), (6) के प्रावधानों के तहत संपन्न की जा रही है। परियोजना के अंतर्गत 11 सितंबर 2025 को जारी विज्ञापन के माध्यम से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 05 एवं सहायिका के 35 पदों सहित कुल 40 पदों के लिए पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए थे। आवेदन प्राप्ति के बाद आंगनबाड़ी केंद्र कुदरा से सहायिका पद हेतु केवल एक तथा मनौरा, बनासटोला एवं स्कूलपारा रूसनी से दो-दो आवेदन प्राप्त होने के कारण इन चार केंद्रों के लिए पुनः विज्ञापन जारी किया गया। परियोजना कार्यालय भरतपुर द्वारा प्राप्त आवेदनों का मूल्यांकन समिति के माध्यम से परीक्षण कर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 05 एवं सहायिका के 31 पदों सहित कुल 36 पदों के लिए अनंतिम मूल्यांकन पत्रक - 04 तैयार कर 17 नवंबर 2025 को परियोजना कार्यालय, जनपद पंचायत भरतपुर एवं संबंधित ग्राम पंचायतों के सूचना पटल पर प्रकाशित किया गया था। अनंतिम सूची के प्रकाशन के पश्चात दावा-आपत्ति अंतर्गत कुल 58 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका समिति द्वारा सूक्ष्म परीक्षण कर विधिवत निराकरण किया गया।

धान खरीदी में अनियमितता पर कलेक्टर सख्त, बिना जीपीएस परिवहन और लापरवाह अधिकारियों को नोटिस

सहकारी समिति पहुंचे कलेक्टर, कहा- पारदर्शिता के साथ हो धान की खरीदी

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले में धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिले के विभिन्न धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने गुरुवाइनडबरी खरीदी केंद्र पहुँचकर कुल धान खरीदी, रकबा समर्पण एवं धान के भौतिक सत्यापन आदि के संबंध में जानकारी ली।

इस दौरान बिना जीपीएस युक्त वाहनों से धान परिवहन की शिकायत पर कलेक्टर ने आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केवल जीपीएस युक्त अधिकृत वाहनों से ही धान का परिवहन किया जाए, किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कलेक्टर ने रकबा समर्पण में धीमी प्रगति पाए जाने पर कड़ी नाराज़गी व्यक्त की। साथ ही धान खरीदी से संबंधित संतोषजनक जवाब नहीं देने पर लालपुर तहसीलदार एम.पी. कौशिक, नायब तहसीलदार प्रकाश यादव एवं आर.ए.ई.ओ. नेहा ध्रुव को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों की वास्तविक उपज की पूर्ण रूप से खरीदी सुनिश्चित की जाए। शेष बचे रकबे के दुरुपयोग को रोकने के लिए किसानों से सहमति लेकर रकबा समर्पण कराया जाए। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता एवं सतर्कता के साथ संचालित होनी चाहिए। इसके पश्चात कलेक्टर ने धान खरीदी

केंद्र खुड़िया का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने भौतिक सत्यापन एवं डीओ कटने की स्थिति की समीक्षा करते हुए हमाली के नाम पर किसानों से राशि लेने की शिकायत पर केंद्र प्रभारी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कोचियों एवं बिचौलियों का धान किसी भी स्थिति में न खरीदा जाए। उन्होंने संदिग्ध केंद्रों में भौतिक सत्यापन कराने, उठाव में तेजी लाने, बिना गेट पास के वाहनों का परिवहन रोकने एवं सीसीटीवी से विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने वहां धान विक्रय करने आए किसान जोगीराम से चर्चा कर केन्द्र में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। किसान जोगीराम ने बताया कि धान विक्रय से प्राप्त आय से वे अपने बच्चों को इंजीनियरिंग की शिक्षा दिला रहे हैं तथा इस वर्ष लगभग 09 लाख रुपये का धान विक्रय किया है। कलेक्टर ने किसान की सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया। इस दौरान लोरमी एसडीएम अजीत पुजारी, सहायक आयुक्त सहकारिया हितेश श्रीवास, सीसीबी नोडल संतोष सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

शिकायतों के बावजूद नहीं हो रही कार्रवाई, किसानों में बढ़ा आक्रोश

धान खरीदी केंद्रों में माप से अधिक तौल और मजदूरी राशि की मांग

भरतपुर/ एमसीबी/नवप्रदेश। भरतपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत संचालित धान खरीदी केंद्रों में गंभीर अनियमितताओं की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं, लेकिन इसके बावजूद अब तक जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई है। किसानों का आरोप है कि धान खरीदी के दौरान निर्धारित मानक से अधिक तौल की जा रही है तथा उनसे मजदूरी के नाम पर अवैध रूप से राशि की मांग की जा रही है। जानकारी के अनुसार धान खरीदी केंद्र घुटरा, कछोड़, केल्हारी एवं डोड़की में किसानों को तय मानकों के विरुद्ध प्रति बोरी अधिक धान भरने के लिए मजबूर किया जा रहा है। किसानों का कहना है कि प्रति बोरी 40 किलो के स्थान पर 41 किलो से 41.5 किलो तक धान लिया जा रहा है, जिससे उन्हें प्रत्यक्ष आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसके साथ ही कई किसानों ने यह भी आरोप लगाया है कि धान की उतराई, भराई एवं सिलाई के नाम पर उनसे अतिरिक्त राशि मांगी जा रही है, जबकि शासन के स्पष्ट

निर्देश हैं कि किसानों से किसी भी प्रकार की अतिरिक्त वसूली नहीं की जानी चाहिए।

किसानों की जुबानी, जमीनी हकीकत

केल्हारी धान खरीदी केंद्र में किसान मान सिंह सेमरमाथानी ने बताया कि वे 85 बोरी धान लेकर आए हैं, जिसमें प्रति बोरी 41 किलो 200 ग्राम भरवाया गया। भराई-सिलाई का कार्य उनके घर के लोग और रिश्तेदार कर रहे हैं। वहीं किसान मिठाई लाल, निवासी मनवारी ने बताया कि वे 177 बोरी धान लेकर आए हैं, जिसमें प्रति बोरी 41 किलो भरवाया जा रहा है। तौल मंडी कर्मियों द्वारा की जा रही है और मजदूरी के नाम पर 10 प्रति बोरी की मांग की गई है। डोड़की धान खरीदी केंद्र में किसान मानमती के पुत्र संतलाल ने बताया कि 93 बोरी धान में प्रति बोरी 41 किलो भरवाया जा रहा है। किसान आनंद लाल ने बताया कि वे तीन बार में 120, 100 और 32 बोरी धान लेकर आए हैं, सभी बार 41 किलो प्रति बोरी के हिसाब से तौल की गई। मजदूरी को लेकर कहा गया है कि 'जो कहा जाएगा, वही देना पड़ेगा।' कछोड़ धान खरीदी केंद्र में किसान गोकुल सिंह, निवासी लोहारी ने बताया कि वे 32 क्विंटल धान लेकर आए हैं, जहां 40 किलो 900 ग्राम प्रति बोरी भरवाया जा रहा है। भराई-सिलाई का कार्य उनके स्वयं के 8 मजदूर कर रहे हैं, जिनका भुगतान 250 प्रति मजदूर की दर से कुल 2000 किया जाएगा।

प्रशासन ने यह कहा

इस संबंध में एसडीएम केल्हारी इंद्रा मिश्रा ने कहा कि धान खरीदी का अंतिम समय चल रहा है। संबंधित केंद्रों को नोटिस जारी किए गए हैं और मामले में कार्यवाही अवश्य की जाएगी। हालांकि किसानों का कहना है कि बार-बार शिकायतों और मौखिक आश्वासनों के बावजूद ज़मीनी स्तर पर कोई सुधार नहीं हुआ है, जिससे खरीदी केंद्रों पर मनमानी और लापरवाही लगातार जारी है। किसानों ने मांग की है कि सभी धान खरीदी केंद्रों में तौल मशीनों की तत्काल जांच, सीसीटीवी निगरानी, तथा दोषी कर्मचारियों और ठेकेदारों पर कड़ी दंडात्मक कार्यवाही की जाए, ताकि किसानों को उनका पूरा अधिकार मिल सके।

कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम पर जोर

मुंगेली/नवप्रदेश। महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष अधिनियम 2013 तथा शी-बॉक्स पोर्टल के संबंध में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में अतिरिक्त कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी द्वारा जागरूकता पोस्टर का अनावरण किया गया। एडीएम ने कार्यक्रम के दौरान कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती संजुला शर्मा ने पोस्टर चस्पा कर जिले में अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा कार्यस्थल पर होने वाले लैंगिक उत्पीड़न से महिलाओं की सुरक्षा के लिए शी-बॉक्स पोर्टल प्रारंभ किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से ऐसे सभी शासकीय एवं अशासकीय कार्यालयों/संस्थानों, जहां 10 या उससे अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, में आंतरिक समिति का गठन एवं पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य किया गया है। पीड़ित महिलाएं इस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकती हैं। इस अवसर पर जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी गोपाल लांझी, संरक्षण अधिकारी (नवविहान) सीतामणी कच्छप सहित विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

केल्हारी राशन दुकान निरस्त, 82 क्विंटल चावल गबन की पुष्टि

एमसीबी/नवप्रदेश। केल्हारी ग्राम पंचायत स्थित शासकीय उचित मूल्य राशन दुकान में गरीबों के हक पर वर्षों से चल रही सुनियोजित लूट पर आखिरकार प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए बड़ा एक्शन लिया है। शासकीय जांच में 81.86 क्विंटल चावल सहित शक्कर एवं नमक के बड़े पैमाने पर गबन की पुष्टि होने के बाद शासकीय उचित मूल्य दुकान केल्हारी को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है। साथ ही दुकान को शासकीय उचित मूल्य दुकान केवटी में संलग्न कर दिया गया है।

इस निर्णायक कार्रवाई से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और इसे सार्वजनिक वितरण प्रणाली में भ्रष्टाचार के विरुद्ध बड़ा प्रशासनिक वार माना जा रहा है। यह मामला तब सामने आया जब ग्राम सरपंच केल्हारी सहित संतोष जायसवाल, कुंवर सिंह, अमोनी, अंजू, उमा, सुनीता, सीमा, प्रेमवती, दयावती, राजकुमारी एवं रामकली ने अनुविभागीय दंडाधिकारी केल्हारी को लिखित शिकायत सौंपकर राशन दुकान में गंभीर अनियमितताओं और खाद्यान्न गबन के आरोप लगाए। शिकायत में स्पष्ट किया गया था कि हितग्राहियों को कम राशन वितरित किया जा रहा है और शेष खाद्यान्न का गबन कर हेराफेरी की जा रही है। शिकायत के पश्चात खाद्य निरीक्षक केल्हारी द्वारा किए गए भौतिक सत्यापन में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। अपराजिता स्व-सहायता समूह केल्हारी को आबंटित शासकीय उचित मूल्य दुकान केल्हारी (आईडी-532002005) में चावल 81.86 क्विंटल, शक्कर 1.61 क्विंटल एवं नमक 1.90 क्विंटल की भारी कमी पाई गई। जांच में यह भी प्रमाणित हुआ कि हितग्राहियों को जानबूझकर कम राशन दिया जा रहा था और शेष खाद्यान्न का गबन किया जा रहा था। जांच के दौरान यह भी उजागर हुआ कि राशन विक्रेता राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मुन्ना सिंह स्वयं दुकान पर उपस्थित रहकर वितरण नहीं करता था।

किसानों के साथ वादाखिलाफी नहीं की जाएगी बर्दाश्त: कमरो

एमसीबी/नवप्रदेश। छग की भाजपा सरकार द्वारा किसानों से किए गए वादों से पीछे हटने को लेकर पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी का स्पष्ट वादा किया था, लेकिन अब सरकार उसी वादे से मुकरती नजर आ रही है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग जांजगीर
E-mail ID-res.janjgirchampa.janjgir@gmail.com

// संक्षिप्त ई-निविदा सूचना क्रमांक 19 //

क्रमांक 117/ निविदा/ग्रा.या. सेवा/ 2026 — जांजगीर, दिनांक 21/01/2026

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली से प्रपत्र "ए" में दर्शित निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दर प्राप्त करने ऑनलाईन (Online) ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं -

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा आमंत्रण बार	निविदा कार्यालय में पहुचने की अंतिम तिथि
जिला पंचायत भवन निर्माण कार्य सक्ती, जिला सक्ती (छ.ग.) **टेण्डर नम्बर-184198**	301.32	द्वितीय बार	03.02.2026

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in मे दिनांक 21.01.2026 से दिनांक 31.01.2026 तक देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग जांजगीर
जिला जांजगीर चापा (छ.ग.)

जी- 252606215/6

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स को लेकर मुंगेली में उत्साह

मुंगेली/नवप्रदेश। भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा जिले के युवाओं एवं खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ की मेजबानी में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 14 फरवरी से आयोजित किया जाएगा। इसी कड़ी में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय दाउपारा में 'मशाल गौरव रथ यात्रा' और शुभंकर मोर वीर का उत्साहपूर्ण स्वागत किया गया।

OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER (CIVIL),CSPGCL,
Shed No. 11, Dangania, Raipur-492013
Phone No. 0771-2574562, website www.cspc.co.in E-mail:- civilprojectcmg@gmail.com

No.04-04/W/2142 — Raipur, date 20.01.2026

E-TENDER NOTICE

Online bids are invited through CSPCL e-bidding system (SAP SRM) from contractors registered in appropriate class in CSPGCL in three-part tendering system. The unregistered contractor having experience in Govt./Public Sector Undertaking/Local bodies/Power Generating Companies in India only may be considered on submission of experience certificate for following work as mentioned below:-

Tender Specifi. No.	Name of Work	NIT value
CEC/DSPM-KE/W/2025/176	Miscellaneous civil works to meet out the unforeseen requirement at DSPM-TPS, CSPGCL, Korba East	44.00 Lacs

Note:- (i) The detailed NIT, Tender document & other details can be viewed and downloaded online from our e-bidding portal :50724/irj/portal. (ii) NIT value is inclusive of GST @ 18%.

//Save Electricity// S- Chief Engineer (Civil) CSPGCL, Raipur

गौ विज्ञान परीक्षा का प्रथम चरण सफल जिले से 5740 छात्रों की रही सहभागिता

मुंगेली/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति के निर्देशन में गौ विज्ञान परीक्षा का प्रथम चरण का आयोजन किया गया,गौ विज्ञान परीक्षा' प्रारंभ होने के पहले शाला अध्ययनरत उपस्थित सभी छात्रों को संकल्प (शपथ) दिलाए जिला मे 5740 छात्र सम्मिलित हुएं समस्त गौ विज्ञान परीक्षा सफल रहा 19 जनवरी को छत्तीसगढ़ राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति के निर्देशन में गौ विज्ञान परीक्षा का प्रथम चरण का आयोजन किया गया।

जिला परीक्षा प्रभारी, के द्वारा गाय की स्थिति पर प्रकाश ड़ालते हुए गाय रक्षा करना तथा देशी गाय के दूध दही व घी उपयोग करने की बात कही जिला परीक्षा प्रभारी विकासखंड नोडल रामेश्वर प्रसाद साहू ने गाय पंचागव्य की जानकारी देते हुए गाय के गोबर, गौमूत्र आदि से खाद का उपयोग कर सब्जी व अन्य खाद्य फसल उगाकर खाने के लिए प्रेरित किया। जिले मे 5740 छात्र सम्मिलित हुए 19 जनवरी को छत्तीसगढ़ राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति के निर्देशन में गौ विज्ञान परीक्षा का प्रथम चरण का आयोजन किया गया।

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR

e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
(2nd Call)

NIT NO:- 63/RMC/ZONE 08/2026 — **RAIPUR DATED- 21.01.2026**

Online bids are invited for the following works up to **09.02.2026 at 17:30 hours.**

Sr. No.	System Tender No.	Name of work/ Description of work	Amount of the Estimate	Earnest Money Deposit	Eligible class of	Time allowed for Completion	दर
1	184185	वीर सावरकर नगर वार्ड क्र. 01 स्थित अटारी गौठान के संचालन एवं प्रबंधन का कार्य।	3449250.00	26000.00	भारत सरकार व राज्य सरकार के पंजीकृत स्वयंसेवी संस्थान एवं पंजीकृत एन.जी.ओ.	12 Months	प्रति गौधन/ प्रति दिवस
2	184186	वीर सावरकर नगर वार्ड क्र. 01 स्थित जरवाय गौठान के संचालन एवं प्रबंधन का कार्य।	2759400.00	21000.00	भारत सरकार व राज्य सरकार के पंजीकृत स्वयंसेवी संस्थान एवं पंजीकृत एन.जी.ओ.	12 Months	प्रति गौधन/ प्रति दिवस

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from **21.01.2025** 17.30 Hours (IST) onwards.
For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal-

NOTE :-
1. All eligible@interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System-Help Desk at Toll Free No- 18004199140 or through Email ID helpdesk-eproc@cgswan.gov.in
3. कार्य के लिए निविदा शुल्क देना होगा। कार्य के लिए निविदा शुल्क राशि रु. 1500/- देय डिमांड ड्राफ्ट/बैंकर्स चेक आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से होगा तथा वापसी अयोग्य होगी।

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

ZONE COMMISSIONER
ZONE 08
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

UCO BANK (A Govt. of India Undertaking)
अंचल कार्यालय, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.)
ई-मेल : Email: zoraipur.rec@uco.bank.in

अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी नोटिस

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूतिहित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस।

आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी/प्रभारित है, का **भौतिक/सांकेतिक कब्जा** प्रतिभूत लेनदार यूको बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "जहां है, जैसा है और जो कुछ भी है" के आधार पर **27/02/2026** को 11.00 बजे से दोपहर 3.00 बजे तक बकाया राशि की वसूली के लिए बेचा जाएगा। आरक्षित मूल्य एवं अन्य विवरण नीचे दिए गए हैं। बोली प्रस्तुत करने की अंतिम समय नीलामी **27/02/2026, 3.00 बजे** के पूर्व सुनिश्चित की गई है। **ई-नीलामी की तिथि व समय- 27/02/2026** को सुबह 11.00 बजे से उपरान्ह 4.00 बजे तक प्रत्येक 10 मिनट के असीमित विस्तार के साथ।

क्र. सं.	शाखा का नाम/ संपर्क विवरण	ऋणी एवं गारंटर का नाम	बकाया राशि / कब्जा का प्रकार	मांग सूचना/ कब्जा सूचना तिथि	संपति का विवरण	आरक्षित मूल्य व बयाना राशि
01	Naya Raipur Mr. Nilesh Kumar Mob- 9572735565	श्री मनोज कुमार आचार्य एवं प्रगति आचार्य	₹ 3.15 Lakh	12/03/2025 12/06/2025	संपत्ति का विवरण- खसरा नं. 486/22 (नया 486/50) प.ह.नं. 107/37/50, मौजा- गोगाँव, बाबा किराना स्टोर के पास, 7 साई निवास, विकास नगर, गुढ़ियारी रायपुर, संपत्ति का प्रकार- आवासीय जमीन एवं भवन।	22,16,000/- 2,21,600/- 25,000/-
02	MID CORPORATE Mr. Satish Kumar 9816087857	श्री चन्देश रायपुरा एवं भारती रायपुरा	₹ 21.79 Lakh + ब्याज सांकेतिक कब्जा	01/07/2025 29/09/2025	संपत्ति के स्वामी- श्रीमती भारती रायपुरा एवं श्री चंद्रेश रायपुरा, ख.नं.- 181/2, 181/3, 183, 184, 185, 186, 1119/4, 1120/2, 1120/5, 181/1, 182/1, 182/3, प.ह.नं. 63, चौथी मंजिल, अशोक रतन, ब्लॉक सं. 19, डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड नं. 27, ग्राम- शंकर नगर, आरएनएम- रायपुर-1 रायपुर स्थित फ्लैट नं. 402.	48,75,000/- 4,87,500/- 25000/-
03	Mangla Mr. Varun Mob- 8319986612	श्री दुर्गेशवर प्रसाद शर्मा	₹ 16.21 Lakh + ब्याज सांकेतिक कब्जा	15/05/2025 11/08/2025	संपत्ति के मालिक- श्री दुर्गेशवर प्रसाद शर्मा, संपत्ति का विवरण- अमेरी प.ह.नं. 43 तहसील- तखतपुर, जिला- बिलासपुर डी-216 यदुनंदन नगर, तिफरा, बिलासपुर, प्लॉट एरिया- 960 वर्ग फुट प्लिंथ एरिया- 840 वर्ग फुट में स्थित भूमि व भवन।	20,78,000/- 2,07,800/- 25000/-
04	Mangla Mr. Varun Mob- 8319986612	श्री ज्योतिर्मय रॉय अनिता रॉय एवं टोनिमो घोष	₹ 55.62 Lakh + ब्याज सांकेतिक कब्जा	23/09/2025 09/12/2025	संपत्ति-1, संपत्ति के मालिक- ज्योतिर्मय रॉय पुत्र स्व. लोमेश चंद रॉय, फ्लैट नं.-101 प्रथम मंजिल जे.पी रेजिडेंसी, मौजा- लोरवा, शहीद हेमू नगर, वार्ड नं. 42, बिलासपुर तहसील व जिला- बिलासपुर, फ्लैट एरिया- 1023.66 वर्ग फुट। प्रॉपर्टी का प्रकार- जे.पी रेजिडेंसी में फ्लैट।	Property-1: 42,38,000/- 4,23,800/- 25000/-
					संपत्ति-2, संपत्ति के मालिक- ज्योतिर्मय रॉय पुत्र स्व. लोमेश चंद रॉय एवं अनीता रॉय पत्नी- स्व. लोमेश चंद रॉय, ख. नं. 122/15, प.ह.नं. 43, डोमुहानी, बिलासपुर, सफेद खदान रोड, नगीना स्कूल के बगल में, तहसील व जिला- बिलासपुर, प्लॉट एरिया- 2766 वर्ग फुट निर्मित क्षेत्र- 2732 वर्ग फुट में स्थित भूमि व भवन। प्रॉपर्टी का प्रकार- (G+2) मंजिला भवन।	Property-2: 54,76,000/- 5,47,600/- 25000/-

ई-नीलामी की तिथि एवं समय: 27/02/2026, सुबह 11:00 बजे से शाम 4.00 बजे तक एवं संपत्ति निरीक्षण की तिथि एवं समय: 21/02/2026, दोपहर 1:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक। बिक्री की विस्तृत नियम व शर्तों के लिए, कृपया https://baanknet.com पर दिए गए लिंक को देखें। इसके अलावा, संभावित बोलीदाता अधिक जानकारी के लिए ऊपर बताए गए शाखा प्रमुख से संपर्क कर सकते हैं। बैंक बिना कोई कारण बताए नीलामी प्रक्रिया को स्वीकार/अस्वीकार/रद्द करने का पूरा अधिकार सुरक्षित रखता है और इस संबंध में किसी भी प्रश्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

यह प्रकाशन उपर्युक्त उधारकर्ताओं/गारंटीकर्ताओं/बंधककर्ताओं को 30 दिनों की नोटिस भी है।

दिनांक : 22.01.2026 स्थान : रायपुर (छ.ग.) — प्राधिकृत अधिकारी/यूको बैंक, रायपुर (छ.ग.)

बसंत पंचमी आज: शैक्षणिक संस्थाओं और मंदिरों में होगी मां सरस्वती की पूजा-अर्चना

आज दुर्लभ योगों का संयोग, अबूझ मुहूर्त में होंगे शुभ कार्य, गृह प्रवेश, भूमिपूजन व व्यापार की करेंगे शुरुआत

बिलासपुर/नवप्रदेश। *विद्या की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती का पावन पर्व बसंत पंचमी इस वर्ष 23 जनवरी को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस दिन कुमार, रवि, परिध और शिव योग जैसे कई दुर्लभ एवं शुभ संयोग बन रहे हैं, जिससे पर्व का महत्व और भी बढ़ गया है।*

पंडितों के अनुसार बसंत पंचमी के दिन किए गए कार्य विशेष फलदायी होते हैं। व्यंकटेश मंदिर के महंत डॉ. कौशलेंद्र प्रपन्नाचार्य ने बताया कि पंचमी तिथि 22 जनवरी की देर रात 2:29 बजे प्रारंभ होकर 23 जनवरी की देर रात 1:47 बजे तक रहेगी। इस दौरान मध्याह्न काल में उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र और शिव योग का संयोग रहेगा। ऐसे में यह दिन अबूझ मुहूर्त माना जा रहा है, जिसमें गृह प्रवेश, भूमि पूजन, नौकरी व व्यापार की शुरुआत, वाहन या अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं की खरीदारी अत्यंत शुभ मानी जाती है। बसंत पंचमी पर घरों, मंदिरों और शिक्षण संस्थानों में दिनभर मां सरस्वती की पूजा-अर्चना होगी। संगीत और कला से जुड़े कलाकार अपने वाद्य यंत्रों पर तिलक कर देवी की आराधना करेंगे। पीले वस्त्र धारण करना, पीले रंग का भोजन, चावल-दाल, गुड़ आदि का दान करना विशेष शुभ माना गया है। इधर, बसंत उत्सव के अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ विनोबा नगर द्वारा तीन दिवसीय आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को जीवंत झांकियों के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जो गायत्री शक्तिपीठ से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए पुनः मंदिर परिसर में संपन्न हुई। इस अवसर पर पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के आध्यात्मिक जन्मदिवस का भी आयोजन किया जा रहा है। 22 जनवरी को सूर्योदय से सूर्यास्त तक सामूहिक अखंड गायत्री जप किया गया, जबकि बसंत पंचमी 23 जनवरी को सुबह 8 से 11 बजे तक 9 कुंडीय गायत्री महायज्ञ, मां सरस्वती का विशेष पूजन एवं संस्कार कार्यक्रम होंगे। शाम 6 से 8 बजे तक गायत्री दीप महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। खरमास समाप्त होने के बाद मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो चुकी है। 4 फरवरी से विवाह मुहूर्त भी प्रारंभ होगा। ज्योतिषियों के अनुसार 23 जनवरी को बसंत पंचमी के साथ रवि, परिध और शिव योग होने से सगाई, आभूषण, वस्त्र, पूजा सामग्री और अन्य शुभ वस्तुओं की खरीदारी के लिए यह दिन अत्यंत श्रेष्ठ है।

बसंत पंचमी पर पूजा मुहूर्त

द्रिक पंचांग के अनुसार, बसंत पंचमी हर वर्ष माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाती है। साल 2026 में बसंत पंचमी का पर्व 23 जनवरी, शुक्रवार को मनाया जाएगा। इस पर्व की तिथि की शुरुआत 23 जनवरी यानी शुक्रवार रात में 2 बजकर 33 मिनट पर होगा और तिथि का समापन 24 जनवरी यानी शनिवार रात में 1 बजकर 46 मिनट पर होगा। बसंत पंचमी पर मां सरस्वती की पूजा का मुहूर्त 23 जनवरी को सुबह 7 बजकर 33 मिनट से शुरू होकर दोपहर 12 बजकर 33 मिनट तक रहेगा। आज शुभ का चौघड़िया सूर्योदय से 8.40 तक रहेगा। चर का चौघड़िया 11.19 से 12.38 तक रहेगा, लाभ व अमृत के चौघड़िये क्रमशः 12.38 से 3.17 तक रहेंगे। शुभ का चौघड़िया 4.37 से सूर्यास्त तक रहेगा। इन चौघड़ियों में शुभ कार्य प्रारम्भ किए जा सकते हैं।

■ न्यूज गैलरी

पांच दिवसीय मोटापा व मधुमेह शिविर 24 से

पांच पत्रकारों के लिए नि:शुल्क रहेगा शिविर

बिलासपुर/नवप्रदेश। मोटापा एवं मधुमेह मुक्त शिविर का आयोजन 24 से 29 जनवरी तक मंगला स्थित तुलसी चौपाटी में किया जा रहा है।इस पांच दिवसीय शिविर का उद्घाटन 24 जनवरी को केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू करेंगे। आयोजक लक्ष्मीनारायण अग्रवाल ने बताया कि मधुमेह व मोटापा मुक्त के लिए आवासीय एवं गैर आवासीय शिविर में योग की महत्वपूर्ण क्रिया-छोटी व बड़ी आंत को सफाई कर सक्रिय बनाना। मिलेटस आधारित भोजन पद्धति कोदो, कुटकी, कंगनी, सांवा एवं छोटी कंगनी, 5 प्रकार के पॉजिटिव मिलेट के सेवन से रोग को मुक्त करेंगे। इस शिविर का उदेश्य योग आधारित जीवन शैली,आयुष चिकित्सा को बढ़ावा और कषायम् सेवन करना है। यह कार्यशाला सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक चलेगा जिसमें शामिल आवासीय लोगों को वही पांच दिनों तक रहना पड़ेगा। इस शिविर को सफल बनाने में लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, मोहनीश कौशिक, शरद चंदेल, अजय सूर्यवंशी, अमित चतुर्वेदी, गोविंद तिवारी, अंजू राजपूत, अंकित श्रीवास सहित अन्य लोग जुटे हैं।

यह कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है, पति और उसकी बहनों के खिलाफ एफआईआर निरस्त

घरेलू हिंसा कानून को परेशान करने का जरिया नहीं बनाया जा सकता: हाईकोर्ट

बिलासपुर/नवप्रदेश। *हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने कहा कि, न्यायिक प्रक्रिया का इस्तेमाल किसी को परेशान करने या दबाव बनाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। अगर डोमेस्टिक इंसीडेंट रिपोर्ट अस्पष्ट हो, उसमें ठोस तथ्य न हों और उसे वैवाहिक विवाद या बच्चों की कस्टडी में दबाव बनाने के लिए इस्तेमाल किया गया हो, तो ऐसी कार्यवाही कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग है।*

हाईकोर्ट ने इस आधार पर घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले पर निचली अदालत के आदेश को रद्द कर दिया। दरअसल, उत्तरप्रदेश के बलिया में रहने वाले प्रकाश सिंह और उनकी दो बहनों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में सूरजपुर के जेएमएफसी कोर्ट में घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 के तहत चल रही कार्यवाही को चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि पत्नी अपने बड़े बेटे को अपनी निसंतान बहन को गोद देना चाहती थी। जिस पर पति ने इनकार कर दिया। इसके बाद पत्नी ने घर छोड़ने के साथ ही पति और ससुराल वालों पर दबाव बनाने के लिए कई अलग-अलग अदालतों में केस दर्ज करा दिए। हाईकोर्ट ने पाया कि, 19 अक्टूबर 2022 को तैयार की गई डोमेस्टिक इंसीडेंट रिपोर्ट में घरेलू हिंसा की किसी भी विशिष्ट घटना का विवरण नहीं था। रिपोर्ट में यह स्पष्ट नहीं था कि प्रताड़ना कब हुई, कहां हुई और किसने की। हाईकोर्ट ने कहा कि केवल दहेज की मांग या मानसिक प्रताड़ना जैसे अस्पष्ट शब्दों के आधार पर गंभीर कानूनी कार्यवाही नहीं चलाई जा सकती। साथ ही कहा कि ऐसे मामलों में संरक्षण अधिकारी पर यह जिम्मेदारी होती है कि वह रिपोर्ट में सभी आवश्यक तथ्य दर्ज करे। ऐसा न होना पूरी कार्यवाही को कमजोर बनाता है। डोमेस्टिक इंसीडेंट रिपोर्ट को घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा 9(1)(ड्ड) के तहत अनिवार्य माना गया है।

पति ने कहा- बच्चों की कस्टडी हासिल करना उद्देश्य

पति ने कहा कि ऐसा करने का उद्देश्य सिर्फ बच्चों की कस्टडी हासिल करना और पति को प्रताड़ित करना है। वहीं, पत्नी की ओर से कहा गया कि शादी के बाद से ही उसे दहेज और शारीरिक, मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ी। बच्चों से मिलने-जुलने और देखभाल में भी बाधाएं डाली गईं। उसने यह भी आरोप लगाया कि पति ने बड़े बेटे को जबरन अपने पास रख लिया। इस वजह से उसे घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत मामला दर्ज कराना पड़ा।

उत्कृष्ट कार्य के लिए आरक्षक धर्मेंद्र को मिला विशेष पुरस्कार

■ सीएसपी गगन कुमार ने अपने वेतन से एक हजार नगद देकर बढ़ाया मनोबल

बिलासपुर/नवप्रदेश। थाना तोरवा में पदस्थ आरक्षक धर्मेंद्र साहू को उनके उत्कृष्ट और समर्पित पुलिस कार्य के लिए सम्मानित किया गया। सिटी कोतवाली सीएसपी गगन कुमार द्वारा उन्हें कार्यालय में बुलाकर व्यक्तिगत रूप से 1000 नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। यह राशि सीएसपी ने अपने स्वयं के वेतन से देकर आरक्षक का मनोबल बढ़ाया और बेहतर कार्य के लिए प्रेरित किया। आरक्षक धर्मेंद्र साहू ने बीते समय में उल्लेखनीय कार्य करते हुए करीब 21 गुमशुदा व्यक्तियों को खोजकर उनके परिजनों से मिलाया। इनमें कई मामले दूसरे राज्यों–चेन्नई, पुणे, मुंबई, दिल्ली, बिहार, राजस्थान और उत्तर प्रदेश–से संबंधित थे, जहां जाकर उन्होंने गुम इंसानों का पता लगाया और वापस लाने में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा उन्होंने 18 मामलों में नाबालिग लड़कियों की बरामदगी कर आरोपियों को जेल भिजवाया। वहीं 3 बलात्कार के मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी, 3 मामलों में इलाके में चाकूबाजी करने वाले आरोपियों की धरपकड़ तथा 4 बड़े मामलों में करोड़ों की ठगी करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। सीएसपी ने इस अवसर पर कहा कि पुलिस सेवा में समर्पण और मेहनत करने वाले जवानों को प्रोत्साहन मिलना आवश्यक है। उन्होंने अपील की कि ऐसे उत्कृष्ट कार्य करने वाले आरक्षकों और अधिकारियों को समय-समय पर सम्मानित किया जाना चाहिए।

एसएसपी रजनेश सिंह ने युवाओं को दिया कर्म और यश का संदेश

■ रतनपुर किले में राष्ट्रभक्ति की गूंज

बिलासपुर/नवप्रदेश। 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर ऐतिहासिक रतनपुर किले में आयोजित सशस्त्र बलों की विशेष बैंड प्रस्तुति राष्ट्रभक्ति के साथ प्रेरणा का मंच भी बनी। कार्यक्रम के दौरान एसएसपी बिलासपुर आईपीएस रजनेश सिंह ने युवाओं को कर्म निष्ठा और नैतिक मूल्यों के महत्व का संदेश देते हुए कहा कि सच्ची सफलता सतत प्रयास और ईमानदार कर्तव्य से ही प्राप्त होती है। रक्षा मंत्रालय की पहल के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में सेना नौसेना वायुसेना भारतीय तटरक्षक बल और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के बैंड ने वंदे मातरम, सारे जहां से अच्छा और ऐ मेरे वतन के लोगों जैसी देशभक्ति धुनों की मनोहारी प्रस्तुति दी। ऐतिहासिक किले की प्राचीरों में गूंजती इन धुनों ने वातावरण को राष्ट्रप्रेम से भर दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसएसपी रजनेश सिंह ने भगवद्गीता के श्लोक यशो लभस्व का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि युवा यदि अपने कार्यक्षेत्र में निष्ठा अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें तो कीर्ति और सफलता स्वतः प्राप्त होती है।उन्होंने युवाओं से समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को समझने और जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिक युवा बच्चे और बुजुर्ग उपस्थित रहे। लोगों ने इसे एक यादगार और प्रेरणादायक अनुभव बताया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष सहित प्रशासनिक अधिकारी जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

नई पीढ़ी को इतिहास और राष्ट्र से जोड़ने का प्रयास

कलेक्टर आईएएस संजय अग्रवाल ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को देश के इतिहास और राष्ट्रनिर्माण में सशस्त्र बलों की भूमिका से परिचित कराते हैं और राष्ट्रीय एकता की भावना को सुदृढ़ करते हैं। यह बैंड प्रस्तुति राष्ट्रगीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित की गई। आयोजन का उद्देश्य देश की एकता, बलिदान और सशस्त्र बलों के गौरवशाली योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना रहा।

सुभाषचंद्र बोस जयंती आज

बिलासपुर/नवप्रदेश। अरपापार की सक्रिय सामाजिक संस्था फ्रेंड्स यूथ एसोसिएशन सरकंडा द्वारा 23 जनवरी को स्थानीय सुभाष चौक सरकंडा में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129 वीं जयंती पराक्रम दिवस सुबह 8:30 बजे से मनायी जाएगी। आयोजन के संयोजक डॉ. शंकर यादव एवं सह संयोजक सिकंदर बादशाह ने जानकारी देते हुए कहा कि इस समारोह में प्रत्येक स्कूल के विद्यार्थी प्रभारी शिक्षकों के साथ प्रभात फेरी के रूप में एकत्र होंगे।

अल्फाबेट्ज इंटरनेशनल प्री स्कूल ने वार्षिक उत्सव मनाया

बिलासपुर /नवप्रदेश। अल्फाबेट्ज इंटरनेशनल प्रीस्कूल का वार्षिक उत्सव गरिमामय कार्यक्रम आयोजित कर मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में अतिथि के रूप में नायब तहसीलदार विभोर यादव एवं आर्यावर्त ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री रेखेन्द्र तिवारी एवं स्कूल के डायरेक्टर अभिषेक शर्मा विशेष रूप से मंच पर उपस्थित थे। कार्यक्रम में सर्वप्रथम विद्यालय के संचालक अभिषेक शर्मा एवं सृष्टि शर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए अतिथियों का परिचय उपस्थित अभिभावकों एवं गणमान्य जनों से करवाया। इस अवसर पर नायब तहसीलदार श्री यादव ने विद्यालय के संचालकों शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज विद्यालय के लिए एक खास और यादगार दिन है क्योंकि हम सभी यहां वार्षिक उत्सव मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं यह दिन विद्यालय के सभी शिक्षकों संचालकों एवं छात्र-छात्राओं की कड़ी मेहनत प्रतिभा एवं एकजुटता का प्रतीक है। श्री यादव ने कहा कि आज विद्यार्थियों द्वारा मंच पर जो भी सांस्कृतिक एवं कलात्मक प्रस्तुतियां दी जाएगी वह विद्यालय के अनुशासन एवं समर्पण की भावनाओं एवं मूल्यों को भी प्रदर्शित करेंगी। इस अवसर पर आर्यावर्त ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री रेखेन्द्र तिवारी ने कहा कि आज हम सभी यहां विद्यालय के वार्षिक उत्सव के शुभ अवसर पर एकत्रित हुए हैं यह दिन हम सभी के लिए गर्व खुशी और विद्यालय की गौरवशाली उपलब्धियों को प्रदर्शित करने का एक सुनहरा अवसर है यह सिर्फ एक उत्सव नहीं बल्कि पूरे वर्ष की सफलताओं और उपलब्धियो का पर्व है शैक्षणिक उपलब्धियो से लेकर खेल के मैदान तक विद्यालय के छात्रों ने कई मील के पत्थर पार किए हैं।

धोखाधड़ी कर जमीन बेचने वाला फरार आरोपी गिरफ्तार

आठ महीने बाद सरकंडा पुलिस को मिली सफलता

बिलासपुर/नवप्रदेश। शासकीय घास भूमि को अपना बताकर अपने साथियों के साथ मिलकर बिक्री करने वाले आरोपी को सरकंडा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने शासकीय भूमि का कूटरचित दस्तावेज तैयार कर आरोपी ने कई लोगों को बिक्री कर ठगी किया। आरोपी 8 माह से फरार था। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस के अनुसार मोह. आजम खान पिता स्व. असलम खान उम्र 47 वर्ष निवासी विकास नगर कुसमुण्डा जिला कोरबा का 26 मई 2025 को रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह ग्राम खमतराई प.ह.नं. 17/25 खसरा नं. 559/1/थ/6 में से रकबा 1500 वर्गफिट को नदीम अहमद के माध्यम से मूलभूत स्वामी विश्वनाथ राय से 1875000/-रू. में वर्ष 2022 में क्रय किया था, जिसका पंजीयन बाद भूमि का नामांतरण कराने हेतु आवेदन देने पर तहसील कार्यालय से उक्त भूमि को छोटे बड़े झाड़ के मध्य जंगल के मध्य में शासकीय भूमि दर्ज होना एवं बिना कलेक्टर के अनुमति के खरीदी बिक्री नहीं किया जा सकता है कहते हुये नामंतरण निरस्त कर दिया गया। प्रकरण की विवेचना दौरान आरोपी नदीम अहमद, श्रेयांश कौशिक एवं विश्वनाथ राय का पतासाजी किया जा रहा था, कि आज 21 जनवरी को सूचना मिला कि आरोपी नदीम अहमद अपने सकुनत पर आया हुआ है। उक्त सूचना के संबंध में पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह को अवगत कराया गया जिनके द्वारा आरोपी को तत्काल गिरफ्तार करने निर्देशित किया गया। जिसके परिपालन में थाना प्रभारी सरकण्डा निरी. प्रदीप आर्य के नेतृत्व में टीम तैयार कर आरोपी नदीम अहमद के सकुनत पर घेराबंदी कर पकड़ा गया जिससे घटना के संबंध में पूछताछ करने पर घटना कारित करना स्वीकार किया जिसे विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

बिलासपुर/नवप्रदेश। भाजपा को नई ऊँचाइयां प्रदान करने के लिए राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पित नितिन नबीन को भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर बिहार निवास, दिल्ली में आत्मीय भेंट कर क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी ने बधाई दीं।

आयोजन

मझगांव प्रीमियर लीग के समापन पर उमड़ा जनसैलाब

मंत्री तोखन साहू ने 31 हजार रुपये के इनाम के साथ दी विकास की गारंटी

करगीरोड (कोटा)/नवप्रदेश। *ग्रामीण प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित 'मझगांव प्रीमियर लीग' का भव्य समापन हुआ। इस गौरवशाली अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बिलासपुर सांसद एवं केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू शामिल हुए। यह पहली बार था जब इस दुर्गम जनजातीय क्षेत्र में कोई केंद्रीय मंत्री ग्रामीणों के बीच पहुँचा, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल रहा।*

इस प्रतियोगिता ने क्षेत्रीय सीमाएं तोड़कर एकता की मिसाल पेश की। इसमें कोटा विधानसभा की 15 ग्राम पंचायतों और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले की 15 ग्राम पंचायतों की कुल 30 टीमों ने हिस्सा लिया। समापन के अवसर पर केंद्रीय मंत्री तोखन साहू ने खेल भावना की सराहना करते हुए विजेता टीम (ग्राम केन्दा) को स्वयं अपने हाथों से 31,000 की प्रथम पुरस्कार राशि और ट्रॉफी भेंट की। इसके साथ ही उन्होंने मझगांव गांव के विकास के लिए 5 लाख देने की महत्वपूर्ण घोषणा भी की। केन्दा से मझगवा तक नागरिकों ने मंत्री जी का पलक-पावड़े बिछाकर स्वागत किया। स्थानीय जनजातीय कलाकार रवि पैकरा ने मंत्री की एक शानदार पेंटिंग बनाई थी, जसे उन्होंने स्वयं मंत्री जी को भेंट की। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष मोहित जायसवाल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण चौहान, निरंजन पैकरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा, उपेन्द्र बहादुर, स्वामी कृष्णा पन्नाचार्य, लखन पैकरा, मनोज गुप्ता, गोलू राठौड़, गजानंद श्रीवास और रवि पैकरा सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण और खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

खिलाड़ियों के साथ हमेशा खड़े हैं प्रधानमंत्री मोदी

खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए तोखन साहू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खेल प्रेम का भावुक उदाहरण दिया। श्री साहू ने कहा कि 'आज देश का खिलाड़ी अकेला नहीं है। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए स्वयं उनसे जाकर मिलते हैं और जीत की बधाई देते हैं। जब कोई खिलाड़ी पदक जीतता है, तो प्रधानमंत्री स्वयं फोन कर बात करते हैं और उनका मनोबल बढ़ाते हैं। खेल में हार-जीत से ज्यादा महत्वपूर्ण है कि आपने मैदान में क्या सीखा।'

सऊदी अरब का नया मास्टरपीस
अरामको स्टेडियम

सऊदी विजन-2030 की ओर एक बड़ा कदम

अल खोबर। सऊदी अरब के अल खोबर शहर में निर्माणाधीन अरामको स्टेडियम देश के सबसे महत्वाकांक्षी खेल प्रोजेक्ट्स में से एक है। यह स्टेडियम विशेष रूप से सऊदी अरब के 'विजन 2030' के तहत बनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य देश को वैश्विक खेल मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करना है। समुद्री लहरों और भंवर से प्रेरित इसकी अनूठी वास्तुकला इसे दुनिया के अन्य स्टेडियमों से अलग बनाती है। लगभग 47,000 दर्शकों की क्षमता वाला यह स्टेडियम पूरी तरह से अत्याधुनिक कूलिंग सिस्टम (Air Conditioning) से लैस होगा, ताकि सऊदी अरब की भीषण गर्मी में भी मैचों का आनंद लिया जा सके। सुविधाओं के मामले में यह स्टेडियम किसी अंतरराष्ट्रीय मानक से कम नहीं है; इसमें वीआईपी लाउंज, अत्याधुनिक मीडिया सेंटर और खिलाड़ियों के लिए वर्ल्ड-क्लास ट्रेनिंग सुविधाएं मौजूद होंगी। इसका निर्माण कार्य काफी तेजी से चल रहा है और लक्ष्य रखा गया है कि यह 2026 के अंत तक पूरी तरह बनकर तैयार हो जाए। इस स्टेडियम का मुख्य आकर्षण 2027 एएफसी एशियन कप होगा, जिसके लिए यह एक प्रमुख वेन्यू के रूप में काम करेगा। साथ ही, यह 2034 फीफा वर्ल्ड कप की मेजबानी के लिए भी सऊदी अरब की तैयारियों का एक अहम हिस्सा है। बनने के बाद यह न केवल फुटबॉल प्रेमियों के लिए स्वर्ग होगा, बल्कि अल खोबर के पर्यटन और अर्थव्यवस्था को भी एक नई दिशा देगा।

अमित शाह ने किया 250 बेड वाले क्रिटिकल केयर अस्पताल का उद्घाटन

आधुनिक सुविधाओं से लैस 250 बेड का अस्पताल

यह 250 बेड वाला अत्याधुनिक अस्पताल विशेष रूप से आपातकालीन स्थितियों और गंभीर रोगों के इलाज को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। अस्पताल में अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण, विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे हरिद्वार और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेहतर और समय पर इलाज मिल सकेगा।

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को हरिद्वार में पतंजलि योगपीठ का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पतंजलि इमरजेंसी एंड क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल का उद्घाटन किया, जो आपातकालीन और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को त्वरित और उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराएगा। अस्पताल के उद्घाटन समारोह में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, जनकल्याणकारी योजनाओं और आयुर्वेद के साथ आधुनिक चिकित्सा पद्धति के समन्वय जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बीएमसी की मेयर महिला ही होगी भाजपा-शिवसेना तय करेंगे नाम

❒ महाराष्ट्र निकाय चुनाव: लाटरी से तय हुआ आरक्षण

मुंबई। बीएमसी में मेयर पद महिला को ही मिलेगा। ये साफ हो चुका है। महाराष्ट्र में निकाय चुनाव से जुड़े इस बड़े अपडेट के मुताबिक भाजपा-शिवसेना मिलकर महापौर का नाम तय करेंगे। बीएमसी के अलावा नवी मुंबई में भी महापौर पद महिला को मिलेगा, जबकि ठाणे में मेयर अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग से बनेगा। शहरी विकास विभाग ने गुरुवार को लॉटरी के जरिए आरक्षण तय किया, जिसके आधार पर बीएमसी मेयर पद पर महिला की ताजपोशी होगी।

क्या है लॉटरी सिस्टम?

महाराष्ट्र सरकार के शहरी विकास विभाग ने गुरुवार को एक लॉटरी व्यवस्था के तहत विभिन्न नगर पालिकाओं के लिए आरक्षण व्यवस्था तय की। शहरी निकाय के नियमों के तहत बीएमसी समेत सभी नगर पालिकाओं में मेयर पद अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग और महिलाओं को रोटेशन प्रणाली के आधार पर दिया जाता है। हालांकि यह आरक्षण व्यवस्था पहले से तय नहीं होती और इसके लिए लॉटरी सिस्टम बनाया गया है। जब तक यह लॉटरी नहीं निकाली जाती, तब तक राजनीतिक पार्टियां मेयर पद के लिए उम्मीदवारों को नाम का एलान नहीं कर सकतीं। संविधान के 74वें संशोधन के बाद नगर निकाय में नेतृत्व के लिए सामाजिक प्रतिनिधित्व का उल्लेख किया गया है। यह लॉटरी व्यवस्था मेयर चुनाव की प्रक्रिया को निष्पक्ष रखने के लिए की गई है।

ओपन कैटेगरी में भाजपा के पास 31 पार्षद हैं, जबकि शिवसेना यूबीटी के 20 पार्षद ओपन कैटेगरी के हैं।

लॉटरी प्रक्रिया पर शिवसेना यूबीटी ने उठाए सवाल

इस बार की लॉटरी प्रक्रिया का शिवसेना यूबीटी की नेता और मुंबई की पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर ने विरोध किया है। उन्होंने कहा कि पिछले दो मेयर जनरल कैटेगरी के थे, इसलिए नए मेयर को अन्य पिछड़ा वर्ग या अनुसूचित जनजाति (एसटी) कैटेगरी का होना चाहिए था। पेडनेकर ने कहा, 'हम लॉटरी की प्रक्रिया जिस तरह से की गई, उसकी निंदा करते हैं।'

शंकराचार्य को एक और नोटिस मेला प्रशासन की सख्त चेतावनी

प्रयागराज। प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को दूसरा नोटिस जारी किया है। इसमें चेतावनी दी गई है कि मौनी अमावस्या पर भगदड़ की स्थिति उत्पन्न करने के प्रयास में क्यों न मेला क्षेत्र में उनका प्रवेश हमेशा के लिए प्रतिबंधित कर दिया जाए। इसके लिए उन्हें 18 जनवरी को नोटिस जारी किया गया है और 24 घंटे में ही जवाब मांगा गया था। यह नोटिस अविमुक्तेश्वरानंद के शिविर के पीछे वाले हिस्से पर चस्पा मिला। इस नोटिस की जानकारी तब हुई जब मेला प्रशासन के कर्मचारियों ने शिविर में आकर इसकी जानकारी दी। जब तक शंकराचार्य को इसकी जानकारी हुई तब तक तीन दिन बीत चुके थे। यह नोटिस अधिकृत हस्ताक्षरी के नाम से जारी किया गया है।

क्या लिखा है नोटिस में

प्रयागराज मेला प्राधिकरण के अधिकृत हस्ताक्षरी के माध्यम से जारी किए गए नोटिस में लिखा है- स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती, बद्रिकाश्रम हिमालय सेवा शिविर माघ मेला। 18 जनवरी को मौनी अमावस्या के पावन पर्व पर आपात परिस्थितियों के लिए आरक्षित त्रिवेणी पांटून पुल नंबर दो लगे बैरियर को तोड़ते हुए संगम अपर मार्ग से बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बग्घी पर होकर आप द्वारा भीड़ के साथ जाया जा रहा था। जबकि मेला पुलिस और प्रशासन द्वारा संगम क्षेत्र में किसी प्रकार के वाहन न ले जाने की उद्घोषणा बार-बार ध्वनि विस्तारक यंत्र और वायरलेस सेट से की जा रही थी। इस समय स्नानार्थियों की काफी भीड़ थी। केवल पैदल आवागमन अनुमन्य था।

रामलला को भेंट किया गया भव्य 'स्वर्ण कोदंड'

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या स्थित भव्य राम मंदिर में विराजमान रामलला को भव्य 'स्वर्ण कोदंड' भेंट किया गया है। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को दो वर्ष पूरे हो गए हैं। प्राण-प्रतिष्ठा के बाद से राम मंदिर में देशभर से श्रद्धालुओं की ओर से अनुपम उपहार भेंट किए जा रहे हैं। तीसरे वर्ष की शुरुआत में बृहस्पतिवार को रामलला के लिए एक और ऐतिहासिक और अद्वितीय भेंट 'स्वर्ण कोदंड' रामनगरी लाई गई है। भव्य धनुष 'स्वर्ण कोदंड' पहले कारसेवकपुरम में रखा गया, फिर राम मंदिर ट्रस्ट को सौंप दिया गया। यह अनमोल भेंट पंचधातु से बना है। इसका वजन 286 किलोग्राम है। ओडिशा के राउरकेला से तीन जनवरी 2026 को इस कोदंड की भव्य शोभायात्रा अयोध्या के लिए रवाना हुई थी। शोभायात्रा सनातन जागरण मंच की ओर से आयोजित की गई। यह शोभायात्रा ओडिशा के सभी 30 जिलों से होकर गुजरी। 19 जनवरी को पुरी में भगवान जगन्नाथ के दर्शन-पूजन के बाद आगे बढ़ी। 22 जनवरी को प्राण-प्रतिष्ठा की तिथि के पावन संयोग पर यह कोदंड अयोध्या पहुंचा। यहां रामलला को समर्पित किया गया। पंचधातु से बने इस कोदंड में सोना, चांदी, तांबा, जस्ता और लोहे का प्रयोग हुआ है।

राज्यपाल गहलोत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जा सकते हैं सीएम सिद्धारमैया

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत पर संविधान उल्लंघन का गंभीर आरोप लगाया है। सिद्धारमैया ने कहा कि राज्यपाल ने सरकार द्वारा तैयार पूरा भाषण नहीं पढ़ा, जो संविधान के खिलाफ है। बंगलूरू में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यपाल ने केंद्र सरकार के कठपुतली की तरह व्यवहार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यपाल ने संविधान के अनुसार अपने कर्तव्यों का निर्वहन नहीं किया है। सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि हम राज्यपाल के इस रवैये के खिलाफ विरोध करेंगे। सरकार इस बात की जांच करेगी कि क्या राज्यपाल के आचरण को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया जाए। दरअसल राज्यपाल विधानसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित करने पहुंचे तो लेकिन उन्होंने पूरा भाषण नहीं पढ़ा और सिर्फ दो लाइनें पढ़कर सदन से चले गए। इसके बाद विधायकों ने हंगामा कर दिया और नारेबाजी की।

आर्थिक ताकत काफी नहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सैन्य शक्ति जरूरी : वायुसेना प्रमुख

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि केवल आर्थिक शक्ति किसी देश की संप्रभुता की रक्षा नहीं कर सकती, मजबूत सैन्य क्षमता भी जरूरी है। उन्होंने वेनेजुएला और इराक के उदाहरण देते हुए यह बात कही। दिल्ली में सेंटर फॉर एयरोस्पेस पावर एंड स्ट्रैटेजिक स्टडीज की ओर से आयोजित 22वें सुब्रतो मुखर्जी सेमिनार को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि आर्थिक रूप से मजबूत होने के बावजूद यदि सैन्य शक्ति कमजोर हो, तो देश को अधीनता का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि एक समय भारत-चीन मिलकर दुनिया की जीडीपी का बड़ा हिस्सा नियंत्रित करते थे, फिर भी सैन्य कमजोरी के कारण उपनिवेश बनना पड़ा। एयर चीफमार्शल सिंह ने कहा, राष्ट्रीय शक्ति का अंतिम निर्धारक सैन्य क्षमता होती है। आर्थिक रूप से सक्षम होना पर्याप्त नहीं, सुरक्षा के लिए मजबूत सेना और उसे इस्तेमाल करने की इच्छाशक्ति जरूरी है। उन्होंने हालिया घटनाक्रम का जिक्र करते हुए बताया कि 3 जनवरी को अमेरिकी कार्रवाई के बाद वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी हुई, जबकि इराक पर 2003 में अमेरिकी नेतृत्व वाले गठबंधन ने हथियारों के आधार पर हमला किया था, जिससे वहां की सत्ता बदल गई।

खेल, व्यापार एवं मनोरंजन

सोना-चांदी की रिकॉर्ड तेजी पर ब्रेक, दावोस में ट्रंप के भाषण के बाद नरम भाव

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमती धातुओं की रिकॉर्ड तोड़ रैली पर गुरुवार को अचानक ब्रेक लग गया। दावोस में विश्व आर्थिक मंच की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भाषण के बाद ग्रीनलैंड को लेकर जारी भू-राजनीतिक तनाव कम होने के संकेतों और डॉलर में लौटी मजबूती के चलते निवेशकों ने सुरक्षित निवेश से कदम पीछे खींच लिए हैं। पूरी दुनिया में हुई इस बिकवाली का सीधा असर भारतीय बाजारों पर भी देखने को मिला। 22 जनवरी 2026 को गोल्ड और सिल्वर एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स में भी भारी गिरावट दर्ज की गई और ये 15% तक फिसल गए। तीन दिनों की लगातार तेजी के बाद सोने और चांदी की कीमतों में यह करेक्शन बाजार के सेंटिमेंट में आए बदलाव को दर्शाता है। तीन दिन की तेजी के बाद सोना करीब एक प्रतिशत तक फिसला, जबकि चांदी भी रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे आई। स्पॉट गोल्ड 0.8% गिरकर 4,799.79 डॉलर प्रति औंस पर आ गया, जबकि पिछले सत्र में यह 4,887.82 डॉलर के ऑल-टाइम हाई पर पहुंचा था। फरवरी डिलीवरी के लिए अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स 0.6% गिरकर 4,806.60 डॉलर प्रति औंस रहे। वहीं स्पॉट सिल्वर 0.9% की गिरावट के साथ 92.38 डॉलर प्रति औंस पर आ गई।

हरे निशान पर खुला बाजार, सेंसेक्स 774 अंक चढ़ा, निफ्टी 25300 के पार

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को हरे निशान पर खुला। भू-राजनीतिक व्यापार तनाव में कमी के बाद वैश्विक भावना में सुधार होने और निवेशकों के मनोबल को बढ़ाने के कारण सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, सेवा और ऑटो शेयरों में बढ़त के चलते गुरुवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में 1 प्रतिशत की उछाल आई। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 774.04 अंक या 0.94 प्रतिशत चढ़कर 82,683.67 पर पहुंच गया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन: जोकोविच, मुसेटी और शेल्टन की आसान जीत

नई दिल्ली। पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 नोवाक जोकोविच, लोरेंजो मुसेटी और बेन शेल्टन सभी ने सीज़न के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के पांचवें दिन अपने दूसरे राउंड के मैच में आसान सीधे सेटों में जीत हासिल की। जहां जोकोविच ने रोड लेवर एरिना में क्वालिफायर फ्रांसेस्को मेस्ट्रेली को 6-3, 6-2, 6-2 से हराया, वहीं मुसेटी ने मार्गरेट कोर्ट एरिना में शुरुआती सेशन में लोरेंजो सोनेगो को 6-3, 6-3, 6-4 से हराया। शेल्टन, जो डेन स्वीनी नाम के एक क्वालिफायर का सामना कर रहे थे, ने जॉन केन एरिना में जोकोविच के समान स्कोरलाइन के साथ जीत दर्ज की। 10 बार के चैंपियन जोकोविच ने अपने इतालवी प्रतिद्वंद्वी को 2 घंटे और 15 मिनट में हराया, पूरे मैच में कुशल मूवमेंट और साफ बॉल स्ट्राइक दिखाए, जो टूर्नामेंट की शुरुआत में अच्छी फॉर्म का संकेत देता है। सर्बियाई खिलाड़ी अब ग्रैंड स्लैम स्तर पर 400 करियर जीत हासिल करने से सिर्फ एक जीत दूर है। अगले राउंड में बोटिक वैन डी ज़ैंड्सचल्प या शांग जुन्चेंग में से किसी एक के खिलाफ जीत उन्हें यह मील का पत्थर हासिल करने वाला इतिहास का पहला खिलाड़ी बना देगी। जहां वैन डी ज़ैंड्सचल्प ने पिछले साल इंडियन वेल्स में ATP मास्टर्स 1000 इवेंट में जोकोविच को चौंका दिया था, वहीं जोकोविच का अभी तक शांग से सामना नहीं हुआ है।

खोसला का घोसला-2' के ऐलान से चर्चा में अनुपम खेर

मुंबई। अभिनेता अनुपम खेर अपनी अपकमिंग फिल्म 'खोसला का घोसला 2' को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने जानकारी दी है कि इस फिल्म का लगभग 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। उन्होंने फिल्म की बीटीएस तस्वीरें भी शेयर की थीं। अब उन्होंने फिल्म की घोषणा होने पर मिले रिस्पॉन्स पर बात की है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा है?

अनुपम खेर ने एएनआई से बातचीत में बताया 'मुझे नहीं पता था कि इस फिल्म से लोग इतना जुड़े हुए हैं। मैंने जैसे ही सोशल मीडिया पर इसका एलान किया तो पूरी दुनिया के लोग इस पर खुश हो गए। मैंने किसी भी फिल्म के लिए इतना उत्साह नहीं देखा। इसने भारतीय सिनेमा के एक खास तरह के क्लच को तोड़ा और बहुत मशहूर हो गई। यकीनन इस फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स मिलेगा और इसे देखना दिलचस्प होगा। फिल्म इसी साल रिलीज होगी।' एक्टर ने हाल ही में फिल्म 'खोसला का घोसला 2' की शूटिंग खत्म होने की घोषणा की। खेर ने फिल्म के सेट की झलकियां दिखाते हुए एक वीडियो शेयर किया, जिसमें एक्टर अपने पसंदीदा किरदार 'खोसला' के रूप में नजर आए।

सुंदर सी की अगली फिल्म का टाइटल है 'पुरुषन'

मुंबई। अभिनेता विशाल, तमन्ना भाटिया और निर्देशक सुंदर सी फिर से एक साथ काम करने जा रहे हैं। उनकी नई फिल्म का नाम 'पुरुषन' है। बुधवार को इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा हुई और साथ ही धमाकेदार एक्शन के साथ टीजर भी जारी किया गया। 'पुरुषन' फिल्म की कहानी एक्शन से भरपूर है, जैसा की टीजर में दिखाया गया है। एक्टर विशाल का रोल एक शांत और आज्ञाकारी पति का है, जो घर में सारा काम करता है। लेकिन उसके अंदर एक छिपा हुआ हिंसक और एक्शन वाला इंसान है, जिसके बारे में उसकी दबंग पत्नी (तमन्ना) को शायद पता नहीं है। टीजर में दिखाया गया है कि वह घर की रसोई में ही गुंडों से लड़ता है। फिल्म 'पुरुषन' का निर्माण एसीएस अरुण कुमार ने बेन्ज मीडिया के तहत किया है। इसमें खुशबू सुंदर भी शामिल हैं।

न्यूज गैलरी

आंध्र एसोसिएशन का संक्रांति मिलन कल

रायपुर/नवप्रदेश। आंध्र एसोसिएशन रायपुर द्वारा 24 जनवरी को शाम 6 बजे श्री बालाजी विद्या मंदिर, सेक्टर - 2, देवेंद्र नगर रायपुर में पारंपरिक तरीके से संक्रांति मिलन का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में इंडियन आइडल सीजन 12 की मशहूर गायिका सुश्री शिरीषा भगवतुल और तेलुगु आइडल सीजन 2 की विजेता सुश्री सौजन्या भगवतुल अपने गीतों के साथ संगीतमय प्रस्तुति देंगी। साथ ही अन्य खूबसूरत प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी। इस कार्यक्रम में न केवल राजधानी शहर की बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ से प्रतिष्ठित हस्तियों की भारी भीड़ जुटने की उम्मीद है।

पारदर्शी धान खरीदी से किसानों को राहत, मजबूत हो रही ग्रामीण अर्थव्यवस्था

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत धान खरीदी

कार्य को सुचारू, पारदर्शी एवं किसान-हितैषी बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। प्रदेश के साथ-साथ जशपुर जिले में भी सभी धान खरीदी केंद्रों पर शासन के निर्देशानुसार व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, जिससे किसान बिना किसी परेशानी के अपनी उपज का विक्रय कर पा रहे हैं। जशपुर जिले के कुनकुरी विकासखंड स्थित धान खरीदी केंद्र में ग्राम घटमुंडा निवासी कृषक श्री विजय प्रताप ने धान विक्रय के अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि केंद्र में उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने कहा कि साफ-सुथरी व्यवस्था, पर्याप्त मात्रा में बारदाना और समय पर धान की तौल होने से पूरा कार्य सरल और सुविधाजनक रहा। कृषक श्री विजय प्रताप ने बताया कि धान खरीदी केंद्र के कर्मचारियों का व्यवहार सहयोगात्मक है और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संचालित की जा रही है। इससे किसानों का समय बच रहा है और उन्हें अनावश्यक परेशानियों से राहत मिल रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान राज्य सरकार किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सुदृढ़ धान खरीदी व्यवस्था से किसानों का आत्मविश्वास बढ़ा है और इसका सकारात्मक प्रभाव ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

'मॉडल यूथ ग्राम सभा' में ईएमआरएस कोसमबुड़ा ने हासिल किया प्रथम स्थान

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के लिए बड़े गौरव के क्षण में, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, कोसमबुड़ा ने अपनी तरह की पहली 'मॉडल यूथ ग्राम सभा' प्रतियोगिता में राष्ट्रीय विजेता बनकर उभरने का गौरव प्राप्त किया है। पंचायती राज मंत्रालय आगामी 28 जनवरी 2026 को नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में छत्तीसगढ़ की इस विजेता टीम को औपचारिक रूप से सम्मानित करेगा। छत्तीसगढ़ की जनजातीय शिक्षा प्रणाली की बड़ी जीत देश भर के 800 से अधिक स्कूलों के प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए, ईएमआरएस कोसमबुड़ा के छात्रों ने ग्रामीण शासन की असाधारण समझ का प्रदर्शन किया। 30 अक्टूबर 2025 को जनजातीय कार्य मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य युवाओं को मॉक ग्राम सभा सत्रों के माध्यम से जमीनी समस्याओं के समाधान के लिए प्रेरित करना था। छत्तीसगढ़ का शीर्ष स्थान यह दर्शाता है कि राज्य ने अपनी जनजातीय आवासीय स्कूल प्रणाली के भीतर लोकतांत्रिक मूल्यों को कितनी मजबूती से आत्मसात किया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए ईएमआरएस कोसमबुड़ा के प्राचार्य, डॉ. कमलाकांत यादव ने कहा: 'मॉडल यूथ ग्राम सभा पहल में हमारे विद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान मिलना हर्ष का विषय है। यह सफलता हमारे विद्यार्थियों के कड़े परिश्रम और ग्रामीण विकास से जुड़ी समस्याओं के प्रति उनकी गहरी समझ को दर्शाती है। पंचायती राज मंत्रालय और केंद्र सरकार की यह दूरदर्शी पहल छात्रों को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और सहभागी शासन से जोड़ने का एक प्रभावी मंच है। इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को जमीनी स्तर पर निर्णय लेने की प्रक्रिया को करीब से समझने का अवसर मिला है। हम आगामी 28 जनवरी को नई दिल्ली में होने वाले सम्मान समारोह में सहभागिता को लेकर उत्साहित हैं।' युवा सहभागिता के लिए दूरदर्शी पहल 'मॉडल यूथ ग्राम सभा' को 30 अक्टूबर 2025 को लॉन्च किया गया था।

एक अभ्यर्थी और कई जिलों में चयन, सवालों के घेरे में आरक्षक भर्ती प्रक्रिया

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में चल रही आरक्षक भर्ती प्रक्रिया के दौरान एक बड़ी प्रशासनिक चूक सामने आई है। पुलिस विभाग द्वारा शुरू की गई छह हजार पदों की भर्ती में लगभग 1500 पद खाली रह गए हैं। बताया जा रहा है कि यह स्थिति भर्ती व्यवस्था में अपनाए गए कॉमन टेस्ट और कॉमन कोड सिस्टम की वजह से बनी है। जानकारी के अनुसार, पुलिस मुख्यालय ने राज्य के अलग-अलग जिलों के लिए आरक्षक भर्ती निकाली थी, लेकिन आवेदन प्रक्रिया के दौरान सभी जिलों के लिए एक ही कॉमन कोड जारी कर दिया गया। इस कारण कई अभ्यर्थियों ने एक से अधिक जिलों में एक साथ आवेदन कर दिया। जब शारीरिक परीक्षा और अन्य चरण पूरे होने के बाद मेरिट सूची जारी हुई, तो कई उम्मीदवारों के नाम एक से ज्यादा जिलों की सूची में शामिल हो गए। ऐसे में जब किसी अभ्यर्थी ने एक जिले में ज्वाइनिंग कर ली, तो बाकी जिलों में उसी अभ्यर्थी से जुड़ी सीटें खाली रह गईं। इसी वजह से कुल छह हजार पदों में से करीब 1500 पदों पर नियुक्ति नहीं हो सकी। पुलिस मुख्यालय से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, फिलहाल लगभग 1700 चयनित अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण शुरू किया जा चुका है। प्रशिक्षण के बाद दस्तावेजों के सत्यापन और अंतिम प्रक्रिया पूरी होने पर यह साफ हो पाएगा कि किस जिले में कितने पद रिक्त रह गए हैं। भर्ती से जुड़े अधिकारियों का मानना है कि यदि प्रत्येक जिले के लिए अलग-अलग आवेदन कोड जारी किए जाते या एक अभ्यर्थी को केवल एक जिले में आवेदन की अनुमति दी जाती, तो यह समस्या नहीं आती। इसी कारण इस पूरे मामले को भर्ती प्रक्रिया की गंभीर प्रशासनिक गलती माना जा रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि खाली पड़े इन 1500 पदों पर दोबारा भर्ती होगी या नहीं। फिलहाल इस संबंध में पुलिस विभाग या शासन की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही इस पर कोई निर्णय लिया जा सकता है।

रिटेंशन स्कीम सहित भिलाइयंस की मांगों पर बढ़ी टेंशन

25 को देवेंद्र की पदयात्रा से प्रशासन अलर्ट, भाजपा के नेता सिर्फ आश्वासन दे रहे, जनप्रतिनिधियों से बड़ी लगाई की उम्मीद

भिलाई/नवप्रदेश। रिटेंशन स्कीम सहित बीएसपी प्रबंधन के कई फैसलों के विरोध में भिलाई में आंदोलन जारी हैं। विधायक देवेंद्र यादव ने दिसंबर में पांच दिनों तक सत्याग्रह आंदोलन किया था। इसके बाद अब देवेंद्र 25 जनवरी को इस्पात भवन तक पदयात्रा करेंगे। बीएसपी प्रबंधन से बीएसपी कर्मियों समेत सेवानिवृत कर्मियों, ठेका श्रमिकों, व्यापारियों की मांगों को पूरा करने की मांग की जाएगी। देवेंद्र के भिलाई बचाओ आंदोलन को लेकर लगातार हो रहे आंदोलनों के नए दौर से प्रशासन अलर्ट हो गया है। आंदोलनों की कड़ी में भिलाई में कानून व्यवस्था कायम रखना सबसे बड़ी चुनौती है।

दरअसल, स्टील सिटी में बीएसपी कार्मिकों समेत ठेका श्रमिकों, रिटेंशन स्कीम से प्रभावित सेवानिवृत बीएसपी कर्मियों सहित व्यापारियों की मांगों को लेकर निर्णायक लड़ाई लड़ने में सांसद विजय बघेल प्रभावी नहीं हो पाए। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय भी अभी तक खुलकर इस लड़ाई में नहीं उतर पाए हैं। केंद्र और राज्य में भाजपा की सरकार होने के बावजूद बीएसपी कर्मियों, ठेका श्रमिकों और व्यापारियों समेत रिटायर्ड कर्मियों के हितों से जुड़े मुद्दों पर भाजपा के जनप्रतिनिधियों ने सार्थक पहल नहीं की है। मुद्दों को समर्थन देने के सिवा भाजपा के जनप्रतिनिधियों ने अब तक कोई सार्थक और ठोस काम नहीं किया है।

केंद्रीय स्तर पर भाजपा ने पहल नहीं की

पिछले कई महीने से विभिन्न मुद्दों को लेकर आंदोलन की सुगबुगाहटों के बीच सांसद विजय बघेल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय सहित अन्य भाजपा के जनप्रतिनिधियों ने मांगों का समर्थन जरूर किया है लेकिन, इन मुद्दों को लेकर केंद्रीय स्तर पर पहल नहीं की गई है। बीएसपी और सेल के अफसरों ने अलग-अलग मौके पर आंदोलनकारियों, प्रतिनिधिमंडल से चर्चा जरूर की है। लेकिन, केंद्रीय मंत्रालय पर सारे फैसले होने का हवाला देकर अफसर चुप्पी साध लेते हैं। किसी भी मांग को लेकर अब तक अंतिम रूप से फैसला नहीं किया जा सका है।

देवेंद्र के जुझारू तेवरों से प्रशासन अलर्ट

अभी तक केवल श्रमिक यूनियनों के नेता ही सड़क पर उतरकर आंदोलन कर रहे थे। उनके बाद विधायक देवेंद्र यादव ने बीएसपी के मुद्दों को लेकर सड़क पर उतरने का साहस दिखाया है। सत्याग्रह के बाद अब देवेंद्र ने पदयात्रा की तैयारी शुरू कर दी है। गणतंत्र दिवस से ठीक एक दिन पहले पदयात्रा के ऐलान से प्रशासन अलर्ट है। देवेंद्र ने भिलाई बचाओ आंदोलन को सफल बनाने ज्यादा से ज्यादा लोगों से पदयात्रा में शामिल होने का आव्हान किया है। पदयात्रा को सफल बनाकर बीएसपी-सेल मैनेजमेंट को बड़ा संदेश देने की तैयारी चल रही है।

याद आने लगे चंद्राकर, रवि आर्या, बीडी और गजेंद्र

भिलाई में रवि आर्या ऐसे श्रमिक नेता और विधायक थे, जो पूरे सेल प्रबंधन को हिला देने की क्षमता रखते थे। आर्या जब इंटक में सक्रिय रहे, तब तक प्रबंधन श्रमिक विरोधी फैसले नहीं कर सका। उस दौर में केंद्र की कांग्रेस सरकार में दुर्ग के सांसद चंदूलाल चंद्राकर बेहद पॉवरफुल रहे। केंद्रीय स्तर पर चंदूलाल चंद्राकर और आर्या के संयुक्त हस्तक्षेप से श्रमिकों का अहित नहीं हुआ।

पीपीपी में है भिलाइयंस की लड़ाई लड़ने की काबिलियत

नियम-कानून-एक्ट के साथ दृढ़ता से अपनी बात रखने वाले तेजतर्रार नेता पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय एक वक्त में भिलाई की ऐसी ताकत रहे, जिनके एक फोन से बीएसपी मैनेजमेंट के पसीने छूट जाते थे। श्रमिकों की लड़ाई लड़ने के लिये प्रेमप्रकाश पांडेय के पास कूवत भी है और काबिलियत भी। लगातार दो बार विधानसभा चुनाव में पराजय के बाद प्रेमप्रकाश पांडेय की सक्रियता कम हुई है। केंद्र में भाजपा की सत्ता होने के कारण भी पीपीपी भिलाईयंस की लड़ाई नहीं लड़ पा रहे।

बीडी कुरैशी की सक्रियता भी हुई कम

आर्या के राजनीतिक अवसान के दौर में ही बीडी कुरैशी और इंटक नेता गजेंद्र सिंह ने भी बीएसपी कर्मियों के हित में काफी असरदार भूमिका निभाई। लेकिन, उम्र का असर होने और कांग्रेस में पूछपरख के साथ रसूख खत्म होने से बीडी कुरैशी अब भिलाइयंस के लिये सक्रिय नहीं हैं। सांसद रहते हुए सरोज पांडेय ने श्रमिक संगठनों की आवाज उठाई, लेकिन पद जाने के बाद सक्रियता भी कम होती गई। राकेश पांडेय को धार्मिक आयोजन के बहाने चुनावी नैया पार करने पर ज्यादा भरोसा है।

सुजल ग्राम संवाद के तृतीय चरण में ग्राम पंचायत साल्हेभाट ने किया छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व

जल संरक्षण पर जोर, मिशन के कार्यों में तेज प्रगति पर भी मंथन

रायपुर/नवप्रदेश। जल जीवन मिशन, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित सुजल ग्राम संवाद के तृतीय चरण में छत्तीसगढ़ राज्य की ओर से कोंडागांव जिले के ग्राम पंचायत साल्हेभाट ने प्रतिनिधित्व किया। वी सी के माध्यम से आयोजित इस संवाद में छत्तीसगढ़ के साथ-साथ अरुणाचल प्रदेश, गोवा, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, दादर एवं नगर हवेली, दमन एवं दीव तथा लक्षद्वीप के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के मिशन संचालक द्वारा ग्राम पंचायत साल्हेभाट के प्रतिनिधियों से पेयजल की उपलब्धता, जल जीवन मिशन से ग्रामीणों के जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तनों, जल वहिनियों द्वारा एफटीके के माध्यम से जल परीक्षण एवं नमूना जांच की प्रक्रिया पर चर्चा की गई।

इसके साथ ही ग्रामवासियों द्वारा पेयजल हेतु मासिक शुल्क निर्धारण, योजना के संचालन एवं संधारण की व्यवस्थाओं पर भी विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर जिला कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से कलेक्टर कोंडागांव श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने जिले में जल जीवन मिशन की प्रगति की जानकारी दी तथा जल सेवा आकलन एवं जल अर्पण दिवस को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम के अंत में जेरेना/तन्नन्न्न द्वारा पेयजल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु तैयार की गई कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। वहीं, मिशन संचालक जल जीवन मिशन छत्तीसगढ़ शासन श्री जितेन्द्र शुक्ला ने राज्य स्तर पर योजना की प्रगति से अवगत कराया।

छात्रवृत्ति योजना से श्रमिक परिवारों के बच्चों के सपने को मिली उड़ान

■ पिता गढ़ते हैं ईट-पत्थर से इमारत, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना से खुशबू गढ़ेगी अपना भविष्य

रायपुर/नवप्रदेश। आदिवासी बहुल मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के छोटे से गांव सिंगरायटोला में एक साधारण सी झोपड़ी में पल रहे सपनों को आज नई उड़ान मिली है। यहां रहने वाले निर्माण श्रमिक श्री जयगोपाल मेश्राम रोजाना कड़ी मेहनत कर ईट-पत्थरों से इमारतें खड़ी करते हैं, लेकिन उनके दिल में हमेशा एक ही सपना रहा उनकी बेटी पढ़-लिखकर एक बेहतर और सम्मानजनक जीवन जिए।

आर्थिक समस्याओं के बीच भी उन्होंने कभी अपनी बेटी कुमारी खुशबू की पढ़ाई को बोझ नहीं बनने दिया। मेहनत, लगन और पिता के सपनों के साथ खुशबू आगे बढ़ती रही। ऐसे समय में श्रम विभाग की मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना उनके परिवार के लिए आशा की किरण बनकर आई। इस योजना के अंतर्गत खुशबू को छात्रवृत्ति का लाभ मिला, जिसने उसकी पढ़ाई की राह को मजबूत और आसान बना दिया। यह केवल आर्थिक सहायता नहीं थी, बल्कि एक संदेश है कि मेहनतकश श्रमिक के बच्चे भी बड़े सपने देखे और उन्हें पूरा करने का हक रखते है। मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना के माध्यम से कक्षा 1 से लेकर स्नातकोत्तर, पीएचडी एवं शोध कार्य तक अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को 1,000 से 10,000 तक की छात्रवृत्ति बिना अंकों की बाध्यता के प्रदान की जाती है। शर्त सिर्फ इतनी है कि श्रमिक अभिभावक ने पिछले एक वर्ष में कम से कम 90 दिन निर्माण कार्य किया हो।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से सतेंद्र का बिजली बिल हुआ न के बराबर

रायपुर/नवप्रदेश। शासन की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। यह योजना न केवल बढ़ते बिजली बिल से राहत प्रदान कर रही है, बल्कि लोगों को स्वच्छ, सस्ती एवं हरित ऊर्जा से जोड़ते हुए ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी बना रही है।

योजना के माध्यम से आम उपभोक्ता अब केवल बिजली उपभोगकर्ता नहीं, बल्कि ऊर्जा उत्पादक भी बन रहे हैं। योजना की सफलता का जीवंत उदाहरण खैरागढ़ विकासखंड के ग्राम बेन्द्रिडीह निवासी श्री सतेंद्र साहू हैं। उन्होंने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप पैनल स्थापित किया है। सोलर पैनल लगने के महज एक माह के भीतर ही उनका बिजली बिल लगभग शून्य हो गया। पूर्व में जहां अधिक बिजली खपत के कारण उन्हें प्रतिमाह औसतन 1500 रुपये तक का बिजली बिल चुकाना पड़ता था, वहीं अब सौर ऊर्जा के उपयोग से उन्हें बड़ी राहत मिली है। दिसंबर माह में उनका बिजली बिल मात्र 20 रुपये आया।

ट्रिपल आईटी में 21वां छत्तीसगढ़ युवा वैज्ञानिक सम्मेलन

■ प्रत्येक विषय-धारा में चयनित युवा वैज्ञानिक को 21 हजार का नकद पुरस्कार

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के युवा वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं को शोध, नवाचार और अकादमिक पहचान का सशक्त मंच प्रदान करने के उद्देश्य से 21वां छत्तीसगढ़ युवा वैज्ञानिक सम्मेलन (सीवायएससी - 2026) का आयोजन 17 एवं 18 मार्च 2026 को अंतरराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नया रायपुर में किया जाएगा। इस सम्मेलन का आयोजन छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तथा ट्रिपल आईटी नया रायपुर द्वारा किया जा रहा है।

सीवायएससी - 2026, छत्तीसगढ़ के उभरते हुए युवा वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के लिए एक सुनहरा अवसर है, जिसके माध्यम से उन्हें आर्थिक प्रोत्साहन के साथ राष्ट्रीय स्तर पर शोध अनुभव तथा वैज्ञानिक समुदाय में पहचान प्राप्त होगी। यह सम्मेलन राज्य की विकास आवश्यकताओं से जुड़े मौलिक, नवोन्मेषी एवं गुणवत्तापूर्ण शोध को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। सम्मेलन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक डॉ. कवीश्वर प्रशांत ने कहा कि छत्तीसगढ़ युवा वैज्ञानिक सम्मेलन राज्य की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य प्रतिभाशाली युवा वैज्ञानिकों की पहचान कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। सीवायएससी-2026 के माध्यम से राज्य में हो रहे मौलिक एवं नवाचारी शोध को राष्ट्रीय स्तर पर मंच प्रदान किया जाएगा। ट्रिपल आईटी नया रायपुर के कुलपति एवं निदेशक प्रो. ओम प्रकाश व्यास ने कहा कि संस्थान में 21वें छत्तीसगढ़ युवा वैज्ञानिक सम्मेलन का आयोजन शोध-केंद्रित दृष्टिकोण और युवा वैज्ञानिकों के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह सम्मेलन युवा शोधकर्ताओं को विशेषज्ञों से संवाद, मार्गदर्शन और अनुसंधान क्षमता के विकास का प्रभावी मंच प्रदान करेगा।

सीवायएससी - 2026 के प्रत्येक विषय-धारा में चयनित युवा वैज्ञानिक को 21 हजार रूपए की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही पुरस्कार विजेताओं को भारत की किसी राष्ट्रीय प्रयोगशाला, प्रतिष्ठित शोध संस्थान अथवा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय में दो माह तक उन्नत शोध कार्य करने का अवसर भी मिलेगा।

दुर्लभ ऑरेंज-ब्रेस्टेड ग्रीन-पिजन, बर्ड सर्वे के दौरान हुई विशेष फोटोग्राफी

बारनवापारा अभयारण्य में वर्षों बाद नजर आए मेहमान, वन्यजीव संरक्षण में इसे एक बड़ा रिकॉर्ड माना जा रहा

रायपुर/नवप्रदेश। बारनवापारा अभयारण्य से पक्षी प्रेमियों और पर्यावरणविदों के लिए एक बेहद सुखद खबर सामने आई है। हाल ही में अभ्यारण्य में आयोजित बर्ड सर्वे के दौरान दुर्लभ 'ऑरेंज-ब्रेस्टेड ग्रीन-पिजन' (ट्रेरॉन बाइसिंक्टस) की उपस्थिति दर्ज की गई है।

ऐतिहासिक रूप से इस पक्षी की उपस्थिति बारनवापारा में पहले भी दर्ज की गई थी, जब वर्ष 2015-16 में विख्यात पक्षी विशेषज्ञ ए.एम.के. भरोस ने इसे देखा था। उसके बाद से यह प्रजाति यहाँ से ओझल रही थी, जिससे अब इसकी पुनः वापसी वन्यजीव संरक्षण की दृष्टि से एक बड़ा रिकॉर्ड मानी जा रही है।

इस दुर्लभ पक्षी की साइटिंग पकरीद टीम द्वारा की गई, जिसमें बर्डर एवं वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर राजू वर्मा और प्रतीक ठाकुर सहित कर्नाटक, बिहार और ओडिशा के विशेषज्ञ शामिल थे। टीम को उस वक्त बड़ी सफलता मिली जब इस पक्षी का एक जोड़ा उनके ठीक ऊपर पेड़ पर बैठा पाया गया, जिससे उड़ने से पहले उनकी विस्तृत फोटोग्राफी और रिकॉर्डिंग करना संभव हो सका।

वन्यजीव प्रेमियों के लिए यह साइटिंग इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस प्रजाति को कई वर्षों के लंबे अंतराल के बाद इस क्षेत्र में देखा गया है। भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के कुछ हिस्सों में पाया जाने वाला यह पक्षी मुख्य रूप से अंजीर और जंगल के अन्य रसीले फलों पर निर्भर रहता है। इसे एक निवासी प्रजाति माना जाता है जो स्थानीय मौसमी बदलावों के साथ अपनी गतिविधियां संचालित करता है। छत्तीसगढ़ के अन्य वनों में भी इसकी मौजूदगी समय-समय पर दर्ज होती रही है, लेकिन बारनवापारा में इसकी वापसी पारिस्थितिकी तंत्र की मजबूती को दर्शाती है।

सर्वे टीम ने इस पक्षी की पहचान इसकी विशिष्ट शारीरिक विशेषताओं के आधार पर की है। ऑरेंज-ब्रेस्टेड ग्रीन-पिजन की नीली-धूसर गर्दन, पीले-हरे रंग का सिर और शरीर का निचला हिस्सा इसे विशेष बनाता है। इसके लाल पैर और स्लेटी-धूसर केंद्रीय पूंछ के पंख इसे आमतौर पर दिखने वाले 'येलो-फुटेड ग्रीन-पिजन' (हरियल) से स्पष्ट रूप से अलग करते हैं।

विशेष रूप से नर पक्षी की पहचान उसके सीने पर मौजूद गहरे नारंगी रंग के पैच से की गई। कई वर्षों बाद इस प्रजाति का कैमरे में कैद होना न केवल फोटोग्राफर्स के लिए उत्साह का विषय है बल्कि यह अभयारण्य में पक्षियों के अनुकूल वातावरण और विविधता का एक सशक्त प्रमाण भी है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर तृतीय तल, सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, राजा रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर* (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी), स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, समाचार संपादक-संदीप दीवान, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com